हिंदी दैनिक

कोयलांचल संवाद

www.ksnewsupdates.com धनबाद, सोमवार 13 अप्रैल, 2026, वर्षः 35 अंक : 20, मूल्यः 3 रूपए

धनबाद एवं रांची से एक साथ प्रकाशित

YouTube Subscribe Koylanchal sambad news

संक्षिप्त खबरें

मुख्यमंत्री से मिले इरफान अंसारी, कहा सरकार का मुख्य फोकस जनहित व विकास

रांची(ईएमएस)।स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने रविवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने और भविष्य की जनकल्याणकारी योजनाओं पर विस्तृत चर्चा हुई।मुलाकात के बाद डॉ इरफान अंसारी ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार का मुख्य फोकस जनहित और विकास है।उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से उन लोगों को आड़े हाथों लिया जो सरकार के भीतर मतभेद की अफवाहें फैला रहे हैं। कहा कुछ लोग भ्रामक खबरें फैलाकर जनता को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन हमारी विचारधारा और लक्ष्य पूरी तरह एक हैं।डॉ अंसारी ने गठबंधन की मजबूती पर जोर देते हुए कहा कि राहुल गांधी और हेमंत सोरेन दोनों ही न्याय और विकास के पथ पर चलने वाले नेता हैं।वे एक-दूसरे के पूरक हैं और प्रदेश को नयी दिशा देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जनहित के मुद्दों पर केंद्रित है और किसी भी प्रकार की भ्रामक खबरों से प्रभावित हुए बिना विकास के एजेंडे को आगे बढ़ाया जायेगा। उन्होंने दोहराया कि अफवाह फैलाने वालों को उनके काम और एकजुटता से करारा जवाब मिलेगा।

बूढ़ा पहाड़ पर अब पहुंचेगी विकास की रौशनी, मंत्री राधाकृष्ण किशोर सोमवार को करेंगे समीक्षा

गढ़वा(ईएमएस)।झारखंड का बूढ़ा पहाड़ जो कभी नक्सलियों का अभेद्य किला माना जाता था, अब वहां विकास की नई इबारत लिखने की तैयारी पूरी हो चुकी है। राज्य के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री राधाकृष्ण किशोर सोमवार को को गढ़वा दौरे पर रहेंगे।इस दौरान वे बूढ़ा पहाड़ और टेहरी पंचायत के गांवों में बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता को लेकर एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक करेंगे।निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, मंत्री पूर्वाह्न साढ़े ग्यारह बजे गढ़वा समाहरणालय स्थित सभागार में जिले के आला अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे।इस बैठक का मुख्य केंद्र बूढ़ा पहाड़ क्षेत्र के गांव होंगे।मंत्री श्री किशोर समीक्षा करेंगे कि इन दुर्गम इलाकों में सड़क, बिजली, पानी, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी बुनियादी सुविधाएं धरातल पर कितनी पहुंची है।गौरतलब है कि कुछ दिनों पहले ही मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने खुद बूढ़ा पहाड़ का दौरा किया था।दशकों तक यह क्षेत्र लाल आतंक और नक्सलियों के सुरक्षित शरणस्थली के रूप में कुख्यात था, जहां प्रशासन का पहुंचना भी बड़ी चुनौती थी।लेकिन सुरक्षाबलों की सफलता के बाद अब सरकार का पूरा ध्यान इस क्षेत्र को मुख्यधारा से जोड़ने पर है।अपने पिछले दौरे के दौरान मंत्री किशोर ने ग्रामीणों की समस्याओं को करीब से देखा था, जिसके बाद कल की यह समीक्षा बैठक काफी अहम मानी जा रही है।समीक्षा बैठक के समापन के बाद, दोपहर एक बजे मंत्री राधाकृष्ण किशोर समाहरणालय में ही प्रेस वार्ता को संबोधित करेंगे।उम्मीद की जा रही है कि वे बूढ़ा पहाड़ क्षेत्र के लिए कुछ बड़ी योजनाओं या विशेष पैकेज की घोषणा कर सकते हैं।

आजसू पार्टी राज्य स्तर पर मनाएगी अंबेडकर जयंती

रांची(ईएमएस)।आजसू पार्टी आगामी 14 अप्रैल को संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती राज्य स्तर पर मनाएगी। पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो के निर्देशानुसार, झारखंड के सभी जिलों में कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।मुख्य प्रवक्ता डॉ देवशरण भगत ने बताया कि रांची स्थित पार्टी मुख्यालय में मुख्य कार्यक्रम होगा, जहाँ पार्टी नेता और कार्यकर्ता बाबासाहेब के चित्र पर माल्यार्पण कर उनके शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो के आदर्शों को दोहराएंगे। उन्होंने कहा कि डॉ. अंबेडकर का जीवन सामाजिक न्याय और समानता की प्रेरणा देता है। इस दौरान विचार गोष्ठियां आयोजित कर उनके संवैधानिक योगदान पर चर्चा की जाएगी।

बदलें, थैलेसीमिया के इलाज में विलंब से दर्जनों बच्चों का बोन मैरो ट्रांसप्लांट करने की अवधि समाप्त हो जाएगी : सीपीएम

रांची(ईएमएस)।राज्य के स्वास्थ्य मंत्री की घोषणाएं जमीन पर नहीं उतर रही हैं।सीपीएम के राज्य सचिव प्रकाश विप्लव ने कहा है कि पिछले बजट सत्र में सरकारी स्वास्थ्य सेवा को और बेहतर बनाने की कई घोषणाएं की गयी हैं लेकिन धरातल पर कुछ नहीं हो रहा है।पिछले वर्ष दिसम्बर में स्वास्थ्य मंत्री ने सदन में घोषणा की थी कि बोन मेरो ट्रांसप्लांट के लिए राजधानी के सदर अस्पताल में अलग से एक युनिट की स्थापना की जाएगी साथ ही प्रत्येक पीड़ित बच्चे को बीएमटी के लिए 15 लाख रुपये दिए जायेंगें। उल्लेखनीय है कि बीएमटी के लिए एक निश्चित उम्र और शारीरिक विकास का समय निर्धारित है। डाक्टरों का कहना है कि इसके बाद बीएमटी के सफलता की संभावना बहुत कम हो जाती है। इसलिए देर होने से बोन मेरो ट्रांसप्लांट करना संभव नहीं हो सकेगा। स्वास्थ्य विभाग को इसे गंभीरता से लेना चाहिए क्योंकि यह थैलेसीमिया व सिकल सेल एनीमिया से पीड़ित बच्चों के जिंदगी का मामला है।स्वास्थ्य मंत्री द्वारा रिम्स परिसर में तैयार हो गए क्षेत्रीय चक्षु केंद्र के शुरुआत की भी घोषणा अभी तक लागू नहीं हो सकी है।सीपीएम मांग करता है की रिम्स सहित राज्य की सरकारी स्वास्थ्य सेवा को बेहतर बनाया जाए क्योंकि झारखंड की अधिकांश गरीब जनता इस पर ही निर्भर है।

हाथी का आतंक, बसिया में महिला को कुचल कर मार डाला, दहशत में लोग

गुमला। गुमला जिले में जंगली हाथियों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। अभी दो दिन पहले घाघरा क्षेत्र में एक युवक को हाथी ने कुचलकर मार डाला था। लोग उस घटना के सदमे से उबर भी नहीं पाए थे कि रविवार को बसिया प्रखंड के महाराजगंज कारालोया इलाके में एक और दर्दनाक हादसा हो गया। बाघधरा जंगल में महुआ चुनने गई 56 वर्षीय बिरसमुनि उराइन पर अचानक एक हाथी ने हमला कर दिया। महिला को संभलने का मौका तक नहीं मिला और हाथी ने उन्हें पैरों तले कुचल दिया, जिससे घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई। लगातार दो घटनाओं ने पूरे इलाके में भय का माहौल पैदा कर दिया है। ग्रामीण दहशत में हैं और जंगल जाने से कतरा रहे हैं। घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग और बसिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची। अधिकारियों ने स्थिति का जायजा लिया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।वन विभाग ने तत्काल 25 हजार रुपये की सहायता राशि परिजनों को दी है और बाकी मुआवजा प्रक्रिया पूरी होने के बाद देने का आश्वासन दिया है। वन अधिकारियों के अनुसार, हाथी घाघरा क्षेत्र से भटककर बसिया के जंगलों में पहुंचा है और उसे खदेड़ने की कोशिश जारी है।

हेमंत सोरेन बंगाल में ममता बनर्जी के लिए करेंगे चुनाव प्रचार

आदिवासी इलाकों पर फोकस, ममता बनर्जी को आदिवासी वोट बैंक में मजबूती मिलेगी

रांची। असम में अपने दल झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के उम्मीदवारों के पक्ष में धुआंधार चुनाव प्रचार करने के बाद अब मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जल्द ही बंगाल का रुख करने जा रहे हैं। वहां वे सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के समर्थन में चुनावी अभियान को धार देंगे।

उनके कार्यक्रम को अंतिम रूप दिया जा रहा है, जबकि झामुमो के वरिष्ठ नेता पहले ही बंगाल पहुंचकर समन्वय की रूपरेखा तैयार करेंगे। ममता बनर्जी के समर्थन में झामुमो पूरी ताकत झोंकने की तैयारी में है।

2021 के विधानसभा चुनाव में भी हेमंत सोरेन ने तृणमूल के पक्ष में प्रचार किया था, जिसका असर खासकर आदिवासी बहुल क्षेत्रों में देखने को मिला था।

इस बार भी हेमंत सोरेन का मुख्य फोकस बंगाल के आदिवासी बहुल इलाके होंगे। झारखंड से सटे जंगलमहल क्षेत्र के अलावा उत्तर बंगाल के जिलों में भी उनकी सभाएं प्रस्तावित हैं।

इन इलाकों में झामुमो की विचारधारा और सामाजिक आधार को विस्तार देने की रणनीति पर काम किया जा रहा है। गांडेय विधायक कल्पना सोरेन का भी कार्यक्रम बन सकता है, जिससे प्रचार अभियान को और धार मिलेगी।

राजनीतिक रिश्तों की मजबूती

झामुमो के सांसद विजय हांसदा ने कहा है कि तृणमूल कांग्रेस के साथ पार्टी का पुराना और गहरा संबंध रहा है। उन्होंने इसे राजनीतिक सहयोग का स्वाभाविक विस्तार बताया।

वहीं मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने भी कहा कि विभिन्न दलों के बीच सहयोग लोकतंत्र की मजबूती के लिए जरूरी है और इस पर अंतिम निर्णय पार्टी नेतृत्व लेगा।

उल्लेखनीय है कि झारखंड और बंगाल के सीमावर्ती क्षेत्रों में सामाजिक-आर्थिक समानताएं हैं, जिनका राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश चुनाव में होगी।

आदिवासी वोट बैंक को साधने में हेमंत सोरेन की लोकप्रिय छवि प्रभावी हो सकती है। इससे ममता बनर्जी को उन क्षेत्रों में मजबूती मिल सकती है, जहां भाजपा लगातार अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश कर रही है।

पश्चिम बंगाल में न्यायिक अधिकारियों के घेराव का मामला

एनआईए की बड़ी कार्रवाई, हिरासत में कांग्रेस प्रत्याशी समेत सात लोग

कोलकाता : पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव की गहमागहमी के बीच मालदा जिले से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। रविवार को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए सात लोगों को हिरासत में लिया है। इनमें मोथाबारी विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस के प्रत्याशी सईम चौधरी भी शामिल हैं। इसके साथ ही, जांच एजेंसी ने इंडियन सेक्युलर फ्रंट (आईएसएफ) के एक पंचायत सदस्य को भी गिरफ्तार किया है।

चुनाव प्रचार के दौरान हुई कार्रवाई

यह पूरी कार्रवाई उस समय हुई जब कांग्रेस प्रत्याशी सईम चौधरी अपने समर्थकों के साथ अलीनगर पंचायत क्षेत्र में चुनाव प्रचार कर रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एनआईए की टीम अचानक वहां पहुंची और सईम चौधरी व उनके छह साथियों को पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया।

क्या है पूरा मामला?

यह मामला एक अप्रैल को हुई उस घटना से जुड़ा है जिसने पूरे राज्य की कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए थे। दरअसल, मालदा में स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (एसआईआर) यानी मतदाता सूची के विशेष सुधार कार्य के दौरान स्थानीय लोगों ने जमकर हंगामा किया था। आरोप था कि मतदाता सूची से बड़ी संख्या में नाम हटाए गए हैं।

इतना ही नहीं, इस दौरान वहां मौजूद सात न्यायिक अधिकारियों को कई घंटों तक बंधक बनाए रखा गया। इनमें तीन महिला अधिकारी भी शामिल थीं। इस घटना को सुप्रीम कोर्ट ने बेहद गंभीरता से लिया और बंगाल प्रशासन को जमकर फटकार लगाई थी।

जांच के दायरे में कई संगठन

इस मामले की गंभीरता को देखते हुए चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर जांच की जिम्मेदारी एनआईए को सौंपी है। जांच अधिकारियों के मुताबिक,आईएसएफ के ग्राम पंचायत सदस्य गुलाम रब्बानी को गिरफ्तार किया गया है। रब्बानी की गिरफ्तारी एआईएमआईएम सदस्य मोफक्करुल इस्लाम से हुई पूछताछ के आधार पर हुई है, जिसे पहले राज्य पुलिस ने पकड़ा था। एनआईए सूत्रों का कहना है कि रब्बानी को कोलकाता ले जाया जाएगा। अधिकारियों का मानना है कि उससे पूछताछ के बाद इस सुनियोजित घेराव के पीछे के बड़े चेहरों का पर्दाफाश हो सकेगा।

अब देश के आखिरी गांव तक पहुंचेगी रेल

भारतीय रेलवे ने 6000 किमी नई लाइन विस्तार को दी मंजूरी

नई दिल्ली : भारतीय रेल देश के आखिरी छोर तक कनेक्टिविटी बढ़ाने और गरीब व दूर-दराज के इलाकों तक पहुंच बनाने के लिए बड़े स्तर पर निवेश कर रही है। इसके तहत भारतीय रेलवे ने 2025-26 में 6000 किलोमीटर नई रेल लाइन के विस्तार को मंजूरी दी है, जो पिछले साल के मुकाबले 114% ज्यादा है।

इस बार खास जोर आदिवासी क्षेत्रों में नई रेल लाइन बिछाने और भीड़भाड़ वाले रूट को कम करने पर है, ताकि ट्रेन समय पर चलें और यात्रियों को बेहतर सुविधा मिल सके। कुल 1.53 लाख करोड़ के निवेश के साथ यह पिछले साल से 110% ज्यादा है। इसके साथ ही 2025-26 में 100 नए प्रोजेक्ट मंजूर किए गए हैं, जो 56% की बढ़ोतरी दिखाते हैं।

इन परियोजनाओं से क्या-क्या होगा?

इन परियोजनाओं से यात्रा का समय कम होगा, रोजगार के मौके बढ़ेंगे, उद्योगों को फायदा मिलेगा और माल ढुलाई सस्ती होगी। महाराष्ट्र, बिहार, झारखंड और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में खास तौर पर रेल नेटवर्क मजबूत किया जाएगा, जिससे माल और यात्रियों की आवाजाही बेहतर होगी।

इसके साथ ही पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के तहत ये प्रोजेक्ट बाजार, अस्पताल, शिक्षा और नौकरी तक लोगों की पहुंच आसान बनाएंगे। 35 से ज्यादा बड़े प्रोजेक्ट (1000 करोड़ से ऊपर) भी शामिल हैं, जिनसे रेलवे की क्षमता और दक्षता बढ़ेगी और देशभर में कनेक्टिविटी मजबूत होगी।

आशा भोसले का निधन, 92 साल की उम्र में ली अंतिम सांस

सोमवार को होगा अंतिम संस्कार

नई दिल्ली : आशा भोसले का 92 साल की उम्र में निधन हो गया है. रिपोर्ट्स के अनुसार, दिग्गज सिंगर का कार्डियक अरेस्ट से निधन हो गया है. वह शनिवार को मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में एडमिट थीं. वहीं उनका अंतिम संस्कार सोमवार को किया जाएगा. खबर आते ही सोशल मीडिया पर शोक की लहर है. वहीं फैंस और सेलेब्स सोशल मीडिया के जरिए रिएक्शन देते हुए नजर आ रहे हैं. हालांकि निधन से कुछ घंटे पहले देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिग्गज गायिका के स्वस्थ होने की कामना की थी. उन्होंने एक्स पर लिखा, "यह सुनकर चिंता में हूं कि आशा भोसले जी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है. उनके अच्छे स्वास्थ्य और जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं."

आशा भोसले की सेहत की बात करें तो उन्हें अचानक कार्डियक अरेस्ट आया, जिसके बाद उन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया था.

झारखंड राज्य आंगनबाड़ी सेविका सहायिका यूनियन का राज्य सम्मेलन संपन्न

मीरा देवी अध्यक्ष व मीनू मूर्मू बनी महासचिव

रांची(ईएमएस)।ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ आंगनबाड़ी वर्कर्स एण्ड हेल्पर (आइफा) एवं सीटू से संबद्ध झारखंड राज्य आंगनबाड़ी सेविका सहायिका यूनियन का चतुर्थ राज्य सम्मेलन सफदर हाशमी सभागार मेन रोड रांची में हुई।सम्मेलन की शुरूआत झंडोत्तोलन और शहीद बेदी पर माल्यार्पण के साथ हुआ। स्वागत भाषण सीटू के कार्यकारी अध्यक्ष कॉमरेड भवन सिंह ने किया।सम्मेलन का विधिवत उदघाटन करते हुए ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ आंगनबाड़ी वर्कर्स एण्ड हेल्पर (आइफा) की राष्ट्रीय महासचिव उषा रानी ने कहा कि एफआरएस के नाम पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का शोषण हो रहा है। उनके मानदेय रोके जा रहे हैं जो बिल्कुल अन्याय है।छह महीने से टीएचआर के लिए रेडी टू इट पैकेट नहीं मिल रहा है।एफआरएस तो एक धोखा होगा। काम करने के लिए डेटा पैक के साथ लैपटॉप दिया जाए और ओटीपी के लिए लाभुकों को फोन दिया जाए, ताकि लाभुक अपने अधिकार से वंचित नहीं हों। सरकार काम पर काम थोपा रही है, लेकिन मानदेय नहीं बढ़ाया रही है।केन्द्र सरकार ने 2018 के बाद मानदेय में कोई बढ़ोतरी नहीं किया है। जबकि महंगाई की कई गुणा बढ़ गया है।सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बावजूद झारखंड सहित कई राज्यों में आंगनबाड़ी कर्मियों को ग्रेच्युटी का लाभ नहीं दिया जा रहा है। इसलिए सेविका सहायिकाओं के पास आंदोलन के सिवाय कोई रास्ता नहीं है। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वीणा गुप्ता ने कहा कि एसआईआर के कामों से सेविकाओं को मुक्त किया जाना चाहिए। इसके नाम पर पदाधिकारियों द्वारा इन महिलाओं को रात में भी काम करने के लिए फोन कर परेशान किया जाता है।आंगनबाड़ी सेविका को चुनाव कार्य से मुक्त किया जाना चाहिए। सीटू के राज्य महासचिव बिश्वजीत देब ने कहा कि केंद्र सरकार अपने कॉरपोरेट पक्षीय एजेंडे को जारी रखते हुए मजदूरों को गुलाम बनाने वाली चार लेबर कोड को लागू कर दिया है।जिसका उद्देश्य आम जनता की बुनियादी लोकतांत्रिक और संवैधानिक अधिकारों पर रोक लगाकर जनवादी आंदोलनों को कुचलना है।

बंगाल चुनाव परिणाम से पहले कमेटी विस्तार की तैयारी अंतिम चरण में

रांची। झारखंड में प्रदेश कांग्रेस के विभिन्न पदों को लेकर कमेटी विस्तार की तैयारी अंतिम चरण में है। कोशिश है कि बंगाल चुनाव परिणाम के पूर्व कमेटी का विस्तार हो जाए।

परिणाम आने के बाद केंद्रीय नेतृत्व की व्यस्तता बढ़ जाएगी और कमेटी के विस्तार को लेकर निर्णय लेना मुश्किल होगा। इस बीच, प्रदेश कांग्रेस के कई शीर्ष नेता नई दिल्ली की लगातार दौर लगा रहे हैं। इसे प्रस्तावित कमेटी विस्तार में अपनी पसंद के कार्यकर्ताओं

को शामिल कराने के प्रयासों के तहत देखा जा रहा है। कमेटी में अपने लोगों को शामिल कराने की कोशिश में जुटे इन सीनियर्स को हर लोकसभा क्षेत्र में अपनी पसंद का उपाध्यक्ष मनोनीत करवाना है तो जिलों में महासचिव भी अपनी पसंद का चाहिए। इस प्रकार पूरी टीम पर सीनियर नेता अपना अधिकार स्थापित करने में सफल होंगे। मकसद यह है कि अगले चुनाव में यही कमेटी उम्मीदवारों के चयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

प्रधानमंत्री मोदी का सिलीगुड़ी से संदेश

'बंगाल का मिजाज भाजपा के साथ', वीडियो साझा कर बोले- लोगों के दिल-दिमाग में भाजपा

कोलकाता : पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी में हुई विशाल जनसभा के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा करते हुए बड़ा राजनीतिक संदेश दिया है। पीएम मोदी ने कहा कि बंगाल का मिजाज अब साफ तौर पर भाजपा के पक्ष में दिखाई दे रहा है। वीडियो में वे हेलीपैड के पास खड़े होकर समर्थकों की भीड़ की वीडियोग्राफी कर रहे थे। तस्वीरों में भारी संख्या में लोग उनके स्वागत के लिए हेलीपैड के पास पहुंचे थे। पीएम मोदी ने वीडियो के साथ कैप्शन दिया 'पश्चिम बंगाल का मिजाज देखने के लिए, यहां सिलीगुड़ी आइए। लोगों के दिलों-दिमाग में सिर्फ एक ही पार्टी है- भाजपा।' रैली को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि जनता का प्यार और समर्थन ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने यह भी कहा कि वह हर पल देश और जनता के लिए समर्पित हैं। पीएम मोदी ने टीएमसी सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि पिछले कई वर्षों में उत्तर बंगाल के विकास को नजरअंदाज किया गया है। उन्होंने कहा कि सिलीगुड़ी, जो नॉर्थ बंगाल का गेटवे है, उसे बुनियादी ढांचे, कनेक्टिविटी और उद्योग के मामले में पीछे रखा गया।

संक्षिप्त खबरें

ट्रेज़री घोटाले में सरकार पर आजसू ने साधा निशाना,बड़ी मछलियों को बचाने की तैयारी,सीबीआई जांच हो : प्रवीण प्रभाकर

रांची(ईएमएस)।आजसू पार्टी के केंद्रीय उपाध्यक्ष प्रवीण प्रभाकर ने कहा है कि ट्रेजरी घोटाले की जांच वरीय आईएएस की अध्यक्षता में करवाने का वित्त विभाग का प्रस्ताव छलावा है। इससे साफ जाहिर है कि बड़ी मछलियों को बचाने की तैयारी शुरू हो गई है। प्रभाकर ने कहा कि ट्रेजरी घोटाले की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच के लिए सीबीआई को जिम्मा सौंपा जाना चाहिए, तभी सच्चाई सामने आएगी। प्रभाकर ने कहा कि ट्रेजरी से निकासी और व्यय की अंतिम जिम्मेवारी एसपी की होती है, जिनकी ओर से डीएसपी (मुख्यालय) को डीडीओ का जिम्मा सौंप दिया जाता है। इसलिए संबंधित डीएसपी और एसपी की भूमिका की निष्पक्ष और गहन जाँच होनी चाहिए। साथ ही जैप -आईटी की भूमिका, पोर्टल में छेड़छाड़, फर्जी पे-आईडी निर्माण, बिल पास करने जैसी तकनीकी खामियों पर जांच आवश्यक है। इसके लिए सीबीआई ही उपयुक्त एजेंसी है। प्रभाकर ने कहा कि पूरे घोटाले का मास्टरमाइंड सिपाही और क्लर्क को बताया जा रहा है, जो संभव नहीं लगता। यह मामला सिर्फ वित्तीय अनियमितता तक सीमित नहीं प्रतीत होता, बल्कि यह एक व्यापक और संगठित भ्रष्टाचार की ओर संकेत करता है। राज्य के कई जिलों में, पुलिस विभाग के माध्यम से 35 करोड़ रुपये से अधिक की अवैध निकासी के मामले सामने आ रहे हैं। तथ्यों से स्पष्ट है कि यह घोटाला अधिक व्यापक और गहरा है। प्रभाकर ने झामुमो महासचिव विनोद पांडे के बयान पर हैरत जताया है जिसमें उन्होंने कहा है कि यह 14 वर्ष पुराना मामला है। सच तो यह है कि उस समय खुद हेमंत सोरेन वित्त मंत्री थे।

उत्पाद विभाग परीक्षा प्रश्न पत्र लीक मामले की जांच सीबीआई से होः संजय सेठ

रांची(ईएमएस)केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने उत्पाद विभाग परीक्षा में पेपर लिक मामले पर आक्रोश व्यक्त करते हुए इसकी कड़े शब्दों में निंदा की है।श्री सेठ ने कहा झारखंड में एक बार फिर पेपर लीक ने युवाओं के सपनों पर कुठाराघात किया है। उत्पाद परीक्षा का पेपर लीक होना सिर्फ एक घटना नहीं है। यह पूरे सिस्टम में फैले भ्रष्टाचार और लापरवाही का जीता-जागता प्रमाण है।पहले भर्ती प्रक्रिया में अव्यवस्था दिखी। फिर बार-बार परीक्षा की तारीखों में बदलाव हुआ और अब पेपर लीक का मामला सामने आया है। यह सिलसिला साफ दिखाता है कि यहां युवाओं के भविष्य के साथ लगातार खिलवाड़ हो रहा है।आज 160 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया जाना, इस बात का संकेत है कि झारखंड में पेपर लीक का एक संगठित रैकेट चल रहा है। लेकिन बड़ा सवाल आज भी वही है कि आखिर ये रैकेट किसके संरक्षण में चल रहा है?हर बार छोटे लोगों पर कार्रवाई, लेकिन असली जिम्मेदार कब बेनकाब होंगे? आखिर वो बड़ी मछलियां कब पकड़ी जाएंगी? हर बार कार्रवाई के नाम पर यह आई वाश कब तक चलेगा? क्या युवाओं के जी-तोड़ मेहनत की कोई कीमत नहीं? क्या नौकरियां अब सिर्फ "सेटिंग" से मिलेंगी? अब यदि राज्य सरकार में तनिक भी नैतिकता बची है तो उस मामले की अविलंब सीबीआई जांच की अनुशंसा करें। राज्य की परीक्षा प्रणाली को पूर्ण रूप उच्च न्यायालय के रिटायर जज की निगरानी में संचालित किया जाए। दोषियों पर अविलंब सख्त से सख्त कार्रवाई सुनिश्चित हो। युवाओं का भविष्य किसी भी कीमत पर बर्बाद नहीं होने दिया जाएगा। अब जवाब देना ही होगा।

बंगाल चुनाव में प्रदेश कांग्रेस के ऋषिकेश व अमृत को मिली जिम्मेवारी संभालेंगे इलेक्शन कंट्रोल रूम

रांची(ईएमएस)।पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस ने अपनी सांगठनिक तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में झारखंड प्रदेश कांग्रेस के दो युवा नेताओं को बंगाल में चुनाव संचालन की जिम्मेदारी सौंपी गयी है। झारखंड प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता ऋषिकेश सिंह और प्रदेश युवा कांग्रेस लीगल सेल के चेयरमैन अमृत सिंह को पश्चिम बंगाल का स्टेट इलेक्शन को-ऑर्डिनेटर (कंट्रोल रूम प्रभारी) नियुक्त किया गया है।झारखंड कांग्रेस के प्रवक्ता रियाज अंसारी ने बताया कि यह नियुक्ति पश्चिम बंगाल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष शुभंकर सरकार द्वारा प्रदेश प्रभारी गुलाम अहमद मीर की अनुशंसा पर की गयी है। चुनाव के सफल संचालन और प्रचार-प्रसार को धार देने के उद्देश्य से कोलकाता में एक हाई-टेक स्टेट कंट्रोल रूम का गठन किया गया है, जिसकी कमान अब झारखंड के इन दो नेताओं के हाथ में होगी। ऋषिकेश सिंह और अमृत सिंह को चुनावी अभियान के दौरान स्टार प्रचारकों के लिए हेलीकॉप्टर और एयरक्राफ्ट के आवागमन का समन्वय करने व चुनाव के दौरान उत्पन्न होने वाली तकनीकी और रणनीतिक समस्याओं का कंट्रोल रूम के जरिये समाधान करने की जिम्मेवारी सौंपी गयी है।

हैदराबाद से घर लौटते ही प्रेमिका से मिलने गया अरुण, मारपीट के बाद संदिग्ध हालात में मौत

गढ़वा(ईएमएस)।गढ़वा जिले के डंडई थाना क्षेत्र के पोखरिया गांव में एक युवक की संदिग्ध मौत ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं।रविवार को हैदराबाद से मजदूरी कर लौटे 24 वर्षीय अरुण कोरवा की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई।घटना के बाद मृतक की पत्नी ललिता कुमारी और माँ अनीता देवी का रो-रोकर बुरा हाल है। परिजनों ने मारपीट और जहर खिलाने की आशंका जताई है।मृतक की माँ अनीता देवी ने बताया कि अरुण कोरवा रविवार को ही हैदराबाद से नौकरी करके वापस लौटा था। घर पहुंचते ही वह चिनिया थाना क्षेत्र के डोल गांव जाने की जिद करने लगा। परिजनों ने उसे बहुत समझाया और जाने से मना किया, लेकिन वह किसी की बात सुनने को तैयार नहीं था और सीधे उक्त महिला से मिलने चला गया।परिजनों का आरोप है कि जब अरुण डोल गांव पहुंचा, तो वहां महिला के परिजनों और ग्रामीणों ने उसे पकड़ लिया और उसके साथ जमकर मारपीट की। इसी दौरान संदिग्ध परिस्थितियों में अरुण ने जहरीला पदार्थ खा लिया या उसे जबरन खिला दिया गया।हालत बिगड़ने पर उसे आनन-फानन में गढ़वा सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों की तमाम कोशिशों के बावजूद उसकी जान नहीं बच सकी।अरुण की पत्नी ललिता कुमारी ने कहा कि 2021 में उनका प्रेम विवाह हुआ था।

बोकारो में 28 पुलिसकर्मी सस्पेंड

बोकारो(ईएमएस)। झारखंड में संभवतः ऐसा पहली बार हुआ है, जब किसी मामले के निष्पादन में जानबूझकर लापरवाही बरतने के आरोप में पूरे थाने को सस्पेंड किया गया हो। ऐसा उदाहरण बोकारो जिले के पिंड्राजोरा थाना का है। बोकारो एसपी ने इस थाने में कार्यरत 10 सब इंस्पेक्टर, पांच असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर, दो हवलदार और 11 सिपाही को सस्पेंड किया है। बोकारो एसपी ऑफिस से शनिवार की देर रात यह आदेश जारी किया गया है। दरअसल, 24 जुलाई 2025 को जिले के पिंड्राजोरा थाने की रहने वाली 18 साल की पुष्पा महतो के लापता होने का मामला उसकी मां रेखा देवी ने दर्ज कराया था। लेकिन लगभग 9 महीने तक पुलिस इसे नहीं तलाश पा रही थी। इसके बाद परिजन हाईकोर्ट पहुंच गए। मामले में हाईकोर्ट में पुलिस की कार्रवाई के लिए फटकार लगाई। डीजीपी से लेकर एसपी तक को कोर्ट में हाजिर होना पड़ा। इसके बाद पुलिस ने एक ही दिन में पूरे मामले का खुलासा कर दिया। पुलिस ने लापता युवती का कंकाल भी बरामद कर लिया और आरोपी को भी अरेस्ट कर लिया।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम केवल राजनीतिक लाभ का जरिया, तुरंत हो लागू : कांग्रेस

रांची(ईएमएस)।झारखंड प्रदेश कांग्रेस के महासचिव सह मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है।उन्होंने कहा कि महिलाओं को सशक्त बनाने के नाम पर लाया गया यह कानून वास्तविक अधिकार देने के बजाय केवल राजनीतिक लाभ लेने का एक माध्यम बनकर रह गया है।उन्होंने आरोप लगाया कि आरक्षण को जनगणना और परिसीमन से जोड़ कर सरकार इसे टालने की नीति अपना रही है। इससे यह आशंका है कि महिलाओं को इसका लाभ 2029 या उसके बाद ही मिल पायेगा। अधिनियम में पिछड़ी जाति (ओबीसी) की महिलाओं के लिए अलग प्रावधान नहीं होना अन्यायपूर्ण है। बिना सामाजिक न्याय के यह कानून अधूरा है। श्री सिन्हा ने कहा कि इस

जंग के बीच ईरान में महंगाई और जरुरी सामान की कमी

भारत ने दिखाई इंसानियत, भारत में अनाज का पर्याप्त भंडार, इसे ईरान भेजने पर किया जा रहा विचार

नई दिल्ली,(ईएमएस)। अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच एक महीने से ज्यादा चले युद्ध ने साबित कर दिया है कि तीनों पक्षों को भारी नुकसान हुआ है, लेकिन सबसे ज्यादा मार आम लोगों पर पड़ी है। सीजफायर का ऐलान जरूर हो गया है, लेकिन जमीन पर हालात अब भी आसान नहीं हैं। युद्ध अपने साथ सिर्फ तबाही नहीं लाता, बल्कि महंगाई, बेरोजगारी और खाने-पीने की किल्लत भी लेकर आता है। ईरान में भी यही स्थिति देखने को मिल रही है, जहां आम लोग महंगाई और जरूरी सामानों की कमी से जूझ रहे हैं। वहीं भारत ने इंसानियत का परिचय देते हुए ईरानी लोगों के लिए मदद का हाथ बढ़ाया है। शांति वार्ता भी बेअसर रही। भारत सरकार अब युद्ध से प्रभावित ईरान समेत कई देशों को चावल भेजने की योजना पर गंभीरता से विचार कर रही है, ताकि वहां के लोगों को राहत मिल सके।

यह कदम सिर्फ एक कूटनीतिक पहल नहीं, बल्कि मानवीय संवेदना का बड़ा उदाहरण है। ईरान में जरूरी खाद्य सामग्री महंगी हो गई है और कई जगहों पर उपलब्धता कम हो गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ऐसे में भारत का आगे आना एक राहत भरी खबर है। सरकार के पास इस समय अनाज का पर्याप्त भंडार है, जिसे जरूरतमंद देशों तक पहुंचाया जा सकता है। यह फैसला भारत की वैश्विक भूमिका को भी मजबूत करता है, जहां वह सिर्फ एक आर्थिक ताकत ही नहीं, बल्कि

संकट के समय मददगार देश के रूप में भी उभर रहा है। भारत सरकार के स्तर पर हाल ही में हुई उच्चस्तरीय बैठक में इस मुद्दे पर विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों के मुताबिक देश में गेहूं और चावल का बड़ा स्टॉक मौजूद है, जिसे अब निर्यात या मानवीय सहायता के तौर पर इस्तेमाल करने की योजना बनाई जा रही है। खासतौर पर युद्ध से प्रभावित देशों को प्राथमिकता दी जा रही है। ईरान के लिए चावल की शिपमेंट शुरू करने का प्रस्ताव इसी दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

जानकारी के मुताबिक पंजाब और हरियाणा जैसे राज्यों में नए सीजन की फसल आने वाली है, इससे गोदामों में जगह की कमी भी एक चुनौती है। दूसरी ओर वेस्ट एशिया में जारी तनाव के कारण सप्लाई चेन बुरी तरह प्रभावित है। जहाजों की आवाजाही पर असर पड़ा है और कई देशों में खाद्य संकट गहराने की आशंका है। इसको देखते हुए शिपिंग मंत्रालय को भी निर्देश दिए गए हैं कि वे इस बात की योजना बनाएं कि कैसे बड़े कार्गो जहाजों के जरिए खाद्य सामग्री को प्रभावित देशों तक पहुंचाया जा सके। यहां तक कि कुछ हाई-वैल्यू फूड आइटम्स को हवाई मार्ग से भेजने पर भी विचार किया जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान शांति वार्ता की मेजबानी में व्यस्त नजर आया और अंत में यह शांति वार्ता विफल भी हो गई। वहीं जमीनी स्तर पर राहत पहुंचाने में उसकी कोई खास भूमिका सामने नहीं आई है। इसके उलट भारत ने सीधे तौर पर मदद की पहल करके यह दिखा दिया है कि संकट के समय सिर्फ बातचीत ही नहीं, बल्कि ठोस कदम भी जरूरी होते हैं। यही वजह है कि भारत की इस पहल को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सराहा जा रहा है। इस कदम से भारत को दोहरा फायदा मिलेगा। एक तरफ गोदामों में जमा अतिरिक्त अनाज का इस्तेमाल हो जाएगा, जिससे भंडारण की समस्या कम होगी।

दिव्यांगता का पुनर्मूल्यांकन होने के बाद बार-बार जांच के लिए बुलाना गलतः हाईकोर्ट

फर्जी दिव्यांगता सर्टिफिकेट से नौकरी पाने वालों की चल रही है जांच

जयपुर,(ईएमएस)। फर्जी दिव्यांगता सर्टिफिकेट से नौकरी पाने वालों की चल रही जांच के बीच हाईकोर्ट ने कहा कि दिव्यांगता का पुनर्मूल्यांकन होने के बाद बार-बार किसी को जांच के लिए बुलाना गलत है। जस्टिस अशोक कुमार जैन की कोर्ट ने यह टिप्पणी कुलदीप चौधरी की याचिका पर सुनवाई करते हुए की।

कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम के तहत सरकार का कर्तव्य है कि वह कानून के प्रावधानों का दुरुपयोग रोके, लेकिन यदि किसी व्यक्ति की मानक विकलांगता का आकलन विभाग के निर्देश पर किया जाता है, तो उसे बार-बार पुनर्मूल्यांकन के लिए उपस्थित होने के लिए नहीं कहा जा सकता है। याचिकाकर्ता के वकील ने कोर्ट को बताया कि याचिकाकर्ता लो विजन कैटेगिरी की विकलांगता से ग्रसित है, वहीं उसकी विकलांगता 60 फीसदी आंकी गई है। याचिकाकर्ता का मेडिकल बोर्ड से विकलांगता का पुनर्मूल्यांकन हो चुका हैं, जिसमें उसकी विकलांगता 40 फीसदी से अधिक आंकी गई है, लेकिन अब एक बार फिर से किसी शिकायत पर एसओजी ने उसे नोटिस जारी करके पुनर्मूल्यांकन के लिए उपस्थित होने के निर्देश दिए हैं।

वहीं सरकार की ओर से कहा गया कि राज्य को याचिकाकर्ता द्वारा दावा की गई मानक विकलांगता का पुनर्मूल्यांकन करने का अधिकार है। विभाग के अधिकार को प्रतिबंधित नहीं किया जा सकता है। कोर्ट ने कहा कि अगर किसी दिव्यांग व्यक्ति ने आरपीडब्ल्यूडी अधिनियम के तहत विकलांगता सर्टिफिकेट प्राप्त किया है और विभाग के कहने पर उसका पुनर्मूल्यांकन भी हो गया है। लेकिन उसके बाद यदि उसके खिलाफ कोई अन्य शिकायत फर्जी और झूठे प्रमाण पत्र प्राप्त करने की होती है तो व्यक्ति कानून के तहत उस कार्रवाई को रद्द करने का अधिकार रखता है, लेकिन इस मामले में सिविल रिट दायर की गई है। ऐसे में सिविल रिट में पुलिस कार्रवाई पर रोक लगाना संभव नहीं है। ऐसे में याचिका को निस्तारित किया जाता है।

बता दें प्रदेश में एसओजी 10 सरकारी भर्तियों में दिव्यांग आरक्षण कोटे का दुरुपयोग कर नौकरी पाने वालों की जांच कर रही हैं। इस फर्जीवाड़े में एसओजी ने 44 कैंडिडेट, टीचर और अन्य विभाग के कर्मचारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। एसओजी ने इन कैंडिडेट्स को पुनर्मूल्यांकन के लिए बुलाया था, जिसमें जांच में कई अभ्यर्थियों की विकलांगता 40 फीसदी से कम आंकी गई। एसओजी हेड क्वार्टर की हेल्पलाइन पर 27 शिकायतें मिली थी। इस मामले में अभी भी जांच जारी है।

आप को झटका, जूनागढ़ में एससी मोर्चा अध्यक्ष धीरुभाई गोहेल ने थामा कांग्रेस का हाथ

गोपाल इटालिया और इशुदान गढ़वी पर मनमानी के आरोप, स्थानीय चुनाव से पहले सियासी हलचल तेज

जूनागढ़ (ईएमएस)। चुनावी मौसम में दल-बदल की राजनीति के बीच आम आदमी पार्टी (आप) को गुजरात के जूनागढ़ जिले में बड़ा झटका लगा है। पार्टी के अनुसूचित जाति (एससी) मोर्चा के जिला अध्यक्ष धीरुभाई गोहेल ने पार्टी से इस्तीफा देकर कांग्रेस का दामन थाम लिया है। धीरुभाई गोहेल ने पार्टी के सभी पदों और प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देने के बाद कांग्रेस में औपचारिक रूप से प्रवेश किया। कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष हीराभाई जोटवा ने उनका स्वागत किया और आगामी स्थानीय स्वराज्य चुनावों में सक्रिय भूमिका निभाने की जिम्मेदारी सौंपी।

कांग्रेस में शामिल होने के बाद गोहेल ने आप नेतृत्व पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि विसावदर के विधायक गोपाल इटालिया और प्रदेश अध्यक्ष इशुदान गढ़वी की मनमानी के कारण उन्हें पार्टी छोड़नी पड़ी। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी में पूंजीपतियों के सामने झुकने और कार्यकर्ताओं से उनके पैर पकड़कर चुनाव के लिए समर्थन मांगने जैसी बातें कही गईं, जो बेहद निंदनीय है। धीरुभाई गोहेल ने बताया कि वे अरविंद केजरीवाल के आंदोलन से प्रभावित होकर आप से जुड़े थे और पिछले चार वर्षों से विभिन्न पदों पर कार्य कर रहे थे। उन्होंने क्षेत्र में पार्टी का जनाधार मजबूत करने के लिए भी सक्रिय काम किया था। हालांकि, विसावदर विधानसभा चुनाव के परिणाम के बाद उनकी नाराजगी बढ़ती गई। उनका आरोप है कि स्थानीय कार्यकर्ताओं की अनदेखी कर पैसे के आधार पर उम्मीदवार बनाने की प्रक्रिया शुरू की गई, जिससे वे आहत हुए और अंततः पार्टी छोड़ने का निर्णय लिया। अब धीरुभाई गोहेल कांग्रेस उम्मीदवारों को जिताने के लिए सक्रिय रूप से काम करेंगे। कांग्रेस नेतृत्व ने उन्हें तुरंत चुनावी प्रचार में जुटने के निर्देश दिए हैं।

पीएम मोदी तमिलनाडु भाजपा कार्यकर्ताओं से करेंगे संवाद

नई दिल्ली,(ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को 'मेरा बूथ-सबसे मजबूत संवाद' कार्यक्रम के माध्यम से तमिलनाडु के भाजपा कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद करेंगे। यह कार्यक्रम शाम 4 बजे आयोजित होगा, जिसमें कार्यकर्ताओं को प्रधानमंत्री से सीधे बातचीत करने और राज्य के विकास से जुड़े सुझाव साझा करने का अवसर मिलेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जानकारी साझा करते हुए कहा कि वे 13 अप्रैल की शाम को पार्टी के मेहनती कार्यकर्ताओं से बातचीत करेंगे। उन्होंने तमिलनाडु भाजपा कार्यकर्ताओं की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने राज्य में डीएमके सरकार के कामकाज को उजागर किया है और एनडीए के विकास दृष्टिकोण को प्रभावी ढंग से जनता तक पहुंचाया है। इस संवाद कार्यक्रम में शामिल होने के इच्छुक कार्यकर्ता

नमो ऐप के माध्यम से पंजीकरण कर सकते हैं। पार्टी ने अधिक से अधिक कार्यकर्ताओं से इसमें भाग लेने की अपील की है, ताकि जमीनी स्तर पर विचार-विमर्श को बढ़ावा मिल सके।

रोड शो की तस्वीरें भी कीं साझा

इसी बीच, प्रधानमंत्री मोदी ने पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी में आयोजित अपने रोड शो की तस्वीरें भी साझा कीं। उन्होंने इसे "15 किलोमीटर का बेमिसाल स्नेह" बताते हुए कहा कि जनता का समर्थन भाजपा के प्रति विश्वास को दर्शाता है। तस्वीरों में बड़ी संख्या में लोग उनका स्वागत करते नजर आए। प्रधानमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि भाजपा सरकार स्थानीय विकास से जुड़े मुद्दों का समाधान करने के साथ-साथ पश्चिम बंगाल के युवाओं के लिए नए अवसर पैदा करेगी।

मां वैष्णो देवी यात्रा में उमड़े श्रद्धालु कटड़ा में दिखा उत्सव जैसा माहौल

भवन से यात्रा मार्ग तक श्रद्धालुओं की भीड़, बाजारों में भी बढ़ी रौनक

जम्मू,(ईएमएस)। जम्मू-कश्मीर के विश्व प्रसिद्ध तीर्थस्थल मां वैष्णो देवी मंदिर में इन दिनों श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ रहा है। आधार शिविर कटड़ा से लेकर भवन परिसर और यात्रा मार्गों तक हर जगह भक्तों की भीड़ देखने को मिल रही है। जयकारों और भक्ति भाव से पूरा क्षेत्र उत्सवमय माहौल में डूबा नजर आ रहा है।

भवन परिसर में भी दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की कतारें लगातार आगे बढ़ती रहीं। मौसम साफ रहने और दिनभर धूप खिली रहने से यात्रा का अनुभव और भी सुखद बना रहा, हालांकि ठंडी हवाओं का असर भी बना रहा, जिससे मौसम सुहावना बना रहा। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार यात्रा के चलते स्थानीय बाजारों में भी खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। दर्शन के बाद श्रद्धालु कटड़ा के बाजारों में प्रसाद और धार्मिक सामग्री की खरीदारी करते नजर आए, जिससे व्यापारिक गतिविधियों में तेजी आई है। श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। सीआरपीएफ, पुलिस, श्राइन बोर्ड और आपदा प्रबंधन दल के जवान यात्रा मार्गों और प्रमुख स्थलों पर तैनात हैं। सुरक्षा के कड़े इंतजामों के साथ-साथ पूरी यात्रा व्यवस्था पर लगातार निगरानी रखी जा रही है, ताकि श्रद्धालुओं की यात्रा सुरक्षित और सुचारु रूप से जारी रह सके।

रविवार सुबह से ही कटड़ा के पंजीकरण काउंटरों पर लंबी कतारें लगनी शुरू हो गईं। श्रद्धालु नए ताराकोट मार्ग और दर्शनी ड्योढ़ी प्रवेश द्वार पर सुरक्षा जांच और पंजीकरण प्रक्रिया के लिए अपनी बारी का इंतजार करते दिखाई दिए। बड़ी संख्या में लोग परिवार और मित्रों के साथ मां के जयकारे लगाते हुए यात्रा मार्ग की ओर बढ़ते रहे।

प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, 11 अप्रैल को करीब 47 हजार श्रद्धालुओं ने दर्शन किए, जबकि 12 अप्रैल को दोपहर 3 बजे तक लगभग 34 हजार लोग पंजीकरण कर भवन की ओर रवाना हो चुके थे। श्रद्धालुओं का आगमन लगातार जारी है, जिससे आने वाले दिनों में भी भीड़ बढ़ने की संभावना जताई जा रही है।

दिल्ली में ईरानी दूतावास ने लगाई मार्मिक प्रदर्शनी मिनाब स्कूल के मलबे से मिली ड्राइंग शामिल

नई दिल्ली : नई दिल्ली में ईरानी दूतावास में 'एंजेल्स ऑफ मिनाब' नाम की एक प्रदर्शनी लगाई गई है। इस प्रदर्शनी में बच्चों की बनाई ड्राइंग दिखाई गई है। इसके अलावा, मिनाब में एलिमेंट्री स्कूल के मलबे से निकाली गई आर्टवर्क दिखाई गई। बता दें, 28 फरवरी को ईरान पर अमेरिका और इजराइल के एयरस्ट्राइक के बाद यह स्कूल तबाह हो गया था। स्कूल पर हमला अमेरिका-इजराइल सैन्य हमले के शुरुआती दौर में हुआ था, जिसमें 165 से ज्यादा बच्चों और स्टाफ सदस्यों की मौत हो गई थी। रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिका की टॉमहॉक मिसाइल ने इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स नेवल बेस के पास हमला किया था। बाद के अमेरिकी असेसमेंट्स ने अमेरिका की जिम्मेदारी मानी और इस घटना को जानबूझकर किए गए हमले के बजाय टारगेटिंग में चूक करार दिया। इस प्रदर्शनी के जरिए, ईरानी दूतावास ने इस संघर्ष में इंसानी मूल्यों की ओर ध्यान खींचने की कोशिश की और बरामद ड्रॉइंग्स को एक ऐसी दुनिया की झलक के तौर पर पेश किया जो कभी मासूमियत और उम्मीद से भरी थी। यह पहल ईरान के बड़े डिप्लोमैटिक मैसेज से भी मेल खाती है, खासकर इस्लामाबाद में अमेरिका के साथ शांति वार्ता के फेल होने के बाद। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर ईरानी दूतावास ने लिखा, 'ये ड्राइंग हैं जो मिनाब में एक स्कूल

के मलबे के नीचे से निकाली गई हैं। एक स्कूल जो अमेरिका और जायोनी शासन के मिलिट्री हमले के बाद तबाह हो गया था।' ईरानी दूतावास ने आगे कहा, 'रेड क्रिसेंट रेस्क्यू टीम की कोशिशों से मिले पन्ने और उन्हें सिर्फ उतना ही ठीक किया गया है जितना वे देखे जा सकते हैं। उनमें दिखाई गई दुनिया अभी भी साधारण, ब्राइट और भरोसेमंद है। लेकिन बाहर की दुनिया वैसी नहीं रही। किसी भी युद्ध में बच्चों को शिकार नहीं बनना चाहिए; फिर भी हर युद्ध में, उनके खत्म होने के साथ कई दुनियाएं खत्म हो जाती हैं।' इससे पहले शनिवार को, ईरान के पार्लियामेंट अध्यक्ष मोहम्मद गालिबफ को इस्लामाबाद ले जा रहे विमान की तस्वीर सामने आई। इस तस्वीर में मिनाब स्कूल हमले में मारे गए बच्चों की तस्वीरें विमान की सीटों पर रखी गई थीं। इन तस्वीरों के साथ बच्चों के स्कूल बैग और गुलाब के फूल भी रखे गए थे। यह एक भावुक तस्वीर है जो उन बच्चों को श्रद्धांजलि दे रही है। इस्लामाबाद जाने के दौरान गालिबफ ने इस तस्वीर के जरिए एक मैसेज दिया। एयरक्राफ्ट के अंदर, कई खाली सीटों पर मिनाब स्कूल स्ट्राइक के पीड़ितों की फोटो और निजी सामान रखे थे। ईरानी अधिकारी के अनुसार, ये बच्चे अमेरिका-इजरायली हमले में मारे गए थे। एक्स पर तस्वीर साझा करते हुए गालिबफ ने लिखा, 'मिनाब 168, इस विमान में मेरे साथी।' उन्होंने 28 फरवरी, 2026 को मिनाब के एक एलिमेंट्री स्कूल पर हुए स्ट्राइक में अपनी जान गंवाने वाले बच्चों और स्टाफ के इस सफर के लिए अपना साथी बताया। इस दौरान में कथित तौर पर कम से कम 165 मौतें हुई और 100 से ज्यादा लोग घायल हुए। वहीं पाकिस्तान में उच्च स्तरीय बातचीत से पहले ईरान ने अपने पक्ष को मजबूत करते हुए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक मैसेज दिया है।

सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय स्नातकोत्तर भूगोल विभाग द्वारा विद्यार्थियों के लिए 5 दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण का सफल आयोजन

दुमका:सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर भूगोल विभाग द्वारा पी.जी. सेमेस्टर-3 (सत्र 2024-26) के विद्यार्थियों के लिए एक विस्तृत एवं सुव्यवस्थित 5 दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण का सफल आयोजन किया गया। यह शैक्षणिक भ्रमण दिनांक 07 अप्रैल 2026 को प्रारंभ होकर 11 अप्रैल को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस दौरान विद्यार्थियों को आंध्र प्रदेश के प्रमुख तटीय शहर विशाखापट्टनम (विशाखापटना) ले जाया गया, जहां उन्होंने विविध भौगोलिक एवं पर्यावरणीय पहलुओं का प्रत्यक्ष अध्ययन किया।

इस शैक्षणिक भ्रमण का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को भूगोल विषय के सैद्धांतिक ज्ञान को व्यावहारिक अनुभव से जोड़ना तथा उन्हें स्थलाकृतिक, पर्यावरणीय एवं सामाजिक-आर्थिक प्रक्रियाओं की वास्तविक समझ प्रदान करना था। भ्रमण का नेतृत्व विभाग की विभागाध्यक्ष स्वेता मरांडी, प्राध्यापक जेपी रजक एवं सहायक प्राध्यापिका पल्लवी चौधरी द्वारा किया गया। इनके कुशल मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने विभिन्न स्थलों का गहन अध्ययन एवं अवलोकन किया।

भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने समुद्र तट, बंदरगाह क्षेत्र, संग्रहालय, वैज्ञानिक संस्थान तथा अन्य महत्वपूर्ण दर्शनीय एवं शैक्षणिक स्थलों का भ्रमण किया। इन स्थलों के निरीक्षण से विद्यार्थियों को तटीय भू-आकृतियों, समुद्री प्रक्रियाओं, बंदरगाह की कार्यप्रणाली, शहरीकरण के प्रभाव, पर्यावरणीय संतुलन एवं प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के विषय में विस्तृत एवं व्यावहारिक जानकारी प्राप्त हुई।इसके अतिरिक्त, विद्यार्थियों को क्षेत्रीय विशेषताओं, जलवायु परिवर्तन के प्रभाव, मानव गतिविधियों द्वारा पर्यावरण पर पड़ने वाले सकारात्मक एवं नकारात्मक प्रभावों तथा संसाधनों के सतत उपयोग के बारे में भी विस्तार से अवगत कराया गया। विभाग के शिक्षकों ने प्रत्येक स्थल पर विद्यार्थियों को संबंधित विषयों की गहराई से जानकारी दी तथा उनके जिज्ञासापूर्ण प्रश्नों का समाधान किया, जिससे उनकी विषयगत समझ और अधिक सुदृढ़ एवं व्यापक हुई।

यह शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों के लिए अत्यंत लाभकारी एवं प्रेरणादायक सिद्ध हुआ। इससे उन्हें न केवल पुस्तकीय ज्ञान का वास्तविक जीवन में अनुप्रयोग देखने का अवसर मिला, बल्कि उनके अध्ययन में रुचि, विश्लेषणात्मक क्षमता, व्यावहारिक समझ एवं आत्मविश्वास में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई।

इस शैक्षणिक भ्रमण में कुल 37 विद्यार्थियों ने भाग लिया, जिनमें 14 छात्र एवं 23 छात्राएं शामिल थीं। सभी विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह एवं अनुशासन के साथ भाग लेते हुए इस अनुभव को अत्यंत उपयोगी, ज्ञानवर्धक एवं स्मरणीय बताया।अंततः, स्नातकोत्तर भूगोल विभाग द्वारा आयोजित यह 5 दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण पूर्णतः सफल, सुव्यवस्थित एवं विद्यार्थियों के समग्र शैक्षणिक विकास में

153 सरकारी परिसरों का कायाकल्प
पेवर्स ब्लॉक निर्माण से गांवों में आधुनिकता, स्वच्छता और सुविधा का विस्तार

पाकुड़ः पाकुड़ जिले में पंचायती राज व्यवस्था को सशक्त बनाने एवं ग्रामीण बुनियादी ढांचे को आधुनिक स्वरूप प्रदान करने की दिशा में एक सराहनीय पहल की गई है। 15 वें वित्त आयोग की अनाबद्ध निधि के अंतर्गत ग्राम पंचायतों द्वारा व्यापक कार्ययोजना तैयार कर कुल 153 चिन्हित स्थलों पर पेवर्स ब्लॉक निर्माण कार्य का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है।
153 स्थलों पर तेजी से प्रगति पर कार्य : प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस विशेष अभियान के तहत ग्राम पंचायतों ने अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाले आंगनबाड़ी केंद्रों, प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों तथा पंचायत सचिवालयों को प्राथमिकता दी है। इन 153 स्थलों पर पेवर्स ब्लॉक बिछाने का कार्य प्रगति पर है, जिससे सरकारी परिसरों की तस्वीर तेजी से बदल रही है।
स्वच्छता और आधुनिकता का संगम : इस महत्वाकांक्षी परियोजना का उद्देश्य सरकारी परिसरों को कीचड़, जलजमाव और अव्यवस्था से मुक्त कर स्वच्छ, सुरक्षित और सुगम वातावरण उपलब्ध कराना है।आंगनबाड़ी एवं विद्यालयः बच्चों के लिए खेल मैदान एवं आवागमन के रास्तों को पक्का कर सुरक्षित बनाया जा रहा है। पंचायत भवनः आम नागरिकों के लिए परिसर को व्यवस्थित, स्वच्छ और आधुनिक रूप दिया जा रहा है। पेवर्स ब्लॉक के उपयोग से न केवल इन परिसरों की दृढ़ता और आयु में वृद्धि होगी, बल्कि रखरखाव भी आसान हो जाएगा।
मॉडल ग्राम की ओर सशक्त कदम : यह पहल ग्रामीण क्षेत्रों में 'मॉडल ग्राम' की संकल्पना को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही है। प्रशासनिक अधिकारियों एवं पंचायत प्रतिनिधियों के बेहतर समन्वय से संचालित यह अभियान विकास की नई इबारत लिख रहा है।
पारदर्शिता और जनसंतोष का उदाहरण : 15 वें वित्त आयोग की निधि का यह पारदर्शी, योजनाबद्ध और जनहितकारी उपयोग अन्य पंचायतों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बन रहा है। इस कार्य से ग्रामीणों में खुशी का माहौल है तथा सार्वजनिक संपत्तियों के प्रति सम्मान और सहभागिता की भावना मजबूत हो रही है।

अवैध लॉटरी का कारोबारी हुआ गिरफ्तार

अमड़ापाड़ा/पाकुड़: पाकुड़ के अमड़ापाड़ा में पुलिस ने अवैध लॉटरी कारोबार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, जबकि 22 लोगों को नामजद अभियुक्त बनाया गया है। यह कार्रवाई रविवार को पी.पी.एल. मोड़ के पास की गई। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि क्षेत्र में अवैध रूप से लॉटरी बेची जा रही है। सूचना के आधार पर विशेष टीम गठित कर छापेमारी की गई। पुलिस को देखते ही मौके पर मौजूद लोग भागने लगे, लेकिन घेराबंदी कर एक युवक को पकड़ लिया गया। उसकी पहचान महेशपुर थाना क्षेत्र के धनजोडी निवासी मो. शमशाद अंसारी (31) के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान उसके पास से नागालैंड स्टेट लॉटरी के 158 टिकट (डियर टूकन और डियर यमुना) और 1,160 रुपये नकद बरामद किए गए। इस मामले में अमड़ापाड़ा थाना में कांड संख्या 24/2026 दर्ज किया गया है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता 2023 की विभिन्न धाराओं और लॉटरी रेगुलेशन अधिनियम 1998 के तहत मामला दर्ज कर अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी शुरू कर दी है।

भाजपा जिला इकाई ने विभिन्न परीक्षाओं में हो रहे धांधली को लेकर सीबीआई जांच की मांग की

पाकुड़ः राज्य में लगातार परीक्षा प्रश्न पत्र लीक की घटनाओं और युवाओं से जुड़े मुद्दों को लेकर रविवार संध्या भारतीय जनता पार्टी, जिला पाकुड़ की ओर से बिरसा चौक पर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का पुतला दहन कर आक्रोश जताया।कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि प्रदेश में बार-बार प्रश्न पत्र लीक होने से छात्रों का भविष्य अंधकारमय होता जा रहा है, जबकि सरकार इस गंभीर मुद्दे पर ठोस कार्रवाई करने में विफल रही है। उन्होंने कहा कि युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है और सरकार अन्य कार्यों में व्यस्त नजर आ रही है।

विरोध प्रदर्शन के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने हाल ही में हुई उत्पाद सिपाही भर्ती दौड़ के दौरान युवाओं की मौत पर भी गहरा दुख और नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से कराने की मांग की, साथ ही मुख्यमंत्री से नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफे की भी मांग की।

कार्यक्रम में प्रदेश कार्यसमिति सदस्य मीरा प्रवीण सिंह, अनुग्रहित प्रसाद साह, निवर्तमान जिला अध्यक्ष अमृत पांडे, पूर्व नगर अध्यक्ष पंकज साह, मनीष पांडेय, दुलाल सिंह, महिला मोर्चा की प्राची चौधरी, निधि गुप्ता, मधु देवी सहित कई भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पाकुड़ में 15.345 लीटर नकली विदेशी शराब बरामद

एक आरोपी गिरफ्तार, उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज

पाकुड़ः पाकुड़ जिले के महेशपुर थाना अंतर्गत अमलागाछी स्थित एक होटल में अवैध शराब के खिलाफ उत्पाद विभाग द्वारा सख्त कार्रवाई की गई। यह छापेमारी अवर निरीक्षक उत्पाद बिक्रम कुमार साह के नेतृत्व में की गई। छापेमारी के दौरान होटल की सघन तलाशी ली गई, जिसमें कुल 15.345 लीटर अवैध विदेशी शराब बरामद की गई। कार्रवाई के क्रम में मौके से वोना पहाड़िया को गिरफ्तार किया गया। इस संबंध में उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर अग्रेतर कार्रवाई की जा रही है।

अवर निरीक्षक बिक्रम कुमार साह ने बताया कि बरामद की गई सभी शराब डुप्लीकेट (नकली) है। उन्होंने कहा कि जिले में अवैध शराब के निर्माण, भंडारण एवं बिक्री के विरुद्ध अभियान निरंतर जारी रहेगा और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

झारखंड उत्पाद सिपाही भर्ती परीक्षा में हुए पेपर लीक मामले में भाजपाइयों ने किया सीएम हेमंत सोरेन का पुतला दहन

भर्ती परीक्षाओं में लगातार हो रही धांधली व पेपर लीक की घटनाएं राज्य के युवाओं के भविष्य के साथ खुला खिलवाड़ : रुपेश मंडल

दुमकाःझारखंड उत्पाद सिपाही भर्ती परीक्षा में हुए पेपर लीक जैसे गंभीर एवं दुर्भाग्यपूर्ण प्रकरण के विरोध में आज रविवार को भारतीय जनता पार्टी द्वारा झारखंड के सभी जिला मुख्यालयों में राज्य सरकार के खिलाफ जोरदार विरोध-प्रदर्शन किया गया।इसी क्रम में भारतीय जनता पार्टी, दुमका के तत्वावधान में रविवार को टीन बाजार चौक, दुमका में भाजपा जिलाध्यक्ष रूपेश मंडल के नेतृत्व में हेमंत सरकार का पुतला दहन किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे और राज्य सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष रूपेश मंडल ने कहा कि झारखंड में भर्ती परीक्षाओं में लगातार हो रही धांधली और पेपर लीक की घटनाएं राज्य के युवाओं के भविष्य के साथ खुला खिलवाड़ है। उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार युवाओं को रोजगार देने में पूरी तरह विफल साबित हुई है और अब उनकी मेहनत पर भी पानी फेरा जा रहा है।उन्होंने मांग की है कि इस पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कर दोषियों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो सके। साथ ही उन्होंने कहा कि भाजपा युवा विरोधी नीतियों के खिलाफ सड़क से सदन तक संघर्ष जारी रखेगी। इस अवसर पर रूपेश मंडल, गौरव कांत, मृणाल मिश्रा, मनोज साह, पिंटू अग्रवाल, धर्मेंद्र सिंह, नीतू झा, गायात्री जायसवाल, अजय गुप्ता ओम केशरी, दिनेश सिंह, श्रीधर दास, किशोरेंद्र दास, रामोतार भालोटिया, अजय वर्मा, सोनी हेम्ब्रम, मनीष सिंह, अजय राउत, विक्की पाठक, नरेश मंडल, सुदीप राउत, संतोष सोरेन, योगेश कुमार, शशांक शेखर भुई, संजीत भगत, अभिजीत मुखर्जी, गोपाल मंडल, काठी दास, रामकृष्ण हेम्ब्रम, अनुज केशरी, आनंद कुमार, दीप्तांशु कोचगेवे सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी एवं सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

भारत विकास परिषद शाखा के पदाधिकारियों का दायित्व ग्रहण समारोह का आयोजन

दुमकाःभारत विकास परिषद दुमका शाखा (उत्तर प्रांत) झारखंड इकाई के सत्र 2026-27 के लिए संपर्क, सहयोग, संस्कार, सेवा, समर्पण एवं पर्यावरण विषय पर सामाजिक संवेदना को संवेदनशील करने के उद्देश्य भारत विकास परिषद शाखा के पदाधिकारियों का दायित्व ग्रहण समारोह का आयोजन मातृ सेवा सदन अग्रसेन भवन के सभागार में संस्कार प्रकल्प की क्षेत्रीय पदाधिकारी भारती शर्मा , देवघर से आये अतिथि भारत विकास परिषद के अध्यक्ष संतोष शर्मा अतिथि प्रोफेसर सुबोध , प्रांतीय पदाधिकारी सेवा प्रकल्प डॉ मधुर कुमार सिंह , प्रांतीय पदाधिकारी उप संयोजिका संस्कार अंजना भुवानियाँ जी की उपस्थिति में भारत विकास परिषद दुमका के पदाधिकारी का अध्यक्ष के रूप में प्रीति भालोटिया सचिव के रूप में जीतेन्द्र कुमार साह कोषाध्यक्ष के रूप में प्रदीप कुमार का चुनाव किया गया इसके अलावा भारत विकास परिषद के सहयोगी प्रकल्प पदाधिकारी के रूप में सेवा से ज्योति हिम्मत सिंह का संस्कार से संगीता अग्रवाल पर्यावरण से सतीश कुमार संपर्क से किशोर शाह संस्कार सेवा संस्कार महिला सहभागिता से संगीता सिंहा का चयन किया गया। उन सबों को दायित्व ग्रहण कराया गया। इस विशेष अवसर पर भारत विकास परिषद के तमाम राज्य एवं क्षेत्रीय पदाधिकारी ने भारत विकास प्रकल्पों को विशेषता के रूप में कार्य करने का गुण रहस्य बताया जिससे भारत विकास परिषद के सभी प्रकल्प के माध्यम से समाज के प्रबुद्ध जनों तक अपनी पहुंच बनाकर सामाजिक व्यवस्था में सेवा एवं संस्कार जैसे मानवी मूल्य का संचार किया जा सके कई ऐसे संगठन है जो निरंतर क्षेत्र में सामाजिक विकास के कार्यों में अपनी भूमिका निभाते आ रहे हैं इसके बावजूद भारत विकास परिषद जैसे सामाजिक संगठन ने निश्चित तौर पर अपनी उपस्थिति दर्ज की है और क्षेत्र में लोगों के बीच अपनी स्वस्थ समर्थ एवं संस्कृत भारत के निर्माण के लिए एक अलग पहचान बनाए हैं गतिविधियां के माध्यम से कई प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन पूर्व के वर्षों में किया गया लेकिन वर्ष 2026 - 27 के लिए पदाधिकारी के लिए एक मजबूत विकास लक्ष्य का निर्धारण आवश्यक होगा इन्हीं सब परिस्थितियों एवं परिकल्पनाओं को मध्य नजर भारत विकास परिषद कई प्रकार की नई गतिविधियों का समायोजन अपने कार्यक्रम में करने जा रही है जिसकी जानकारी समय-समय पर समाज के बीच देखने को मिलेगा संतोष शर्मा जी ने अपने वक्तव्य में इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन से पदाधिकारी में उत्साह वर्धन होता है की बात कही। कार्यक्रम में सदस्य एवं शहर के गनिमण्य लोग प्रीति भालोटिया, जीतेन्द्र कुमार साह, प्रदीप कुमार, दिलीप शर्मा, राजा मेहारिया, प्रदीप दारुका, ललित कुमार अग्रवाल (लल्लूजी) हरि मोदी, डॉ.मुकेश कुमार, सतीश कुमार, सरोज साह, प्रीति गुप्ता, संगीता सिन्हा, संगीता अग्रवाल, सरिता अग्रवाल, ज्योति हिम्मतसिंहका, मीना सिंहानिया, लक्ष्मी शर्मा,रंजीता देवी, शारदा केशरी, अंजना भुवानियाँ एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

सामुदायिक एकता, आध्यात्मिक शांति व सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करना व इसे नई पीढ़ी तक पहुंचाना है पूजा का उद्देश्य : सच्चिदानंद सोरेन

दुमकाःरानीश्वर प्रखंड के कठालिया गांव में समाजसेवी सच्चिदानंद सोरेन, आनंद टुडू एवं अर्जुन मुर्मू के संयुक्त पहल पर गांव के लेखा होड़ तथा ग्रामीणों ने संताल आदिवासी समुदाय द्वारा अपने पारंपरिक पूजा स्थल मांझी थान में साप्ताहिक पूजा की शुरुआत की गई।इस अवसर पर गांव के महिला, पुरुष, बुजुर्ग और बच्चों ने सामूहिक रूप से मांझी थान में एकत्रित होकर पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार धूप, अगरबत्ती, जल, लड्डू, गुड़, चूड़ा,पानी आदि अर्पित कर विधिवत पूजा-अर्चना की। ग्रामीणों का कहना है कि वर्तमान समय में धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक परंपराओं को बनाए रखने के लिए मांझी थान में सामूहिक साप्ताहिक पूजा अत्यंत आवश्यक है। यह पूजा संताल आदिवासी समाज के आराध्य देव मरांग बुरु के प्रति श्रद्धा व्यक्त करने के लिए आयोजित की जाती है। इस अवसर पर समाजसेवी सच्चिदानंद सोरेन ने कहा कि साप्ताहिक मांझी थान बोंगा बुरु (पूजा) का मुख्य उद्देश्य सामुदायिक एकता, आध्यात्मिक शांति तथा सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करना और इसे नई पीढ़ी तक पहुंचाना है। यह पहल विशेष रूप से युवा पीढ़ी और बच्चों को अपनी परंपरा और संस्कृति से जोड़ने के लिए की गई है, ताकि वे अपने रीति-रिवाजों को समझें, उनका सम्मान करें और उस पर गर्व महसूस करें। समाजसेवी ने आगे कहा कि यह सप्ताहिक पूजा संताल समाज के लिये मिल का पत्थर साबित होगी। जो आगे चलकर संताल समाज को धार्मिक, आर्थिक व सामाजिक रूप से मजबूती प्रदान करेगी। अवसर पर बच्चों को सकारात्मक जीवन मूल्यों की ओर प्रेरित करने के लिए विशेष विनती भी की गई, जिसमें नशा से दूर रहने, नियमित रूप से विद्यालय जाने, माता-पिता एवं बुजुर्गों की सेवा और सम्मान करने का संदेश दिया गया।

ग्रामीणों का मानना है कि साप्ताहिक मांझी थान बोंगा बुरु (पूजा) से गांव और परिवार में सुख-शांति, समृद्धि और भाईचारा बढ़ेगा तथा धर्म, संस्कृति और सभ्यता को बचाए रखने में मदद मिलेगी। सभी मरांग बुरू श्रद्धालुओं ने पूजा में पैसे भी दान किए। ग्रामीणों ने यह भी निर्णय लिया कि हर सप्ताहिक मंझी थान पूजा में सभी भक्त दान स्वरूप कुछ पैसा भी दान करेगे। इस विषय पर समाजसेवी सच्चिदानंद सोरेन ने सभी ग्रामीणों से आग्रह किया कि चंदा से उठाए गए पैसे का गलत व्यवहार नही करेंगे। इससे हड़िया,दारू नही लिया जाय, बल्कि इस पैसे को मंझी थान की मरम्मति और पूजा आदि अच्छे कार्यो में ही की जाएं| पूजा के उपरांत सभी श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

इस साप्ताहिक मांझी थान बोंगा बुरु (पूजा)में बेंजामिन मुर्मू, अरबिंद सोरेन, रुबिलाल सोरेन, जीतन मरांडी, सोम हांसदा, हैप्रधान मुर्मू, निनुस मरांडी, पलटन मुर्मू, दुलाड़ हेम्ब्रम, बबलू सोरेन, आशा मरांडी, मेरी हेम्ब्रम, प्रमिता सोरेन, प्रियंका टुडु, शीलवन्ति सोरेन के साथ काफी संख्या में महिला, पुरुष, बुजुर्ग और बच्चे उपस्थित थे।

जिला महासंघ एवं अनुमंडल महासंघ के अधिवेशन, चुनाव और महासंघ कार्यालय भवन के जीर्णोद्धार विषय पर गहन विचार विमर्श

दुमकाःपेंशनर समाज दुमका के सभागार में रविवार को झारखण्ड राज्य अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ जिला शाखा दुमका के स्वागत समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में स्वागत समिति के सदस्यों द्वारा जिला महासंघ एवं अनुमंडल महासंघ के अधिवेशन, चुनाव और महासंघ कार्यालय भवन के जीर्णोद्धार विषय पर गहन विचार विमर्श किया गया।झारखण्ड राज्य अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ के जिला सचिव- सह - स्वागत सचिव राजीव नयन तिवारी ने बताया कि पिछले रविवार पांच अप्रैल को राज्य महासंघ रांची की बैठक राज्य महासंघ के अधिवेशन को लेकर डोरंडा रांची में हुई, जिसमें राज्य महासंघ का अधिवेशन-चुनाव जामताड़ा में दिनांक 27 एवं 28 जून 2026 को सम्पन्न कराने का निर्णय लिया गया है। इससे पहले जिला महासंघ का अधिवेशन-चुनाव करना अनिवार्य है। अतः सर्वसम्मति से माह मई में ही महासंघ दुमका का अधिवेशन कराने का निर्णय लिया गया। शीघ्र ही अगली बैठक में तिथि की घोषणा की जाएगी।बैठक की अध्यक्षता साथी प्राण मोहन मुर्मू ने की। बैठक में माधव कुमार सिंह स्वागत कोषाध्यक्ष, कैलाश प्रसाद साह संयुक्त स्वागत सचिव, तपन कुमार ठाकुर उपाध्यक्ष, शैलेन्द्र कुमार, जय प्रकाश मिश्र, अजितेश राय, कुमार सत्येन्द्र, अशोक कुमार गोराई, स्वपन कुमार गोराई, मनोज कुमार, भूषण कुमार, वकील महतो, त्रिलोक नाथ गुप्ता, कौशल कुमार, पंकज कुमार, पवन कुमार उपस्थित थे।

यादव महासभा की बैठक में उठी 36% आरक्षण की मांग, कहा- जातिगत जनगणना के बाद ही हो परिसीमन

सर्वसम्मति से गौतम दर्वे को अध्यक्ष एवं हराधन मरीक को दिया गया महासचिव का दायित्व

दुमकाःप्रान्तीय यादव महासभा झारखंड के जिला दुमका इकाई की ओर से जामा प्रखंड मुख्यालय में रविवार को जिलाध्यक्ष शिवनारायण दर्बे की अध्यक्षता में संगठन विस्तार हेतु एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया।बैठक में सर्वसम्मति से महासभा की प्रखंड कमिटी का विस्तार किया गया। नवगठित कमिटी में गौतम दर्बे को अध्यक्ष, मुकेश यादव, धनंजय यादव एवं दिलीप यादव को उपाध्यक्ष, हराधन मरीक को महासचिव, राजीव पंजियारा कोषाध्यक्ष तथा राजू दर्बे, सुभाष यादव एवं घोलटन खिरहर को सचिव बनाया गया। बैठक में कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव भी पारित किए गए। इसमें पिछड़ा वर्ग आयोग की अनुशंसा के आलोक में पिछड़ा वर्ग को 36 प्रतिशत आरक्षण देने की मांग की गई। साथ ही जातिगत जनगणना के पश्चात ही चुनाव क्षेत्रों के परिसीमन की बात रखी गई। इसके अतिरिक्त समाज में व्याप्त कुरीतियों बाल-विवाह, दहेज प्रथा एवं मृत्यु भोज पर रोक लगाने को लेकर भी विस्तृत चर्चा की गई।बैठक को संबोधित करते हुए प्रान्तीय महासचिव सह संताल परगना प्रभारी डॉ. अमरेन्द्र कुमार यादव ने संगठन की मजबूती और सामाजिक एकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि समाज के समग्र विकास के लिए संगठित प्रयास आवश्यक है। अवसर पर बरुण यादव ने कहा कि समाज के अधिकारों की रक्षा के लिए जागरूकता और एकजुटता जरूरी है। जिला उपाध्यक्ष दयामय माजी ने अपने संबोधन में कहा कि संगठन के विस्तार से समाज को नई दिशा और मजबूती मिलेगी। जिला उपाध्यक्ष सुरेन्द्र यादव ने कहा कि सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करने के लिए सामूहिक प्रयास करना होगा।इन्द्रकांत यादव ने कहा कि सामाजिक कुरूतियों को पहले स्वयं को त्यागना पड़ेगा। तब सुधार हो सकता है। अनंत लाल खिरहर ने कहा कि शिक्षा और संगठन के माध्यम से ही समाज को आगे बढ़ाया जा सकता है। इसके अलावा जिला कोषाध्यक्ष सौरभ यादव, परमानंद यादव, हराधन मरीक, शालिग्राम यादव आदि ने भी बैठक को संबोधित किया। कार्यक्रम का मंच संचालन जिला सचिव रामकुमार दर्बे ने किया। बैठक में बड़ी संख्या में समाज के गणमान्य लोग उपस्थित थे। बैठक में धनंजय प्रसाद, शेखर कुमार, उदयकांत यादव, बीरबल यादव, पुरषोत्तम दर्बे, नरेंद्र यादव, सुजीत यादव, संजय यादव, वीरेंद्र यादव, रमेश यादव, मिथिलेश बैध, प्रेम यादव, दिलीप राउत, मुकेश रावत शुभम यादव बृजेश यादव अंजनी प्रसाद यादव, महेंद्र मांझी निवास यादव रंजन कुमार यादव, अभिमन्यु यादव सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे।

इप्टा की 421 वी बैठक संपन्न, शिक्षक सम्मान योजना 2025 पर की गई चर्चा

धनबाद ,जमशेदपुर , रविवार को भारतीय गैर सरकारी शिक्षक समाजसेवी संस्था इप्टा की 421 भी बैठक मिरुडीह, गम्हरिया सरायकेला खरसावां में संचालक देव प्रकाश गोराई की अध्यक्षता में संपन्न हुई। जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष, परमानंद मोदी की दिल्ली से आगमन के उपरांत संगठन की उपलब्धियो पर चर्चा की गई 1 उन्होंने जानकारी दी कि शिक्षक सम्मान योजना 2025 के तहत 5000 रुपया प्रतिमाह निजी शिक्षकों के प्रस्ताव भेजी गई है । इसको आगे बढ़ाने हेतु प्रधानमंत्री कार्यालय से स्वीकृति मिलने के बाद दिल्ली के शास्त्री भवन में मानव संसाधन कल्याण विभाग के संयुक्त सचिव , प्राची पांडे के साथ वार्तालाप हुई । जिसमें आश्वासन मिला कि प्रत्येक राज्य के हर जिला हर प्रखंड और गांवों से शिक्षकों का रजिस्ट्रेशन कर उसकी सूची विस्तार रूप भेजा जाय । बैठक में देव प्रकाश गोराई, रंजीत श्रीवास्तव, सरिता कुमारी, पुष्पा महतो, चंपा टुडू, रीना देवी, विनीता कुमारी, प्रेम पाठक, ललिता देवी ,सुभद्रा महतो ,पूजा हांसदा,डोली दांडी, किरण कुमारी रूपम कुमारी,संध्या कुमारी, रीमा महतो, सुनीता कुमारी ,दामिनी कुमारी, संतोष गोरी, राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ० परमानंद मोदी आदि मौजूद थे ।

संक्षिप्त खबरें

पंचायत भवन में स्वास्थ्य परामर्श शिविर आयोजित

गिरिडीह : गिरिडीह जिले के देवरी प्रखंड अंतर्गत घोसे पंचायत भवन में एक स्वास्थ्य परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर नई दिशा संस्था एवं ऑपरेशन स्माइल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य जन्मजात कटे होंठ एवं तालू (क्लेफ्ट लिप और क्लेफ्ट पैलेट) से पीड़ित शिशुओं, बच्चों तथा सभी आयु वर्ग के लोगों को निशुल्क उपचार की सुविधा उपलब्ध कराना है। कार्यक्रम में स्थानीय मुखिया संगम यादव ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि इस तरह के शिविर ग्रामीण क्षेत्रों के लिए अत्यंत लाभकारी हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में इस सुविधा का लाभ उठाएं और अपने बच्चों का समय पर इलाज कराएं। नई दिशा संस्था के सचिव शंकर लाल राणा ने संस्था के उद्देश्यों के बारे में बताते हुए कहा कि संस्था का लक्ष्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना है। उन्होंने बताया कि ऑपरेशन स्माइल के सहयोग से चयनित मरीजों का निशुल्क ऑपरेशन कराया जाएगा, जिससे वे सामान्य जीवन जी सकें। परामर्शदाता चंद्रकांता दत्ता ने बताया कि जन्मजात कटे होंठ एवं तालू की समस्या का सफल ऑपरेशन संभव है और सही समय पर उपचार मिलने से बच्चों का जीवन सामान्य हो सकता है। उन्होंने अभिभावकों को जागरूक करते हुए कहा कि इस समस्या को छिपाने के बजाय इलाज कराना जरूरी है। साथ हीं ऑपरेशन की प्रक्रिया, समय और आवश्यक तैयारियों के बारे में जानकारी दी गई। इस पहल से क्षेत्र के आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को बड़ी राहत मिलेगी, जो महंगे इलाज के कारण अब तक अपने बच्चों का उपचार नहीं करा पा रहे थे। वहीं परियोजना समन्वयक कृपालु पाण्डे ने कहा कि शिविर के माध्यम से न केवल मरीजों को उपचार की राह मिली, बल्कि समाज में इस बीमारी के प्रति जागरूकता भी बढ़ी है। स्थानीय लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसे शिविरों के आयोजन की मांग की है।

माहुरी वैश्य महामंडल के 113वें वार्षिक अधिवेशन के दूसरे दिन निकाली गई शोभा यात्रा

गिरिडीह : माहुरी वैश्य महामंडल के 113वें वार्षिक अधिवेशन के दूसरे दिन भव्य शोभा यात्रा का आयोजन किया गया। यह शुभ यात्रा तुलसी बैंक्विट मैरिज हॉल से प्रारंभ होकर पचम्बा क्षेत्र का भ्रमण करते हुए पुनः तुलसी बैंक्विट हॉल में संपन्न हुई।शोभा यात्रा के दौरान पूरे मार्ग में उत्साह और श्रद्धा का माहौल देखने को मिला। समाज के लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और जगह-जगह स्वागत की व्यवस्था की गई। यात्रा में पारंपरिक वेशभूषा, बैंड-बाजा एवं सांस्कृतिक झलकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। अधिवेशन का आज अंतिम दिन है। इस अवसर पर आज शाम 7:00 बजे से रात 10:00 बजे तक तुलसी बैंक्विट मैरिज हॉल में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया है, जिसमें समाज के लोग बड़ी संख्या में भाग लेंगे। आज की शोभा यात्रा में समाज के गणमान्य सदस्य, पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और कार्यक्रम को सफल बनाने में सक्रिय योगदान दिया।

157 वां निशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर आयोजित

69 व्यक्तियों का हुआ सफल आपरेशन

गिरिडीह : रविवार को जैन युवा संगठन कोलकाता द्वारा संचालित श्री दिगम्बर जैन हास्पिटल एण्ड रिसर्च सेंटर,मधुबन (श्री सम्मेद शिखर जी) में आयोजित 157वां निशुल्क नेत्र चिकित्सा (मोतियाबिंद) शिविर में 69 व्यक्तियों का आपरेशन किया गया । शिविर के विषय में जानकारी देते हुए बताया गया कि यह शिविर मलुकचंद मदनलाल पाटनी चैरिटेबल ट्रस्ट, गुवाहाटी के सौजन्य से लगाया गया था। बताते चले की प्रत्येक सप्ताह इस नेत्र चिकित्सालय में निशुल्क कैंप का आयोजन किया जाता है और देश के विभिन्न शहरों से चैरिटी ट्रस्ट द्वारा एवं सुरक्षा से लोग सहयोग करके निशुल्क आपरेशन कैंप का आयोजन करवाते हैं। इस कैंप का लाभ झारखंड ही नहीं अन्य जगहों से लोग पहुंचकर निशुल्क सेवा का लाभ लेते हैं। खासकर बूढ़े बुजुर्ग को इस निशुल्क नेत्र चिकित्सा सहयोग के माध्यम से काफी लाभ मिल रहा है।

फ्री कैंसर जांच शिविर का आयोजन

गिरिडीह : झारखंड कैंसर सेंटर के सौजन्य से फ्री कैंसर जांच शिविर का आयोजन रविवार को 4 बजे तक किया गया। इस शिविर में कुल 11 मरीजों की जांच की गई और उन्हें उचित उपचार और सलाह दिया गया। बताया गया कि रांची से आए डॉक्टर सौरव, डॉक्टर अमर प्रेम आदि ने मरीजों की जांच की। मौके पर विश्वनाथ नर्सिंग होम के डॉक्टर एस के डोकानिया ,डॉक्टर नीरज डोकानिया, कर्मी मनोज कुमार, कुलदीप कुमार आदि भी शिविर की सफलता में लगे हुए थे।वहीं इस दौरान चेंबर ऑफ कॉमर्स के प्रदीप अग्रवाल, विवेश जालान सरवन केडिया आदि भी मौजूद रहे। बताया गया झारखंड कैंसर सेंटर की ओर से कैंसर से बचाव के लिए यह पहल की गई। जिसमें रांची से आए चिकित्सकों ने अपनी महती भूमिका निभाई।

ब्राउन शुगर के साथ तस्कर गिरफ्तार मोबाइल में मिले कई सफेदपोशों के नंबर

पुलिस नंबरों की कर रही सत्यापन, जांच के बाद संबंधितों के खिलाफ की जाएगी कार्रवाई

भागलपुर,(ईएमएस)। जिले में मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बबरगंज थाना पुलिस ने रविवार सुबह छापेमारी कर 300 ग्राम ब्राउन शुगर समेत एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। उसकी पहचान अभिषेक कुमार के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक यह बरामदगी हाल के दिनों में ब्राउन शुगर के खिलाफ की गई बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है। वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश और सिटी एसपी की निगरानी में यह कार्रवाई की गई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक थानाध्यक्ष के नेतृत्व में पुलिस टीम ने गुप्त सूचना पर बबरगंज थाना क्षेत्र में छापेमारी की। इस दौरान अभिषेक कुमार को रंगे हाथ 300 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ दबोचा। पुलिस ने मौके से अन्य संदिग्ध सामान भी जब्त किया है। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपी के मोबाइल की जांच की, तो कई चौंकाने वाली जानकारी सामने आई। सूत्रों के मुताबिक मोबाइल में जिले के कई बड़े तस्करों के अलावा कुछ संदिग्ध सफेदपोश लोगों के संपर्क नंबर भी मिले हैं। फिलहाल पुलिस इन सभी नंबरों का सत्यापन कर रही है। जांच पूरी होने के बाद संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। पुलिस पूछताछ में आरोपी अभिषेक कुमार ने कई अहम खुलासे किए। उसने बताया कि बरामद ब्राउन शुगर की खेप कहां से लाई गई थी और इसे किन लोगों तक पहुंचाया जाना था। उसने तस्करी के पूरे नेटवर्क से जुड़े कई नाम भी बताए हैं, जिन्हें पुलिस क्रॉस वेरिफाई कर रही है। जांच एजेंसियां अब इस नेटवर्क की कड़ियों को जोड़ने में जुटी हैं, ताकि पूरे सिंडिकेट का पर्दाफाश किया जा सके। एसएसपी ने बताया कि जिले में मादक पदार्थों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई गई है। हाल ही में भागलपुर पुलिस ने 2787 किलो गांजा और अन्य मादक पदार्थों का विधिवत निस्तारण कर एक उदाहरण प्रस्तुत किया था। अब ब्राउन शुगर जैसे खतरनाक नशे के खिलाफ भी सख्त अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस अब कॉल डिटेल रिकॉर्ड, बैंक ट्रांजेक्शन और डिजिटल फुटप्रिंट के आधार पर पूरे नेटवर्क की जांच कर रही है। 300 ग्राम ब्राउन शुगर की बरामदगी की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लाखों रुपए आंकी जा रही है। पुलिस का मानना है कि यह खेप युवाओं को नशे की लत में धकेलने के उद्देश्य से लाई गई थी। पुलिस ने अभिषेक कुमार के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है और आगे की कार्रवाई जारी है।

जलजमाव से निपटने के लिए बुडको की ड्रेनेज सिस्टम दुरुस्त करने का अभियान तेज

पटना, (ईएमएस)। बिहार शहरी आधारभूत संरचना विकास निगम (बुडको) ने मानसून के दौरान पटना में हर साल होने वाली जलजमाव की समस्या से निपटने के लिए अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। शहर में जलनिकासी व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए सभी स्थायी और अस्थायी ड्रेनेज पंपिंग स्टेशनों (डीपीएस) की मरम्मत और रखरखाव युद्धस्तर पर किया जा रहा है। बुडको के प्रबंध निदेशक अनिमेष कुमार पराशर ने अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ समीक्षा बैठक में स्पष्ट निर्देश दिए कि वे केवल एजेंसियों पर निर्भर न रहें, बल्कि खुद नियमित रूप से पंपों के रखरखाव कार्य का निरीक्षण करें। उन्होंने कहा कि सभी संप वेल की सफाई शुरू कर दी गई है ताकि सिल्ट हटाई जा सके और ग्रेटिंग्स की ठीक से सफाई सुनिश्चित हो सके। अधिकारियों को इन कार्यों की व्यक्तिगत निगरानी करने और मुख्यालय को विस्तृत रिपोर्ट भेजने के निर्देश दिए गए हैं। पराशर ने बताया कि कार्य पूरा होने के बाद साइट की वीडियोग्राफी कराई जाएगी और मुख्यालय स्तर पर दोबारा निरीक्षण कर यह सुनिश्चित किया जाएगा कि सभी काम सही तरीके से किए गए हैं। उन्होंने कहा कि पटना में वर्षा जल निकासी के लिए एक मजबूत नेटवर्क मौजूद है। शहर में 56 स्थायी और 35 अस्थायी ड्रेनेज पंपिंग स्टेशन कार्यरत हैं। इसके अलावा, 35 नए अस्थायी डीपीएस उन निचले इलाकों में स्थापित किए गए हैं, जहां हर साल अधिक जलजमाव होता है और स्थायी व्यवस्था नहीं है। खासकर पटना से दानापुर तक के क्षेत्रों में जलनिकासी के लिए अतिरिक्त पंप लगाए गए हैं, ताकि जमा पानी को तेजी से निकाला जा सके। कुल 364 पंप मानसून के दौरान उपयोग में लाए जाएंगे, जिनमें 265 इलेक्ट्रिक और 99 डीजल पंप शामिल हैं। इनमें से 256 पंप स्थायी डीपीएस पर और 83 पंप अस्थायी स्टेशनों पर लगाए गए हैं। बेहतर निगरानी और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए बुडको ने अपने मैकेनिकल कार्यों को तीन स्वतंत्र डिवीजनों में पुनर्गठित किया है जो इस प्रकार है-

- पटना ईस्ट मैकेनिकल डिवीजन (मुख्यालयः पहाड़ी)– अजीमाबाद और पटना सिटी क्षेत्र
- पटना सेंट्रल मैकेनिकल डिवीजन (मुख्यालयः मलाही पकड़ी)– कंकड़बाग और बांकीपुर क्षेत्र
- पटना वेस्ट मैकेनिकल डिवीजन (मुख्यालयः राजापुर पुल)– पाटलिपुत्र, न्यू कैपिटल, पटना वेस्ट और दानापुर क्षेत्र।

पराशर ने कहा कि इन नए डिवीजनों के मुख्यालय और कार्यक्षेत्र स्पष्ट रूप से तय कर दिए गए हैं और सभी संबंधित अधिकारियों को उनकी जिम्मेदारियां सौंप दी गई हैं। बहरहाल इस पहल से उम्मीद जताई जा रही है कि इस बार मानसून में पटना के लोगों को जलजमाव की समस्या से काफी हद तक राहत मिलेगी।

जदयू नेताओं की नाराजगी और आक्रोश तेजस्वी पर क्यों : चितरंजन गगन

पटना, (ईएमएस)। राजद प्रवक्ता चित्तरंजन गगन ने जदयू के प्रदेश अध्यक्ष सहित अन्य नेताओं द्वारा पिछले कुछ दिनों से नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के खिलाफ दिए जा रहे बयान पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए जानना चाहा है कि आखिर तेजस्वी जी से इतनी नाराजगी और आक्रोशित होने का कारण क्या है ? उन्हें तो अपने दल के उन नेताओं के खिलाफ नाराजगी और आक्रोशित होना चाहिए जो भाजपा के एजेंट बनकर भाजपा के एजेंडे पर काम कर रहे हैं। तेजस्वी जी तो विधानसभा चुनाव के समय हीं कह दिया था कि भाजपा नीतीश कुमार जी को मुख्यमंत्री पद पर नहीं रहने देगी और जदयू के अंदर वे लोग हावी हैं जो भाजपा के एजेंट हैं और नीतीश जी को हटाकर भाजपा को सत्ता सौंपने की साजिश में शामिल हैं। यह तो उसी दिन स्पष्ट हो गया था जब बिहार में बहुत हीं अच्छे ढंग से काम कर रही महागठबंधन सरकार से नीतीश जी अलग हो गए थे। महागठबंधन तो नीतीश कुमार जी को मोदी जी के विकल्प के रूप में देख रही थी। नीतीश जी को सम्मान देने में तेजस्वी जी या महागठबंधन के अन्य दल कभी कोई कमी नहीं की। राजद प्रवक्ता ने कहा कि भाजपा को केवल नीतीश जी का इस्तेमाल कर सत्ता पर काबिज होना था जिसमें वह सफल रहा। भाजपा नेता अभी नीतीश जी के तारीफ में कसीदे पढ़ रहे हैं पर यह सब उसके दिखावटी और बनावटी है। यदि नीतीश जी के काम से भाजपा इतनी हीं प्रभावित है तो उन्हें मुख्यमंत्री पद से जबरन क्यों हटा रहा है। यदि नीतीश जी की इक्षा राज्यसभा में जाने की थी तो अब तो शपथ ग्रहण हो गया, उनकी इक्षा की पूर्ति हो गई तो अब मुख्यमंत्री पद पर बने रहने देने में क्या परेशानी है। राजद प्रवक्ता ने कहा कि भाजपा के अभियान का तो अभी केवल एक अध्याय हीं पुरा हुआ है, अगले अध्याय में वह नीतीश कुमार जी को और उनकी पार्टी जदयू को इतिहास से भी मिटाने के फार्मूले पर काम कर रही है। जिस दिन नीतीश कुमार जी का राज्यसभा के सदस्य के रूप में शपथ ग्रहण होता है उसी दिन हरिवंश जी का राज्यसभा में मनोनीत होना और नीतीश जी के शपथ ग्रहण के समय प्रधानमंत्री जी, गृह मंत्री जी और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जो बिहार के रहने वाले हैं और नीतीश कुमार जी की सरकार में मंत्री रह चुके हैं, का अनुपस्थित रहना कोई सामान्य घटना नहीं है। जहां तक नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव जी का सवाल है तो राज्यहित से जुड़े मुद्दों को उठाना उनकी वैधानिक और नैतिक जिम्मेदारी है। पिछले कुछ महीनों से राज्य में अनिश्चितता की स्थिति पैदा कर दी गई है। राज्यकोष खाली है, कानून व्यवस्था की स्थिति तो अब यहां तक पहुंच गई है कि दिन-दहाड़े भीड़भाड़ वाले चौराहे पर अपराधी धर से सर कलम कर दे रहा है। भ्रष्टाचार के एक पर एक मामले सामने आ रहे हैं। टीआरई 4 का परीक्षा दो वर्षों से लटका हुआ है और अभ्यर्थी धरने पर बैठे हुए हैं। दो महीने से कैबिनेट की बैठक नहीं हुई है। भाजपा और जदयू नेताओं की बयानबाजी राज्य के लिए नहीं बल्कि सत्ता में भागीदारी और हिस्सेदारी के साथ हीं अपना भविष्य सुरक्षित करने के लिए हो रही है।

जन सुराज के कई प्रमुख नेता अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ कांग्रेस पार्टी में शामिल

पटना, (ईएमएस)। जन सुराज पार्टी के कई प्रमुख नेता अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ कांग्रेस पार्टी का दामन थाम लिया। रविवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम पटना में आयोजित मिलन समारोह में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने इन नेताओं को कांग्रेस पार्टी की सदस्यता दिलाई। कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने वालों में प्रमुख रूप से गोविंद आनंद, अमित आनंद, अभिराज सिंह, प्रशांत अभिषेक, शायक आलम तथा प्रोफेसर चंद्रिमा सिंह शामिल हैं। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने सभी नए साथियों का पार्टी में स्वागत करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा से समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चलने में विश्वास रखती है। उन्होंने कहा कि जन सुराज से आए इन युवा और अनुभवी साथियों के जुड़ने से संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूती मिलेगी तथा पार्टी की विचारधारा को व्यापक जनसमर्थन मिलेगा। पार्टी में शामिल नेताओं ने कांग्रेस पार्टी की विचारधारा, सामाजिक न्याय की प्रतिबद्धता और राहुल गांधी के नेतृत्व एवं विजन के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की और कहा कि देश और राज्य में लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा तथा जनहित के मुद्दों को मजबूती से उठाने का काम कांग्रेस ही कर सकती है।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान बिहार में विधायक दल के नेता के चुनाव के लिए केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किए गए

पटना, (ईएमएस)। बिहार की राजनीति में इन दिनों नेतृत्व परिवर्तन को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। इस बीच शिवराज सिंह चौहान को भाजपा ने बड़ी जिम्मेदारी सौंपते हुए विधायक दल के नेता के चुनाव के लिए केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। पार्टी महासचिव अरुण सिंह द्वारा जारी पत्र के बाद राजनीतिक हलकों में हलचल और बढ़ गई है। भारतीय जनता पार्टी अब बिहार में अपने नेतृत्व को लेकर रणनीति के अंतिम चरण में पहुंचती दिख रही है। संसदीय बोर्ड द्वारा जारी सूची के अनुसार, विधायक दल के नेता के चुनाव की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इस कड़ी में शिवराज सिंह चौहान की नियुक्ति को बेहद अहम माना जा रहा है। आपको बता दें कि राजनीतिक प्रक्रिया में केंद्रीय पर्यवेक्षक की भूमिका निर्णायक होती है। पर्यवेक्षक विधायकों से अलग-अलग मुलाकात कर उनकी राय लेते हैं, सहमति बनाने की कोशिश करते हैं और फिर नेतृत्व के नाम को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाते हैं। ऐसे में यह पद केवल औपचारिक नहीं, बल्कि बेहद प्रभावशाली माना जाता है। बहरहाल शिवराज सिंह चौहान की नियुक्ति को बिहार की राजनीति में एक महत्वपूर्ण संकेत के रूप में देखा जा रहा है। क्योंकि शिवराज सिंह चौहान जैसे अनुभवी नेता को यह जिम्मेदारी सौंपना इस बात का संकेत है कि पार्टी बिहार में नेतृत्व को लेकर गंभीर और संतुलित निर्णय लेना चाहती है। इससे यह भी स्पष्ट होता है कि भाजपा किसी भी तरह की जल्दबाजी से बचते हुए सर्वसम्मति से नेता का चयन करना चाहती है। अब सभी की निगाहें भाजपा विधायक दल की बैठक पर टिकी हैं। बैठक की तारीख और उसमें लिए जाने वाले फैसले को लेकर उत्सुकता बढ़ गई है। यह देखना अहम होगा कि किस नाम पर सहमति बनती है और क्या बिहार में नेतृत्व परिवर्तन होता है या नहीं।

बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की जयंती पर बिहार भाजपा प्रदेश स्तर से लेकर बूथ स्तर तक समारोह आयोजित करेगीः लखेन्द्र पासवान

पटना, (ईएमएस)। बिहार सरकार में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण मंत्री लखेन्द्र पासवान ने रविवार को कहा कि 14 अप्रैल को बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की जयंती पर बिहार भाजपा प्रदेश स्तर से लेकर बूथ स्तर तक जयंती समारोह आयोजित करेगी और बाबा साहेब की जयंती मनाएगी। भाजपा प्रदेश कार्यालय पटना में आयोजित एक प्रेस वार्ता को सम्बोधित करते हुए बिहार के मंत्री लखेन्द्र पासवान ने कहा कि 14 अप्रैल को प्रदेश कार्यालय में भव्य तरीके से बाबा साहेब की जयंती मनाई जाएगी। जयंती की पूर्व संध्या पर यानी 13 अप्रैल की शाम को बाबा साहेब के प्रतिमा स्थलों को सजाया जाएगा और दीपोत्सव का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह समारोह जिला, मंडल समिति द्वारा भी मनाया जाएगा। इसके तहत संपर्क अभियान चलाया जाएगा। इसके अलावा जिला स्तर पर भी विचार गोष्ठी का आयोजन किया जाएगा जबकि स्वच्छता अभियान भी चलाया जाएगा। उन्होंने बताया कि 13 अप्रैल को बापू सभागार में भी विभाग द्वारा बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाई जाएगी। इस कार्यक्रम में अंबेडकर छात्रावास की छात्राएं शामिल होंगी। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी हिस्सा लेंगे। उन्होंने बताया कि बाबा साहेब अंबेडकर जयंती के मौके पर 20 दिनों तक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। यह कार्यक्रम प्रदेश से लेकर बूथ स्तर तक आयोजित किया जाएगा। उन्होंने साफ लहजे में कहा कि भीमराव अंबेडकर को कांग्रेस ने बराबर अपमानित और प्रताड़ित किया। कांग्रेस ने उन्हें चुनाव हराने के लिए कार्य किया लेकिन वही पार्टी चुनाव के समय बाबा साहेब की तस्वीर लेकर खड़ी हो जाती है और खुद को उनका अनुयायी दिखाने का प्रयास करती है। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब को भारत रत्न से तब सम्मानित किया गया जब भाजपा के समर्थन की सरकार थी। जब भाजपा की सरकार बनी तो संविधान दिवस मनाने का निर्णय लिया गया। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब के निधन पर भी कांग्रेस ने उन्हें अपमानित किया। बिहार के मंत्री ने कहा कि जो पार्टी बाबा साहेब की नहीं हो सकती, वह बिहार और देश के एससी, एसटी और गरीब समाज के क्या होंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा ने बाबा साहेब के मान-सम्मान के लिए लगातार काम किया है।
उन्होंने कहा कि बाबा साहेब का सपना गरीब समाज को जोड़ने का था। आज एनडीए की सरकार में निरंतर एससी, एसटी समाज के लोगों को शिक्षा से लगातार जोड़ा जा रहा है। उन्होंने इसके लिए पीएम नरेंद्र मोदी और सीएम नीतीश कुमार को धन्यवाद भी दिया। उन्होंने कहा कि हाल ही में मैट्रिक के परीक्षा परिणाम जारी किए गए हैं। इस बार अंबेडकर आवासीय विद्यालय के 95 प्रतिशत बच्चे पास हुए हैं। अंबेडकर आवासीय विद्यालय, गायघाट के सभी बच्चे 12वीं की परीक्षा प्रथम श्रेणी से पास हुए।। इसे उन्होंने बड़ी उपलब्धि बताया। इस प्रेस वार्ता में प्रदेश उपाध्यक्ष अमृता भूषण राठौर, अनामिका पासवान, भाजपा प्रदेश मीडिया सह प्रभारी अमित प्रकाश बबलु, अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश महामंत्री मनोज चौधरी उपस्थित रहे।

गंगा घाट पर युवती को बचाने में 6 लोग डूबे, चार को लोगों ने बचाया, दो अब भी लापता

वैशाली, (ईएमएस)। बिहार के वैशाली जिले में रुस्तमपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत गंगा नदी में रविवार सुबह नहाने के दौरान एक युवती को डूबने से बचाने की कोशिश में छह लोग नदी की तेज धारा में फंस गए और डूबने लगे। मौके पर मौजूद लोगों ने चार लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया, लेकिन दो लोग अबतक लापता हैं। घटना की सूचना मिलते ही गांव में अफरा-तफरी मच गई और सभी परिजन तुरंत रुस्तमपुर घाट पहुंच गए। स्थानीय प्रशासन को सूचना दी गई, जिसके बाद रुस्तमपुर थाना पुलिस और एसडीआरएफ टीम मौके पर पहुंची। एसडीआरएफ की दो टीमों ने पूरे दिन गंगा नदी में सर्च ऑपरेशन चलाया, लेकिन रविवार शाम तक लापता युवक-युवती का कोई सुराग नहीं मिल सका। सोमवार सुबह से फिर से खोजबीन शुरू करने की बात कही गई है। लापता दोनों लोगों की पहचान पटना जिले के धनरूआ थाना क्षेत्र के पवेरा निवासी अरविंद शर्मा के पुत्र निशांत कुमार और दीदारगंज थाना क्षेत्र के फतेहपुर निवासी सुधीर शर्मा की पुत्री मानती कुमारी के रूप में हुई है। दोनों आपस में ममेरे-फुफेरे भाई-बहन बताए जा रहे हैं। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, रविवार को परिवार के सात सदस्य स्नान के लिए रुस्तमपुर कच्ची दरगाह घाट पहुंचे थे। इसी दौरान मानती कुमारी गहरे पानी में डूबने लगीं, जिन्हें बचाने के प्रयास में अन्य लोग भी नदी में उतर गए और सभी डूबने लगे। स्थानीय लोगों ने चार को बचा लिया, लेकिन निशांत और मानती तेज बहाव में बह गए। प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार, एसडीआरएफ टीम लगातार सर्च ऑपरेशन चला रही है।

क्षेत्र के विकास के लिए नगर विकास मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू से उपाध्यक्ष विजय यादव ने की मुलाकात

रांची। चिरकुंडा नगर परिषद के उपाध्यक्ष विजय यादव ने झारखंड सरकार के नगर विकास मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू से रांची स्थित आवास पर शिष्टाचार मुलाकात की। इस अवसर पर उन्होंने मंत्री को अंगवस्त्र एवं गुलदस्ता भेंट कर सम्मानित किया। साथ ही चिरकुंडा नगर परिषद क्षेत्र के समग्र विकास को लेकर कई महत्वपूर्ण योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। उपाध्यक्ष विजय यादव ने क्षेत्र के विकास के लिए सरकार से सहयोग का आग्रह किया, जिस पर मंत्री ने सकारात्मक आश्वासन दिया।

सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट करने वालों पर केस दर्ज

अररिया, (ईएमएस)। बिहार के अररिया जिले में सोशल मीडिया पर भड़काऊ और आपत्तिजनक पोस्ट करने वालों के खिलाफ पुलिस ने सख्त कदम उठाया है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय, अररिया द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, दो अलग-अलग मामलों में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, साइबर थाना अररिया में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भड़काऊ टिप्पणियां करने और साम्प्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश करने वाले दो फेसबुक आईडी धारकों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। पहले मामले में फेसबुक आईडी अनुज पाठक के खिलाफ साइबर थाना कांड संख्या 15/26 दर्ज किया गया है। आरोप है कि संबंधित व्यक्ति ने फारबिसगंज मार्केटिंग यार्ड की घटना के संदर्भ में भड़काऊ और आपत्तिजनक टिप्पणी पोस्ट की थी, जिससे कानून-व्यवस्था प्रभावित हो सकती थी। इस मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 196(2), 353(2), 353(1)(c) एवं 352 के तहत कार्रवाई की जा रही है। वहीं दूसरे मामले में फेसबुक आईडी मुहम्मद अफजल खान के खिलाफ साइबर थाना कांड संख्या 16/26 दर्ज किया गया है। आरोप है कि इस आईडी से साम्प्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने के उद्देश्य से भड़काऊ संदेश पोस्ट किए गए। इस मामले में भी बीएनएस की संबंधित धाराओं के तहत कार्रवाई की जा रही है। अररिया पुलिस ने आम जनता से अपील करते हुए कहा है कि सोशल मीडिया का उपयोग जिम्मेदारी के साथ करें और किसी भी प्रकार की भड़काऊ, साम्प्रदायिक या कानून-व्यवस्था को प्रभावित करने वाली पोस्ट साझा करने से बचें। पुलिस द्वारा सोशल मीडिया पर 24x7 निगरानी की जा रही है और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। लिस ने यह भी स्पष्ट किया कि समाज में शांति और सौहार्द बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है, और अफवाह या भ्रामक जानकारी फैलाने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

पुलिस थाना में घूसखोरी का मामला निजी क्लर्क गिरफ्तार

पटना, (ईएमएस)। बिहार के पूर्वी चंपारण जिले के आदापुर थाना से जुड़ा एक बड़ा भ्रष्टाचार मामला सामने आया है। निगरानी अन्वेषण ब्यूरो (वीआईबी) ने शनिवार को एक निजी कर्मचारी को 14 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान इंतेकाब आलम के रूप में हुई है, जो आदापुर थाना में निजी क्लर्क के तौर पर कार्यरत था। आरोप है कि वह आग्नेयास्त्र (फायरआर्म) लाइसेंस आवेदन के सत्यापन के लिए पैसे की मांग कर रहा था। निगरानी ब्यूरो के अधिकारियों के अनुसार, आदापुर थाना क्षेत्र के बखरी गांव निवासी आफताब अंसारी ने पटना स्थित वीआईबी मुख्यालय में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया था कि इंतेकाब आलम थाना प्रभारी (एसएचओ) से लाइसेंस आवेदन का सत्यापन कराने के नाम पर रिश्वत मांग रहा है। शिकायत की सत्यापन प्रक्रिया के दौरान आरोप सही पाए गए और रिश्वत मांगने के सबूत भी मिले। इसके बाद मामला दर्ज कर डीएसपी गौतम कृष्ण के नेतृत्व में एक छापेमारी टीम गठित की गई। टीम ने कार्रवाई करते हुए जामुनापुर चौक पर इंतेकाब आलम को उस समय गिरफ्तार कर लिया, जब वह कथित रूप से 14 हजार रुपये की रिश्वत ले रहा था।

नीतीश कुमार जी को मुख्यमंत्री पद से जबरन भाजपा हटा रही है- अरुण यादव

पटना, (ईएमएस)। राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश प्रवक्ता अरुण कुमार यादव ने भाजपा द्वारा बिहार में भाजपा विधायक दल के नेता के चुनाव हेतु केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान जी को केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किए जाने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि नीतीश कुमार जी ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा भी नहीं दिया है, लेकिन भाजपा ने अपना मुख्यमंत्री चुनने की प्रक्रिया शुरू कर दी। इसी बात से समझा जा सकता है कि नीतीश कुमार जी को जबरन मुख्यमंत्री पद से हटाया जा रहा है। भूंजा पार्टी के सहारे भाजपा ने अपने चक्रव्यूह में पूरी तरह से नीतीश कुमार जी फंसा लिया है। राजद प्रवक्ता ने कहा कि पिछले 35 साल से बिहार की जनता और बिहार के नेताओं द्वारा मुख्यमंत्री तय होते थे, लेकिन अब दिल्ली में बैठकर दो गुजराती बिहार का मुख्यमंत्री तय करेंगे। जोकि बिहार और बिहारियों के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है।

संक्षिप्त खबरें

गोरखपुर एम्स की ओपीडी 14 अप्रैल को बंद, ऑनलाइन बुकिंग वाले मरीजों को होगी असुविधा

गोरखपुर,(ईएमएस)। उत्तर प्रदेश के एम्स गोरखपुर में 14 अप्रैल को ओपीडी सेवाएं बंद रहेंगी। यह निर्णय अंबेडकर जयंती के अवसर पर घोषित अवकाश के कारण लिया गया है। अस्पताल प्रशासन ने इसकी सूचना ओपीडी में आने वाले मरीजों को देना शुरू कर दिया है और नोटिस भी जारी किया गया है। अचानक अवकाश घोषित होने से उन मरीजों को असुविधा का सामना करना पड़ सकता है, जिन्होंने पहले से ऑनलाइन स्लॉट बुक कर रखा है। कई मरीजों ने डॉक्टर से परामर्श के लिए मंगलवार का समय तय कर लिया था, लेकिन अब उन्हें अपनी अपॉइंटमेंट दोबारा निर्धारित करनी होगी। एम्स की ऑनलाइन ओपीडी प्रणाली के तहत मरीजों को निर्धारित समय के भीतर पर्चा काउंटर पर पहुंचना होता है, जहां बुकिंग नंबर के आधार पर उनका पंजीकरण किया जाता है। इससे प्रक्रिया आसान और तेज हो जाती है, लेकिन इस बार अवकाश के कारण यह व्यवस्था प्रभावित हुई है। अस्पताल प्रशासन के अनुसार, यह अवकाश की जानकारी पहले से उपलब्ध नहीं थी, जिसके कारण कई मरीजों की बुकिंग पहले ही हो चुकी थी। अब उन्हें नई तारीख के अनुसार डॉक्टर से परामर्श दिया जाएगा। डॉ. अरूप मोहंती ने जानकारी देते हुए कहा कि जिन मरीजों ने स्लॉट बुक किया है, उन्हें उनके मोबाइल नंबर पर संदेश भेजकर अलग-अलग दिनों में नई अपॉइंटमेंट दी जाएगी, ताकि किसी को कोई परेशानी न हो। प्रशासन ने भरोसा दिलाया है कि मरीजों की सुविधा को प्राथमिकता दी जाएगी और किसी को भी अनावश्यक असुविधा नहीं होने दी जाएगी।

कानपुर के श्री सिद्धि विनायक मंदिर में चोरी, 7 मूर्तियों के चांदी के मुकुट गायब

सीसीटीवी में हेलमेटधारी व्यक्ति और बच्चा लिए महिला दिखी

कानपुर,(ईएमएस)। उत्तर प्रदेश के कानपुर में एक मंदिर में चोरी की बड़ी घटना सामने आई है। सुतरखाना स्थित श्री सिद्धि विनायक गणेश मंदिर में सात मूर्तियों से चांदी के मुकुट चोरी हो गए, जिससे मंदिर परिसर में हड़कंप मच गया। मंदिर प्रबंधन के अनुसार, घटना शनिवार सुबह की है, पता उस समय चला जब आरती के दौरान पुजारी ने देखा कि मूर्तियों पर लगे मुकुट गायब हैं। मंदिर के सर्वराकार सुधीर गुप्ता ने मीडिया को बताया कि द्वितीय तल पर स्थापित आठ मूर्तियों में से सात के मुकुट चोरी हो गए हैं। मंदिर प्रतिदिन दोपहर 12 बजे से 4 बजे तक बंद रहता है और इसी दौरान वारदात होने की आशंका जताई जा रही है। घटना के बाद मंदिर परिसर के सीसीटीवी कैमरे खंगाले गए, जिसमें शनिवार सुबह करीब 9:28 बजे एक हेलमेट पहने व्यक्ति और गोद में बच्चा लिए एक महिला मंदिर में प्रवेश करते हुए दिखाई दिए। फुटेज में दोनों को मूर्तियों से मुकुट उतारते हुए देखा गया है, जिससे पुलिस को अहम सुराग मिला है। मंदिर प्रबंधन ने बताया कि चोरी हुए चांदी के मुकुटों की कीमत लगभग तीन लाख रुपये आंकी गई है। आशंका जताई जा रही है कि आरोपियों ने पहले मंदिर की रेकी की थी और पूरी योजना के साथ वारदात को अंजाम दिया गया। सूचना मिलने पर हरबंश मोहाल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान और तलाश तेज कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार करने का प्रयास किया जा रहा है।

मनरेगा पर करीब 47.86 करोड़ की बकाएदारी, कई-कई महीने नहीं हुआ पेमेंट

पुराने भुगतान न होने के कारण ही योजना जिले में तोड़ रही दम

प्रयागराज,(ईएमएस)। भुगतान की लचर व्यवस्था के कारण मनरेगा पर करीब 47.86 करोड़ की बकाएदारी है। इसमें से करीब 46.86 करोड़ निर्माण सामग्री का बकाया है, जबकि बकाएदारी में तकरीबन एक करोड़ की धनराशि मजदूरी के हिस्से वाली है। यह बकाएदारी आने वाले दिनों में वीबी-जी राम-जी पर भारी पड़ सकती है। बता दें मनरेगा को बंद करके वीबी-जी राम-जी को धरातल पर लाने की तैयारी है। वैसे तो सरकारी सिस्टम इसकी तमाम खूबियां गिना रहा है, लेकिन शासन की उम्मीदों पर खरा उतरना इस योजना के लिए आसान नजर नहीं आ रहा। सबसे बड़ी वजह लंबे समय से चली आ रही करोड़ों की बकाएदारी है। नियमों के अनुरूप 15 दिन के अंदर मजदूरी श्रमिक के बैंक खाते में पहुंच जानी चाहिए, लेकिन कई-कई महीने पेमेंट ही नहीं होते हैं। वहीं निर्माण सामग्री की आपूर्ति तो एक-एक साल तक अटकी रहती है। भुगतान होता भी है तो आधा अधूरा। यही वजह है कि जनपद में मनरेगा पर बकाएदारी बढ़ती गई। इसकी वजह से न तो मजदूर इसमें दिलचस्पी दिखा रहे हैं और न ही मैटेरियल आपूर्ति करने में फर्में रुचि ले रहीं हैं। जानकारों का कहना है कि मनरेगा के पुराने भुगतान समय पर न हुए तो इसका असर वीबी-जी राम-जी पर भी देखने को मिलेगा। शंकरगढ़ ब्लाक में 339, धनुपुर में 347, करछना में 317, प्रतापुपर में 301, मेजा में 287 और उरुवा में 272 लाख रुपये का भुगतान बाकी है। श्रृंगवेरपुर में 263 और कौंधियारा में 241 लाख का भुगतान लंबित है। कुछ यही हाल अन्य ब्लाकों का भी है। पुराने भुगतान न होने के कारण ही योजना जिले में दम तोड़ रही है।

जोधपुर के मंदिर में बड़ी चोरी, 5 किलो चांदी समेत लाखों का सामान गायब

पुजारी सो रहा था तभी चोर 7 मुकुट और 22 छत्र ले उड़े

जोधपुर,(ईएमएस)। राजस्थान के जोधपुर जिला में एक मंदिर में बड़ी चोरी की वारदात सामने आई है। लूणी थाना क्षेत्र के सजाडा गांव स्थित त्रिलोक चंद भारती मंदिर में अज्ञात चोरों ने देर रात सेंध लगाकर लाखों रुपये के चांदी के आभूषण और धार्मिक सामान चुरा लिया। पुलिस के अनुसार, यह वारदात 10 अप्रैल की रात करीब 12:30 बजे से 3:30 बजे के बीच हुई। उस समय मंदिर के पुजारी पिंटू भारती परिसर में ही सो रहे थे, लेकिन चोरों ने बेहद शातिर तरीके से बिना किसी को भनक लगे वारदात को अंजाम दिया। चोर मंदिर से करीब 5 किलो चांदी के गहने, 7 मुकुट और 22 छत्र लेकर फरार हो गए। सुबह जब पुजारी की नींद खुली तो मंदिर का सामान बिखरा देखकर वह हैरान रह गए। इसके बाद उन्होंने तुरंत ट्रस्ट के सदस्यों और ग्रामीणों को सूचना दी, जिसके बाद मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। मामले में शंभूसिंह की रिपोर्ट पर लूणी थाना पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। जांच की जिम्मेदारी एएसआई छोटूराम को सौंपी गई है। पुलिस ने आसपास के क्षेत्रों में सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है और घटनास्थल के आसपास के सुरागों की जांच की जा रही है। इस घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों में आक्रोश है। लोगों ने मंदिरों की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने, सीसीटीवी कैमरे लगाने और रात में पुलिस गश्त बढ़ाने की मांग की है।

जेद्दा जा रहे यात्रियों को लखनऊ एयरपोर्ट पर विमान से उतारा, यात्री नाराज

लखनऊ,(ईएमएस)। सऊदी एयरलाइंस की जेद्दा जाने वाली फ्लाइट एसवी-893 से 54 यात्रियों को लखनऊ एयरपोर्ट पर ही उतार दिया। एयरपोर्ट सूत्रों के मुताबिक ये सभी यात्री लखनऊ से जेद्दा जा रहे थे। वहां से दुबई कनेक्टिंग फ्लाइट एसवी-588 से जाना था, लेकिन कनेक्टिंग फ्लाइट को अचानक रद्द कर दिया गया। इस वजह से यात्रियों के टिकट रद्द कर दिए गए और उन्हें लखनऊ में ही रोक दिया। यह घटना बीती रात की है। उड़ान का तय समय तड़के 2:30 बजे था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस अचानक लिए गए फैसले से यात्रियों में नाराजगी दिखी। यात्रियों ने आरोप लगाया कि उन्हें समय रहते सूचना नहीं दी गई और न ही कोई वैकल्पिक व्यवस्था की गई। शुरुआत में रिफंड न मिलने से वह आक्रोशित भी थे। बाद में एयरलाइन अधिकारियों ने रिफंड का आश्वासन दिया, जिसके बाद यात्री घर लौट गए। सूत्रों का कहना है कि खाड़ी क्षेत्र में चल रहे तनाव और युद्ध जैसी स्थिति के कारण कनेक्टिंग फ्लाइट रद्द की गई। हालांकि, इस संबंध में एयरलाइन की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

ग्वालियर के मेडिकल कॉलेज का ऑडियो वायरल होने के बाद छात्र शाखा प्रभारी को हटाया

बर्खास्त एमबीबीएस छात्रों को पैसे लेकर डिग्री दिलाने की बात सामने आई, जांच एजेंसियां सतर्क

ग्वालियर,(ईएमएस)। मध्यप्रदेश के ग्वालियर के गजरा राजा मेडिकल कॉलेज से एक ऑडियो वायरल होने के बाद छात्र शाखा के प्रभारी प्रशांत चतुर्वेदी को पद से हटा दिया गया है। इस ऑडियो में बर्खास्त एमबीबीएस छात्रों को पैसे लेकर डिग्री दिलाने की बात सामने आई है, जिससे पूरे मामले ने तूल पकड़ लिया। हालांकि इस मामले में उनके सहायक पंकज कुशवाह पर अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। ऑडियो में एक पूर्व छात्र 16-16 लाख रुपए की डील का आरोप लगा रहे हैं, जबकि प्रभारी जीवाजी यूनिवर्सिटी में ज्यादा खर्च होने की बात करते सुनाई दे रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पूर्व मेडिकल स्टूडेंट की शिकायत के बाद अब यहां व्यापमं कांड के पन्ने फिर से खुल गए हैं। मेडिकल कॉलेज के डीन ने जांच शुरू करवा दी है, जबकि इंटेलीजेंस के नजर में पूरा मामला आ गया है। इंटेलीजेंस के अफसरों ने शिकायतकर्ता से दस्तावेज मांगे हैं। पूर्व मेडिकल छात्र संदीप लहारिया ने शिकायत में बताया कि साल 2010 में व्यापमं कांड का खुलासा हुआ था। इसमें साल 2006 से 2010 के बीच करीब 150 से ज्यादा छात्रों पर एफआईआर दर्ज की गई लेकिन 30 से 35 एमबीबीएस छात्र ऐसे थे जिनको संदिग्ध माना था और जांच में लिया गया था। केस रजिस्टर्ड हुआ था, मामला सीबीआई कोर्ट में चल रहा है। इन छात्रों का भविष्य अंधेरे में था।

रिपोर्ट के मुताबिक मामले की सही और निष्पक्ष जांच के लिए साल 2017 में एक न्यू हाई पॉवर एक्शन कमेटी का गठन किया गया था, जिसमें ग्वालियर के चुनिंदा डॉक्टर शामिल थे। कमेटी ने अपनी जांच रिपोर्ट दी जिसके आधार पर करीब 30 से ज्यादा एमबीबीएस छात्रों को बर्खास्त किया गया था, जिसमें शिकायतकर्ता संदीप का भी नाम शामिल है। इन बर्खास्त छात्रों से अभी तक किसी को भी बहाल नहीं किया गया है न ही कोई दूसरी कमेटी बनी है जिसने किसी भी छात्र को राहत दी हो। इसके बाद भी कई छात्रों को एमबीबीएस की डिग्री बांट दी गई। यह अपने आप में धोखा और भ्रष्टाचार की श्रेणी में आता है।

इस मामले में राज्यपाल से लेकर ग्वालियर मेडिकल कॉलेज के डीन तक की गई शिकायत में पूर्व एमबीबीएस छात्र संदीप लहारिया ने आरोप लगाया था कि मेडिकल कॉलेज से बर्खास्त छात्रों को एमबीबीएस की डिग्री गलत तरीके से बांट दी गई। न तो यह छात्र बर्खास्त होने के बाद बहाल हुए हैं न ही इन्होंने कोई मानक पूरे किए हैं। संदीप ने दावा किया था कि यह पूरा रैकेट ग्वालियर के गजरा राजा मेडिकल कॉलेज के छात्र शाखा के प्रभारी बाबू प्रशांत चतुर्वेदी और उनके सहायक पंकज कुशवाह द्वारा चलाया जा रहा है। मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. आरकेएस धाकड़ ने प्रशांत को पद हटाते हुए कार्यालय संयुक्त संचालक एवं अधीक्षक जेएएच में अटैच कर दिया है।

रिपोर्ट के मुताबिक व्यापमं कांड का वापस नाम सामने आते ही जांच एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। मेडिकल कॉलेज के कर्मचारियों द्वारा बर्खास्त एमबीबीएस छात्र को डिग्री बांटने के आरोप लगने के बाद अब इंटेलीजेंस इस मामले में सक्रिय हो गई है। ऐसा पता लगा है कि इंटेलीजेंस एसपी ने इस मामले में शिकायतकर्ता को कॉल कर मामले की जानकारी ली है। साथ ही जो भी दस्तावेज हैं उनके साथ मिलने के लिए बुलाया है। इंटेलीजेंस के अफसरों का कहना है कि मामले में वह विस्तार से जांच कर रिपोर्ट ऊपर भेजेंगे, जिससे मामले को बीच में दबाया न जा सके।

इस मामले में ग्वालियर मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. आरकेएस धाकड़ ने बताया कि शिकायत की जांच कराई जा रही है। जब तक शिकायत जांच में है छात्र शाखा प्रभारी को आगामी आदेश तक पद से हटा दिया गया है। जो भी मामले में दोषी होगा उस पर एक्शन लिया जाएगा।

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में दो बड़े तेल टैंकर ने लिया यू-टर्न, इसमें एक पाक जहाज भी

इस्लामाबाद बातचीत बेनतीजा, कंपनियां अब आखिरी समय में फैसले बदलने को मजबूर

नई दिल्ली,(ईएमएस)। अमेरिका और पाकिस्तान के बीच इस्लामाबाद में हुई बातचीत बेनतीजा रही। 14 दिनों के सीजफायर पर सहमति के बाद दोनों देश बातचीत को तैयार हुए थे। इस्लामाबाद टॉक्स फेल होते ही अब इसका असर समुद्र में दिखने लगा है। रविवार को स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में दो बड़े तेल टैंकर आखिरी वक्त पर यू-टर्न लेकर वापस लौट गए। शिप-ट्रैकिंग डेटा के मुताबिक तीन बड़े खाली सुपरटैंकर ओमान की खाड़ी से होर्मुज जलडमरूमध्य की ओर बढ़ रहे थे। ये सभी जहाज पर्शियन गल्फ में प्रवेश करने वाले थे और शुरुआती तौर पर इन्हें ईरान की ओर से इजाजत भी मिल चुकी थी, लेकिन जैसे ही ये जहाज ईरान के लारक द्वीप के पास पहुंचे, अचानक हालात बदल गए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इन्हीं में से दो जहाज एगियोस फानूरियोस-1 और पाकिस्तान का शालिमार ने आखिरी समय पर रास्ता बदल लिया और वापस लौट गए। दोनों जहाज एगियोस फानूरियोस इराक और पाकिस्तानी झंडे वाला जहाज यूएई की ओर जा रहे थे। हालांकि तीसरा टैंकर मोबासा-बी आगे बढ़ता रहा और ईरान की ओर से स्वीकृत रास्ते के जरिए पर्शियन गल्फ में प्रवेश कर गया। अभी जहाजों के यूटर्न लेने का सही कारण नहीं पता चल सका है, लेकिन अटकलें लग रही हैं कि बातचीत फेल होने के बाद समुद्री व्यापार पर सुरक्षा जोखिम तेजी से बढ़ गया

है और कंपनियां अब आखिरी समय में भी फैसले बदलने को मजबूर हैं। संभावना व्यक्त की जा रही है कि ईरान ने ही जहाजों को लौटा दिया हो।

ईरान-अमेरिका युद्ध के बाद हफ्तों से यह मार्ग लगभग ठप पड़ा है। अमेरिका-इजराइल के हमलों के बाद ईरान ने यहां बारूदी सुरंगें बिछा दी थीं और समुद्री रास्तों पर कड़ा नियंत्रण कर लिया था। सीजफायर के बाद ईरान ने एक ग्रीन जोन बनाकर इस रास्ते को खोला है, लेकिन समुद्री माइंस अभी भी बिछी हैं। बातचीत के बीच अमेरिका के दोजहाजा होर्मुज में घुसे हैं और रिपोर्ट्स के मुताबिक वह माइंस को हटा रहे हैं। हालांकि शनिवार को कुछ सकारात्मक संकेत मिले थे, जब दो चीनी और एक ग्रीक टैंकर सफलतापूर्वक तेल लेकर इस मार्ग से बाहर निकले थे। इससे उम्मीद जगी थी कि समुद्री आवाजाही धीरे-धीरे सामान्य हो सकती है, लेकिन रविवार की घटना ने फिर से अनिश्चितता बढ़ा दी है।

अरुणाचल प्रदेश का चीन ने मनगढ़त 'नामकरण' किया

भारतीय विदेश मंत्रालय ने दावों को बताया निराधार

नई दिल्ली,(ईएमएस)। नई दिल्ली में चीन द्वारा अरुणाचल प्रदेश के स्थानों को नए नाम देने के प्रयास पर भारत ने कड़ा विरोध जताया है। विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि ऐसे "मनगढ़ंत" और "शरारती" प्रयासों को पूरी तरह खारिज किया जाता है और इससे जमीनी सच्चाई में कोई बदलाव नहीं आएगा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि चीन द्वारा भारत के क्षेत्रों को नए नाम देना केवल झूठे दावे और निराधार कथाएं गढ़ने की कोशिश है। उन्होंने दोहराया कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा था, है और हमेशा रहेगा। भारत ने यह भी कहा कि इस तरह की गतिविधियां दोनों देशों के बीच संबंधों को सामान्य बनाने के प्रयासों को नुकसान पहुंचाती हैं। विदेश मंत्रालय ने चीन को सलाह दी कि वह ऐसे कदमों से बचे, जो द्विपक्षीय रिश्तों में नकारात्मकता पैदा करते हैं। गौरतलब है कि चीन पहले भी इस तरह के कदम उठा चुका है। दिसंबर 2021 में भी उसने अरुणाचल प्रदेश के 21 स्थानों के नाम बदलने का प्रयास किया था, जिसमें तवांग से लेकर अंजॉ जिले तक के कई क्षेत्रों के नाम चीनी, तिब्बती और रोमन भाषा में जारी किए गए थे। उस समय भी भारत ने इस कदम को सिरे से खारिज करते हुए कहा था कि नाम बदलने से वास्तविक स्थिति नहीं बदल सकती।

इसी बीच हाल ही में अरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल केटी परनाइक ने 9 अप्रैल 2026 को तवांग जिले में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के पास स्थित खेन्जेमाने क्षेत्र का दौरा किया। उन्होंने वहां तैनात सैनिकों का हौसला बढ़ाया और उन्हें हर परिस्थिति में सतर्क रहने के लिए प्रेरित किया।

अधिकारियों के अनुसार, यह सीमा चौकी कठिन भौगोलिक परिस्थितियों और प्रतिकूल मौसम के बीच भारत की सतर्कता और संप्रभुता का प्रतीक है। राज्यपाल की यह यात्रा सीमा पर तैनात जवानों के प्रति देश की एकजुटता और समर्थन का संदेश भी मानी जा रही है। भारत ने एक बार फिर स्पष्ट किया है कि उसकी क्षेत्रीय अखंडता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा और ऐसे किसी भी प्रयास का कड़ा जवाब दिया जाएगा।

वसुंधरा राजे के बयान से गरमाई राजस्थान समेत देश की राजनीति, विपक्ष कर रहा समर्थन

गहलोत और अखिलेश यादव ने साधा भाजपा पर निशाना

नई दिल्ली,(ईएमएस)। राजस्थान की राजनीति में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के एक बयान ने हलचल मचा दी है। मनोहर थाना में आयोजित जनसभा के दौरान उनके सब कुछ खो दिया वाले भावुक बयान के बाद सियासी बयानबाजी तेज हो गई है और मामला अब पक्ष-विपक्ष के बीच टकराव का कारण बन गया है।

दरअसल जनसंपर्क यात्रा के दौरान लोगों की समस्याएं सुनते हुए वसुंधरा राजे ने कहा था कि "मैं तो अपने लिए भी कुछ नहीं कर पाई, मैंने अपना सब कुछ खो दिया, मैं खुद को भी नहीं बचा पाई।" इस बयान के वायरल होते ही सोशल मीडिया और राजनीतिक गलियारों में चर्चाएं शुरू हो गईं। कई लोगों ने इसे मुख्यमंत्री पद न मिलने के दर्द से जोड़कर देखा।

हर बार सीएम तो नहीं बना जा सकताः राठौड़

इस पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि हर बार एक ही व्यक्ति मुख्यमंत्री नहीं बन सकता। उन्होंने एक मारवाड़ी दोहा सुनाते हुए संकेत दिया कि जो मिला है, उसे स्वीकार करना चाहिए और पार्टी नेतृत्व पर सवाल नहीं उठाने चाहिए। उनके इस बयान को राजनीतिक विश्लेषक भाजपा के अंदरूनी संदेश के रूप में देख रहे हैं। इस पूरे विवाद में विपक्षी नेताओं ने वसुंधरा राजे का समर्थन किया है। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि अगर राजे मुख्यमंत्री होतीं, तो शायद राज्य में बेहतर काम होता। इस पर राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भी सहमति जताई, जिससे भाजपा के भीतर की खींचतान और उजागर होती नजर आई। विवाद बढ़ने पर वसुंधरा राजे ने सफाई देते हुए कहा कि उनके बयान को गलत संदर्भ में पेश किया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका इशारा धौलपुर स्थित उनके घर से था, जहां नेशनल हाईवे निर्माण के दौरान उन्हें अपनी चारदीवारी पीछे हटानी पड़ी थी। उन्होंने कहा कि नियमों के कारण वह अपना घर भी नहीं बचा सकीं।

जाति जनगणना पर कांग्रेस का केंद्र पर हमला बोली- सरकार मुद्दे को टालना चाह रही

जयराम रमेश ने बयानों की टाइमलाइन जारी कर साधा निशाना

नई दिल्ली,(ईएमएस)। नई दिल्ली में जाति जनगणना को लेकर सियासी घमासान तेज हो गया है। कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर इस मुद्दे को "ठंडे बस्ते में डालने" का आरोप लगाया है। राज्यसभा सांसद और पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने रविवार को सोशल मीडिया के जरिए सरकार के खिलाफ मोर्चा खोला।

जयराम रमेश ने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार जाति जनगणना को लेकर लगातार अपना रुख बदल रही है और देश को गुमराह कर रही है। उन्होंने पिछले कुछ वर्षों में केंद्र द्वारा दिए गए बयानों की एक टाइमलाइन साझा करते हुए दावा किया कि सरकार की मंशा स्पष्ट नहीं है। कांग्रेस नेता के अनुसार, 20 जुलाई 2021 को लोकसभा में सरकार ने स्पष्ट कहा था कि अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के अलावा अन्य जातियों की गणना नहीं की जाएगी। इसके बाद 21 सितंबर 2021 को सुप्रीम कोर्ट में दायर हलफनामे में भी केंद्र ने जाति जनगणना न कराने को एक नीतिगत निर्णय बताया था।

उन्होंने आगे कहा कि 28 अप्रैल 2024 को एक इंटरव्यू में प्रधानमंत्री मोदी ने जाति जनगणना की मांग को "अर्बन नक्सल मानसिकता" करार दिया था। वहीं, 30 अप्रैल 2025 को सरकार ने अचानक घोषणा की कि आगामी जनगणना में जाति आधारित आंकड़े भी जुटाए जाएंगे। जयराम रमेश ने यह भी उल्लेख किया कि 30 मार्च 2026 को जनगणना आयुक्त ने कहा था कि डिजिटल प्रक्रिया के कारण 2027 तक अधिकांश आंकड़े उपलब्ध हो जाएंगे। इसके बावजूद अब सरकार द्वारा यह संकेत दिया जा रहा है कि जाति जनगणना के परिणाम आने में कई साल लग सकते हैं, जिसे कांग्रेस ने विरोधाभासी बताया है।

कांग्रेस का आरोप है कि सरकार संविधान के प्रावधानों में संशोधन कर इस प्रक्रिया को और टालना चाहती है। पार्टी का कहना है कि बिहार और तेलंगाना जैसे राज्यों ने कम समय में जातिगत सर्वेक्षण पूरा कर दिखाया है, ऐसे में केंद्र का तर्क उचित नहीं है। इस पूरे मुद्दे पर कांग्रेस ने सरकार पर "छिपे एजेंडे" के तहत जाति जनगणना से बचने का आरोप लगाया है। जयराम रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री जनता को भ्रमित कर रहे हैं और पारदर्शिता से बच रहे हैं।

शांति वार्ता कराने वाले पाक को अमेरिका ने दी शांतिदूत की मान्यता

संजय राउत ने कसा तंज- पाक कंगाल है, लेकिन 'नमस्ते ट्रंप' जैसे उपक्रम उसने नहीं चलाए

नई दिल्ली,(ईएमएस)। ईरान-अमेरिका के बीच समझौते की अगुवाई पाकिस्तान द्वारा करने पर भारत में सियासत गरमा गई है। शिवसेना नेता संजय राउत ने पार्टी के अखबार सामना में केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने एक शेर पढ़ा- कोई टूटी सी कश्ती ही, बगावत पर उतर आए, तो कुछ दिन ये तूफां, सर उठाना भूल जाते हैं। संजय राउत ने लिखा, वसीम बरेलवी का यह शेर ईरान-अमेरिका युद्धविराम के बाद इमरान प्रतापगढ़ी ने सोशल मीडिया पर साझा किया था, जो वर्तमान स्थिति में सटीक बैठता है। खुद को वैश्विक महाशक्ति समझने वाले अमेरिका को ईरान जैसे एक सामान्य देश ने सबक सिखा दिया है, यह पूरी दुनिया देख रही है।

ईरान का संघर्ष वहां की राष्ट्राभिमानी जनता का विद्रोह था। जब ट्रंप ने एक ही रात में ईरान की सभ्यता और संस्कृति को नष्ट करने की धमकी दी थी, तब ईरान की लाखों जनता अपनी सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा के लिए मानव श्रृंखला बनाकर सड़कों पर उतर आई। ईरान की डेढ़ करोड़ जनता बलिदान देने के लिए तैयार

है, ऐसा उनके विदेश मंत्री सैयद अब्बास अरागची ने कहा और ट्रंप को 'शांति' वार्ता के लिए मेज पर घसीट लाए लेकिन यह 'मेज' इस्लामाबाद में है, जो दुनिया में आतंकवादियों का प्रमुख केंद्र है।

राउत ने आगे लिखा- अमेरिका पर इतिहास का सबसे भयानक आतंकवादी हमला करने वाला 'लादेन' पाकिस्तान के आश्रय में था और अमेरिकी कमांडो ने पाकिस्तान में घुसकर लादेन को मारा था। भारत में आतंकवादी हमले करने वाले सभी मोहरे पाकिस्तान की शरण में हैं। वही पाकिस्तान अब ईरान-अमेरिका युद्ध में 'शांतिदूत' की भूमिका निभा रहा है। अमेरिका ने उसे शांतिदूत के रूप में मान्यता दे दी है। ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार की लालसा है लेकिन युद्धखोर ट्रंप को ऐसा शांति पुरस्कार देना, ये 'शांति' की अवधारणा का अपमान है। क्या पता? शायद पाकिस्तान के पीएम शाहबाज शरीफ और उनके सेना प्रमुख जनरल मुनीर को एक साथ नोबेल शांति पुरस्कार दे दिया जाए! ऐसी हलचलें शुरू हो गई हैं।

संजय राउत ने लिखा- पाकिस्तान चीन जैसे देशों से कर्ज लेकर जीने वाला देश है। अमेरिका के पास मदद के लिए हमेशा खड़ा रहने वाला देश पाकिस्तान है।

संपादकीय

अमेरिका और इजराइल पर ईरान को रत्ती भर भरोसा नहीं?

पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में पहली बार अमेरिका और ईरान के बीच आमने-सामने वार्ता हुई। इस बातचीत को लेकर अमेरिका और ईरान के जो प्रतिनिधि मंडल पाकिस्तान पहुंचे थे, उनमें आपसी सहमति नहीं बन पाई। बिना किसी निष्कर्ष पर पहुंचे यह बातचीत पूरी तरह से बेनतीजा रही। शनिवार को ईरान ने लेबनान पर हमले रोकने की शर्त रखी। अमेरिका ने इस पर चुप्पी साध रखी। दोनों देशों के प्रतिनिधि मंडल की सीधी वार्ता में राजनीतिक, सेना और अर्थव्यवस्था के मुद्दों पर चर्चा हुई। अमेरिका की ओर से ईरान द्वारा पेश किए गए मुद्दों में किसी एक पर ऐसी कोई रुचि नहीं दिखाई, जिसे ईरान स्वीकार कर सके। अमेरिका का जो प्रतिनिधिमंडल आया था, वह भी हार्मोज को खोलने के लिए अड़ा रहा। अमेरिका के इस प्रस्ताव को ईरान के प्रतिनिधि मंडल ने नहीं माना। ईरान का कहना था, सारे मुद्दों पर एक साथ बातचीत हो। एक साथ निर्णय लिए जाएं। ईरान पहले भी इस बात को कह चुका था। वह युद्धविराम के पक्ष में नहीं है। वह चाहता है, स्थाई रूप से युद्ध रुके। जो भी विवाद के कारण हैं, उन्हें दोनों पक्ष आपस में मिलकर सुलझाएं। पाकिस्तान में हुई इस वार्ता में सबसे बड़ा अड़ंगा इजराइल ने लगा रखा था। इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू लेबनान को निशाने पर रखना चाहते थे। दोनों ही पक्ष अपना-अपना प्रेशर एक दूसरे पर बनाते रहे। इस बैठक में चीन और पाकिस्तान की कोई प्रत्यक्ष भूमिका नहीं थी। यदि होती तो कुछ ना कुछ समझौते की राह निकलती। दोनों ही पक्ष इसे अपनी हार और जीत के रूप में देख रहे थे। पाकिस्तान मे हुई वार्ता बेनतीजा रही। इसकी मुख्य वजह अमेरिका और इजराइल का इतिहास रहा है, इन्होंने हमेशा युद्ध विराम की आड़ में धोखा किया है। ईरान के साथ भी कई बार धोखा हो चुका है। जिसके कारण ईरान इस बार पूरी तरह से सतर्क था। अमेरिका-इजरायल द्वारा ईरान पर जो संयुक्त रुप से हमला किया गया था, उसमें ईरान को बहुत अधिक नुकसान हुआ है, इससे इंकार भी नहीं किया जा सकता है। ईरान अब आर-पार की लड़ाई लड़ने में आ गया है। सौ सुनार की और एक लोहार की तर्ज पर इस समय ईरान का वार अमेरिका और इजराइल पर भारी पड़ा है। ईरान को अच्छी तरह से मालूम था, यह बातचीत बेनतीजा रहेगी। इसलिए उसने अपनी युद्ध की तैयारी में जरा भी कोताही नहीं बरती। ईरान विश्व को यह बताने से भी नहीं चूका, कि वह शांति के पक्ष में है। युद्ध विराम के बाद जब इजराइल ने लेबनान पर हमले किए, इसका जवाब ईरान ने हिजबुल्ला के माध्यम से इजराइल को देकर यहां पर भारी तबाही मचा दी है। जो राजनीति अभी तक अमेरिका और इजराइल मिलकर ईरान के साथ कर रहे थे, वही फार्मूला अब ईरान ने भी अपना लिया है। अमेरिका इस युद्ध में बुरी तरह से फंसा हुआ है। अमेरिका युद्ध से बाहर निकलना चाहता है। इजराइल के दबाव में वह बाहर नहीं निकल पा रहा है। ऐसी स्थिति में संभावना व्यक्त की जा रही है, जल्द ही अमेरिका समझौते के लिए नए रास्तों की तलाश करेगा। अमेरिका में जिस तरह से महंगाई एवं बेरोजगारी बढ़ रही है, उससे निपटने के लिए युद्ध बंद करना बहुत जरूरी हो गया है। इसके अलावा कुछ महीनों में अमेरिका में कुछ राज्यों में चुनाव होने जा रहे हैं, उसके पहले ट्रंप को अपनी स्थिति को मजबूत करना है। जिस तरह से अमेरिका और इजराइल की जनता सड़कों पर उतरकर विरोध कर रही है। उसके बाद अमेरिका और इजराइल के पास अन्य कोई विकल्प भी नहीं बचा है। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू अपने जीवन की सबसे कठिन पारी को खेल रहे हैं। युद्ध बंद होने की दशा में उन पर अंतरराष्ट्रीय अदालत और इजराइल की अदालत में मुकदमा चलना तय है। उनके ऊपर भ्रष्टाचार के बड़े आरोप हैं। उससे बचने के लिए उन्होंने पिछले 3 वर्षों से फिलिस्तीन, गाजा, लेबनान एवं अन्य देशों पर जिस तरह के हमले किए हैं, उन्होंने अपनेआप को बचाने के लिए तबाही मचा रखी है। अब जिस तरह की स्थिति बनी है, उसके बाद अमेरिका और इजराइल को भविष्य का ध्यान रखते हुए महत्वपूर्ण निर्णय लेने पड़ेंगे। जिस तरह से इजराइल में तबाही हुई है। उसके बाद वहां की जनता भी सड़कों पर आकर नेतन्याहू को हटाने की मांग कर रही है। जनता के गुस्से को कब तक नेतन्याहू काबू में रख पाएंगे, कितने समय तक बचे रहेंगे। यह कहना बड़ा मुश्किल है। भारतीय संदर्भ में कहा जाए तो इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने जिस तरह छोटे-छोटे बच्चे-बच्चियों, महिलाओं, और बीमारों को मौत के घाट उतारा है, उसके बाद उनके पाप का घड़ा पूरी तरह से भर चुका है। जिस तरह का अहंकार उनमें दिख रहा है। उसको देखते हुए कहा जा सकता है, कि वह ज्यादा दिनों के मेहमान नहीं है। इस वार्ता के विफल होने से एक बार फिर दुनिया के देश, युद्ध के मुहाने पर खड़े हो गए हैं। ऊर्जा संकट और आयात-निर्यात व्यापार में बाधा बने हुये हैं। 100 से अधिक देशों पर इसका दुष्प्रभाव देखने को मिल रहा है। आशा की जा सकती है, जल्द से जल्द वैश्विक स्तर पर इस युद्ध को बंद कराने के लिए हर देश को हर संभव प्रयास करने होंगे। यदि ऐसा नहीं हुआ तो भविष्य में स्थिति बेहद चिंताजनक होगी।

पुस्तकें ज्ञानियों की समाधि : जीवन विकास में पुस्तकों का महत्व ज्ञान का अमर स्रोत और मार्गदर्शक प्रकाश

कांतिलाल मांडोत

मानव जीवन के विकास में ज्ञान का स्थान सर्वोपरि है और इस ज्ञान की प्राप्ति का सबसे सशक्त माध्यम पुस्तकें हैं। स्वाध्याय और पुस्तकें एक-दूसरे के पूरक हैं। जिस प्रकार अन्न और जल जीवन के लिए आवश्यक हैं, उसी प्रकार पुस्तकें बौद्धिक और आत्मिक विकास के लिए अनिवार्य हैं। पुस्तकें केवल कागज और अक्षरों का संग्रह नहीं होतीं, बल्कि उनमें महान विचारकों, संतों और महापुरुषों के अनुभव, चिंतन और जीवन का सार समाहित होता है। वे मनुष्य को दिशा देती हैं, उसे अज्ञान के अंधकार से निकालकर ज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाती हैं।

पुस्तकों की विशेषता यह है कि वे निर्जीव होते हुए भी जीवंत प्रतीत होती हैं। उनमें लेखक की आत्मा बसती है। जब कोई व्यक्ति पुस्तक खोलता है तो उसे ऐसा अनुभव होता है मानो महान व्यक्तित्व उसके सामने उपस्थित होकर उससे संवाद कर रहे हों। इस प्रकार पुस्तकें केवल ज्ञान का संग्रह नहीं बल्कि जीवंत संवाद का माध्यम बन जाती हैं। यही कारण है कि उन्हें ज्ञानियों की समाधि कहा गया है, जहां उनके विचार सुरक्षित रहते हैं और पीढ़ी दर पीढ़ी मानवता का मार्गदर्शन करते हैं। पुस्तकों का प्रभाव दो प्रकार का होता है। वे अमृत भी बन सकती हैं और विष भी। अच्छी पुस्तकें मनुष्य को सद्मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती हैं, उसके विचारों को शुद्ध करती हैं और उसके चरित्र का निर्माण करती हैं। वे सच्चे मित्र की भांति उसका मार्गदर्शन करती हैं और जीवन की कठिनाइयों में उसे सही दिशा दिखाती हैं। इसके विपरीत, निम्न स्तर की या गलत विचारों वाली पुस्तकें मनुष्य को भ्रमित कर सकती हैं और उसे गलत रास्ते पर ले जा सकती हैं। इसलिए यह आवश्यक है कि व्यक्ति विवेकपूर्वक पुस्तकों का चयन करे और सद्ग्रंथों का अध्ययन करे। पुस्तकों का महत्व इस बात से भी स्पष्ट होता है कि वे अमर होती हैं। मनुष्य का शरीर नश्वर है, लेकिन उसके विचार और कृतियां पुस्तकों के माध्यम से सदैव जीवित रहती हैं। प्राचीन ग्रंथ जैसे गीता, रामायण, महाभारत और अन्य धार्मिक व नैतिक साहित्य आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं जितने अपने समय में थे। इन ग्रंथों ने न केवल अपने युग को प्रभावित किया बल्कि आने वाली पीढ़ियों को भी दिशा प्रदान की है। यही कारण है कि पुस्तकें लेखक के अमरत्व का प्रतीक मानी जाती हैं। इतिहास में पुस्तकों के निर्माण और संरक्षण के लिए अनेक प्रयास किए गए हैं। प्राचीन काल में ज्ञान को सुनकर याद रखने की परंपरा थी, जिसे श्रुति कहा जाता था। बाद में जब यह अनुभव हुआ कि स्मृति पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं है, तब ज्ञान को लिखित रूप देने की आवश्यकता महसूस हुई। प्रारंभ में ताड़पत्र, भोजपत्र और चमड़े पर लेखन किया जाता था। यह प्रक्रिया अत्यंत कठिन और श्रमसाध्य थी। एक पुस्तक तैयार करने में वर्षों लग जाते थे और उसकी प्रतियां बनाना भी अत्यंत कठिन कार्य था। इसके बावजूद ज्ञान के संरक्षण के लिए विद्वानों और राजाओं ने अथक प्रयास किए। समय के साथ कागज का आविष्कार हुआ और मुद्रण कला के विकास ने पुस्तकों के प्रसार को सरल बना दिया। आज के युग में एक ही पुस्तक की हजारों प्रतियां सहजता से तैयार हो जाती हैं और ज्ञान का प्रसार व्यापक स्तर पर संभव हो गया है। यह परिवर्तन मानव सभ्यता के विकास में एक महत्वपूर्ण चरण रहा है। इसके कारण शिक्षा का प्रसार हुआ और समाज में जागरूकता बढ़ी।

आशा भोसलेः सुरों की ऐसी यात्रा जिसने भारतीय संगीत को दी नई पहचान

डॉ. हिदायत अहमद खान

भारतीय संगीत के इतिहास में कुछ ही कलाकार ऐसे हुए हैं जिन्होंने अपनी प्रतिभा, प्रयोगशीलता और दीर्घकालिक योगदान से समय की सीमाओं को लांघा और अमर हो गए। ऐसी ही एक महान हस्ती का नाम आशा भोसले है, जिनकी आवाज़ ने न केवल हिंदी सिनेमा को समृद्ध किया, बल्कि 20 से अधिक भाषाओं में 12,000 से ज्यादा गीतों के माध्यम से वैश्विक पहचान भी बनाई। उनका नाम गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज होना इस बात का प्रमाण है कि उनका योगदान सिर्फ लोकप्रियता तक सीमित नहीं रहा, बल्कि ऐतिहासिक उपलब्धि भी है। विश्व में भारतीय संगीत को एक नई पहचान दिलवाने वाली, 92 वर्ष की अथक जीवन यात्रा पूर्ण कर आशा भोसले यूं तो रविवार 12 अप्रैल 2026 को इस फानी दुनियां से हमेशा के लिए कूच कर गईं, लेकिन उनकी सुर साधना हमेशा संगीत प्रेमियों के दिलों में राज करती रहेगी। सुर-संगीत की महान साधिका आशा भोसले का जन्म 8 सितंबर 1933 को महाराष्ट्र के सांगली में एक संगीत परिवार में हुआ था। उनके पिता पंडित दीनानाथ मंगेशकर एक प्रसिद्ध शास्त्रीय गायक थे, और घर का वातावरण शुरू से ही संगीत से परिपूर्ण था। ऐसे माहौल में पली-बढ़ीं आशा ने बहुत कम उम्र में ही संगीत की दुनिया में कदम रखा। महज 10 साल की उम्र में उन्होंने अपना पहला मराठी गीत "चला चला नव बाल" गाया था, जिसे उन्होंने अपनी बड़ी बहन लता मंगेशकर के साथ रिकॉर्ड किया। यह अनुभव उनके लिए प्रेरणादायक साबित हुआ और यहीं से उनके जीवन की संगीत यात्रा ने दिशा पकड़ी। हालांकि, आशा भोसले की जिंदगी का सफर आसान नहीं था। संगीतकार परिवार से आने और लता मंगेशकर जैसी महान गायिका की बहन होने के बावजूद उन्हें शुरुआती दौर में कड़ा संघर्ष करना पड़ा। उस समय लता मंगेशकर पहले से ही भारतीय फिल्म संगीत की शीर्ष गायिका बन चुकी थीं, और उनकी छाया में आशा को अपनी अलग पहचान बनाने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी। उनकी आवाज शुरू में लता मंगेशकर से काफी मिलती-जुलती थी, जिससे कई बार भ्रम की स्थिति भी पैदा हो जाती थी। एक घटना में तो एक रिकॉर्डिंग को गलत तरीके से आशा का समझ लिया गया, जबकि वह उनकी बहन का गीत था। इस अनुभव ने उन्हें गहराई से सोचने पर मजबूर कर दिया कि अगर वे अपनी शैली नहीं बदलेंगी, तो हमेशा तुलना के तराजु में तौली जाती रहेंगी। इसके बाद आशा भोसले ने अपने संगीत करियर में एक बड़ा निर्णय लिया, उन्होंने अपनी गायकी की शैली को पूरी तरह बदलने का बीड़ा उठाया। उन्होंने पश्चिमी संगीत, अंग्रेजी फिल्मों और विभिन्न अंतरराष्ट्रीय शैलियों का अध्ययन शुरू किया। उन्होंने कव्वाली, ग़ज़ल और कैबरे जैसे विविध रूपों में अपनी आवाज को ढालना सीखा। यही प्रयोगशीलता आगे चलकर उनकी सबसे बड़ी ताकत बनी। उन्होंने भारतीय फिल्म संगीत को एक नया रंग दिया और खुद को एक वर्सेटाइल गायिका के रूप में स्थापित किया। आशा भोसले ने न केवल मधुर प्रेम गीत गाए, बल्कि बोल्ड और प्रयोगात्मक गीतों को भी अपनी आवाज दी। "दम मारो दम" और "पिया तू अब तो आजा" जैसे गाने उस दौर के युवा वर्ग की दिलों के धड़कन बन गए। उनके ऐसे गीत जहां काफी चर्चित हुए वहीं विवादित भी रहे। समय बदलने के साथ ही ये गीत भारतीय संगीत के क्लासिक बन गए। उनकी यह क्षमता कि वे हर तरह के संगीत को सहजता से अपना लेती थीं, उन्हें अन्य गायकों से अलग बनाती थी।

अपने लंबे करियर में आशा भोसले ने कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल कीं। वे पहली भारतीय महिला गायिका बनीं जिन्हें ग्रैमी पुरस्कार नामांकन मिला। इसके अलावा, 2011 में उनके नाम पर सबसे अधिक स्टूडियो रिकॉर्डिंग का विश्व रिकॉर्ड दर्ज किया गया, जो उनकी अद्भुत कार्यक्षमता और निरंतरता को दर्शाता है। यहां कहा जा सकता है कि संगीत की दुनियां में आशा भोसले की सबसे बड़ी विशेषता उनकी बहुमुखी प्रतिभा और नव से नवीन प्रयोग करने का साहस रहा है। उन्होंने कभी खुद को एक शैली तक सीमित नहीं रखा और हर नए प्रयोग को अवसर के रूप में अपनाया। यही कारण है कि वे भारतीय संगीत की सबसे प्रभावशाली और लंबे समय तक गीतों को अपनी आवाज देने वाली चुनिंदा गायिकाओं में गिनी जाती हैं। आज आशा भोसले भले हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनकी आवाज न केवल संगीत बल्कि एक युग का प्रतिनिधित्व करती नजर आती है। एक ऐसा युग जिसने भारतीय फिल्म संगीत को विविधता, प्रयोग और अंतरराष्ट्रीय पहचान दी। उनकी यात्रा यह सिखाती है कि प्रतिभा के साथ यदि साहस और निरंतर सीखने की इच्छा हो, तो कोई भी कलाकार सीमाओं को पार कर इतिहास रच सकता है।

एक और कठिन लड़ाई का सामना करेंगे राष्ट्रपति ट्रंप

प्रो. प्रदीप माथुर

पाकिस्तान की मध्यस्थता से हुआ संघर्षविराम युद्धग्रस्त खाड़ी क्षेत्र में शत्रुता के अंत का कारण बना है और इससे अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को भी कुछ राहत मिली है, जो अपनी तीखी बयानबाज़ी और जमीनी हकीकत के बीच फँस गए थे। हालांकि, ट्रंप अब एक और विवादास्पद संघर्ष में उलझ गए हैं, जिसके परिणाम उनके लिए समान रूप से, बल्कि उससे भी अधिक, गंभीर साबित हो सकते हैं। यह नया संघर्ष प्रेस की स्वतंत्रता को लेकर है—एक ऐसा क्षेत्र जहां अमेरिका में फस्ट अमेंडमेंट के तहत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सुनिश्चित है और पत्रकारों को विशेष सुरक्षा प्राप्त है।

एक मामला पहले से ही अदालत में है, जिसमें ट्रंप प्रशासन ने द वाशिंगटन पोस्ट की एक पत्रकार के खिलाफ आक्रामक कदम उठाने की कोशिश की थी। इसी बीच इस सप्ताह व्हाइट हाउस और मीडिया के बीच तनाव और बढ़ गया, जब ट्रंप ने ईरान में एक उच्च जोखिम वाले सैन्य बचाव अभियान से जुड़ी कथित जानकारी के लीक होने पर एक पत्रकार के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की धमकी दी। इसके परिणामस्वरूप अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से जुड़े संगठन और पत्रकार समूह ट्रंप प्रशासन के खिलाफ अदालत का दरवाज़ा खटखटा रहे हैं। अमेरिका में ये संगठन काफी प्रभावशाली हैं और इन्हें सरकारी दबाव या धनबल से आसानी से नहीं दबाया जा सकता। 6 अप्रैल को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में ट्रंप ने कहा कि उनका प्रशासन उस लीक के स्रोत की सक्रिय जांच कर रहा है, जिसमें 3 अप्रैल को ईरान के ऊपर एक एफ-15 स्ट्राइक ईगल के मार गिराए जाने के बाद लापता हुए दूसरे अमेरिकी एयरमैन की जानकारी शामिल थी। उन्होंने चेतावनी दी कि संबंधित मीडिया संस्थान को राष्ट्रीय सुरक्षा के आधार पर अपने स्रोत का खुलासा करने के लिए बाध्य किया जा सकता है। ट्रंप के अनुसार, इस लीक ने बचाव अभियान को गंभीर खतरे में डाल दिया, क्योंकि इससे ईरानी अधिकारियों को जीवित बचे पायलट की मौजूदगी का पता चल गया। उन्होंने कहा कि जैसे ही यह जानकारी सार्वजनिक हुई, "पूरा ईरान जान गया," जिससे अभियान जटिल हो गया और जोखिम बढ़ गया। इन चुनौतियों के बावजूद, अमेरिकी बलों ने अलग-अलग अभियानों में दोनों एयरमैन को सफलतापूर्वक बचा लिया। ट्रंप ने इस मिशन को अभूतपूर्व बताते हुए कहा कि दुश्मन क्षेत्र के भीतर से दोनों पायलटों को बिना पूर्व सार्वजनिक पुष्टि के सुरक्षित निकाला गया, ताकि अभियान को खतरे में न डाला जाए।

हालांकि, राष्ट्रपति की इन टिप्पणियों ने प्रेस स्वतंत्रता के समर्थकों के बीच चिंता बढ़ा दी है। सेठ स्टर्न ने इसका विरोध करते हुए कहा कि लीक जानकारी प्रकाशित करना फस्ट अमेंडमेंट के तहत संरक्षित है। उनके अनुसार संवेदनशील सूचनाओं की सुरक्षा करना सरकार की जिम्मेदारी है, न कि मीडिया की। यह प्रकरण अमेरिकी लोकतंत्र के एक पुराने द्वंद्व को उजागर करता है—राष्ट्रीय सुरक्षा और प्रेस की स्वतंत्रता के बीच संतुलन। इतिहास में सरकारें आमतौर पर लीक करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करती रही हैं, लेकिन पत्रकारों को सीधे निशाना बनाना अधिक विवादास्पद कदम माना जाता है।

इस बीच, एक अन्य मामले में अमेरिकी संघीय मजिस्ट्रेट न्यायाधीश विलियम बी. पोर्टर ने न्याय विभाग को हन्ना नैटनसन के जब्त किए गए इलेक्ट्रॉनिक डेटा की जांच करने से रोक दिया है। यह मामला प्रेस स्वतंत्रता और सरकारी अतिक्रमण के बीच चल रही कानूनी लड़ाई में एक महत्वपूर्ण मोड़ है। यह निर्णय 14 जनवरी 2026 को फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन द्वारा नैटैनसन के घर पर की गई तलाशी के बाद आया, जिसमें छह इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किए गए थे। हालांकि, स्पष्ट किया गया कि नैटैनसन स्वयं जांच का लक्ष्य नहीं हैं। 24 फरवरी के आदेश में न्यायाधीश पोर्टर ने कहा कि जब्त सामग्री की समीक्षा न्यायालय करेगा, न कि न्याय विभाग। उन्होंने सरकार की दलील की तीखी आलोचना करते हुए इसे "मुर्गीखाने की रखवाली लोमड़ी को सौंपने" जैसा बताया और न्यायिक निगरानी की आवश्यकता पर जोर दिया।

इस फैसले का समर्थन रिपोर्टर कम्युनिटी फॉर फ्रीडम ऑफ द प्रेस सहित कई प्रेस स्वतंत्रता संगठनों ने किया है। इन संगठनों का कहना है कि इस तरह की व्यापक जब्ती संविधान के प्रथम और चतुर्थ संशोधनों तथा प्रायवेसी प्रोटेक्शन एक्ट का उल्लंघन है। यह मामला राष्ट्रीय सुरक्षा लीक की जांच में किसी पत्रकार के घर पर छापे का पहला ज्ञात उदाहरण माना जा रहा है, जिसने राज्य की सुरक्षा और स्वतंत्र प्रेस के बीच संतुलन को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

ट्रंप की मीडिया से यह लड़ाई आसान नहीं होगी, क्योंकि अमेरिकी मीडिया का इतिहास सत्ता से टकराने का रहा है। 1970 के दशक में वाटरगेट स्कैंडल ने राष्ट्रपति रिचर्ड नेक्सन को 1974 में इस्तीफा देने पर मजबूर किया था। 1998 में बिल क्लिंटन और मोनिका लेविंस्की से जुड़ा घोटाला भी मीडिया ने ही उजागर किया था। आज जब जेफरी एप्सटीन से जुड़े विवाद ने पहले ही राजनीतिक माहौल को संवेदनशील बना रखा है, ऐसे में मीडिया से ट्रंप का टकराव उनके लिए राजनीतिक और व्यक्तिगत रूप से भारी पड़ सकता है। ट्रंप और मीडिया के बीच यह संघर्ष पूरे लोकतांत्रिक विश्व में ध्यान से देखा जाएगा, जहां प्रेस की स्वतंत्रता को शासन की एक मूलभूत शर्त माना जाता है। विशेष रूप से भारत में, जहां नरेन्द्र मोदी की सरकार पर कई क्षेत्रों में नीतिगत विफलताओं और संवैधानिक संस्थाओं—जैसे चुनाव आयोग और न्यायपालिका—की स्वतंत्रता पर सवाल उठते रहे हैं। इसके साथ ही स्वतंत्र मीडिया के कई वर्गों ने भी हाल के वर्षों में सरकारी दबाव को लेकर असहजता व्यक्त की है।

जलियांवाला बागः आजादी की वो कीमत, जिसे हिंदुस्तान कभी नहीं भूलेगा

दिलीप कुमार पाठक

13 अप्रैल जलियांवाला बाग हत्याकांड स्मृति दिवस

इतिहास के पन्नों में कुछ तारीखें ऐसी होती हैं जो स्याही से नहीं, बल्कि इंसानी लहू से लिखी जाती हैं। 13 अप्रैल 1919 की वह मनहूस शाम भी एक ऐसी ही तारीख थी, जिसने न केवल पंजाब की मिट्टी को लाल किया, बल्कि सोए हुए समूचे हिंदुस्तान की सोई हुई आत्मा को भी झकझोर कर रख दिया। अमृतसर का वह छोटा सा मैदान, जिसे दुनिया आज जलियांवाला बाग के नाम से जानती है, महज़ ईंट-पत्थरों का बना कोई स्मारक नहीं है। वह गवाह है उस अमानवीय बर्बरता का जिसे सुनकर आज भी रोंगटे खड़े हो जाते हैं, और वह प्रतीक है उस अटूट हौसले का जिसने दुनिया के सबसे बड़े ब्रिटिश साम्राज्य के पतन की नींव रख दी थी। बैसाखी का पावन दिन था। पंजाब के गाँवों और शहरों में उत्सव का माहौल होना चाहिए था। लोग नए कपड़े पहनकर मेलों की ओर बढ़ रहे थे, लेकिन अमृतसर की हवाओं में एक अजीब सी बेचैनी घुली हुई थी। पूरा देश रोलेट एक्ट जैसे काले कानून के खिलाफ गुस्से में उबल रहा था, जिसने बिना दलील और बिना वकील के किसी को भी जेल भेजने की ताक़त अंग्रेज़ों को दे दी थी। इसी अन्याय के खिलाफ अपनी शांतिपूर्ण आवाज़ दर्ज कराने के लिए शाम के वक्त करीब बीस हज़ार लोग उस बाग में इकट्ठा हुए थे। उस विशाल भीड़ में मासूम बच्चे थे, अपने परिवारों के साथ आई महिलाएँ थीं और वे बुजुर्ग भी थे जो अमृतसर के स्वर्ण मंदिर में माथा टेकने के बाद सुस्ताने के लिए वहाँ रुके थे। किसी को भी इस बात का रत्ती भर भी अंदाजा नहीं था कि अगले कुछ मिनट उनकी ज़िंदगी के आखिरी पल साबित होने वाले हैं। शाम के करीब सवा पांच बज रहे थे, जब अचानक जनरल रेजिनल्ड डायर अपने नब्बे सशस्त्र सैनिकों के साथ उस बेहद संकरे रास्ते से दाखिल हुआ, जो बाग के अंदर आने और बाहर जाने का एकमात्र मार्ग था। उसने न तो भीड़ को तितर-बितर होने की कोई चेतावनी दी और न ही शांति की कोई अपील की। उसने बस पत्थर दिल होकर एक क्रूर आदेश दिया—फायर! अगले दस मिनट तक जो मंजर वहाँ दिखा, वह मानवता के इतिहास पर सबसे गहरा और बदनुमा कलंक था। सैनिकों की रायफलें तब तक आग उगलती रहीं जब तक कि उनकी आखिरी गोली खत्म नहीं हो गई। बाग की दीवारें सात-आठ फीट ऊँची थीं और एकमात्र निकास द्वार पर मौत का पहरा था। लोग बदहवास होकर अपनी जान बचाने के लिए उन दीवारों पर चढ़ने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन डायर के सिपाही जानबूझकर उन्हीं को निशाना बना रहे थे। चीख-पुकार, धुएँ और मलबे के बीच, अपनी जान बचाने की जद्दोजहद में सैकड़ों लोगों ने उस पुराने कुएं में छलांग लगा दी, जिसे आज हम श्रद्धा से शहीदी कुआं कहते हैं। देखते ही देखते वह कुआं लाशों से पट गया। सरकारी रिकॉर्ड्स भले ही मरने वालों की संख्या 379 बताते हों, लेकिन हकीकत यह थी कि उस शाम हज़ारों घरों के चिराग हमेशा के लिए बुझ गए थे। इस जघन्य हत्याकांड ने पूरी दुनिया की अंतरात्मा को हिलाकर रख दिया। यह वह ऐतिहासिक मोड़ था जहाँ से अंग्रेज़ों की भारत से विदाई की उल्टी गिनती शुरू हुई। इस घटना के विरोध में गुरुदेव रबींद्रनाथ टैगोर ने अपनी नाइटहुड की उपाधि त्याग दी और महात्मा गांधी का वह विश्वास पूरी तरह टूट गया जो वे कभी अंग्रेज़ी न्याय प्रणाली में रखते थे। जलियांवाला बाग के इसी खूनी मंजर ने एक 15 साल के किशोर ऊधम सिंह के भीतर प्रतिशोध का ऐसा लावा भरा कि उन्होंने 21 साल तक इस अपमान की आग को अपने सीने में जलाए रखा। अंततः साल 1940 में लंदन के कैक्सटन हॉल में जाकर उन्होंने जनरल ओडायर को मौत के घाट उतारा और दुनिया को बताया कि हिंदुस्तान अपने शहीदों का अपमान कभी नहीं भूलता।

यह जलियांवाला बाग ही था जिसने भगत सिंह जैसे अनगिनत क्रांतिकारियों के दिलों में आज़ादी का बीज बोया। कहते हैं कि भगत सिंह इस घटना के बाद कई मील पैदल चलकर यहाँ आए थे और इस बाग की खूनी मिट्टी को एक बोतल में भरकर ले गए थे, ताकि वह उन्हें हर पल गुलामी की बेड़ियों को तोड़ने की याद दिलाती रहे। आज, जब हम आज़ादी की खुली हवा में गर्व से सांस लेते हैं, तो हमें उन दीवारों की ओर एक बार ज़रूर देखना चाहिए जो आज भी गोलियों के निशानों को अपनी छाती पर लिए खड़ी हैं। वे निशान आज भी हमसे यह सवाल करते हैं कि जिस अखंड और मज़बूत भारत के लिए उन्होंने अपना सीना छलनी करवाया था, क्या हम आज उस विरासत को संभाल पा रहे हैं? 13 अप्रैल का यह दिन केवल इतिहास को दोहराने या शोक मनाने का नहीं है, बल्कि यह खुद के भीतर झाँकने और अपनी राष्ट्रीय ज़िम्मेदारियों को समझने का दिन है। उन शहीदों के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम देश की एकता और अखंडता को किसी भी संकीर्ण सोच की भेंट न चढ़ने दें। जलियांवाला बाग की मिट्टी आज भी पवित्र है क्योंकि उसमें हमारे पुरखों का पसीना और लहू एक साथ मिला हुआ है। हमें यह हमेशा याद रखना होगा कि जिस आज़ादी का उत्सव हम मनाते हैं, उसकी जड़ें उसी बाग की नम और खूनी मिट्टी में कहीं गहरी धँसी हुई हैं। हिंदुस्तान उस महान बलिदान को कभी नहीं भूल सकता, और एक सजग नागरिक के तौर पर हमें भी इसे कभी विस्मृत नहीं होने देना चाहिए।

पाकिस्तान की मध्यस्थता से शांति समझौता रहा बेनतीजा

संजय गोस्वामी

पाकिस्तान की मध्यस्थता से शांति समझौता कराने की कोशिशों के बीच अमेरिका और ईरान ने इस्लामाबाद में बातचीत की। अमेरिकी का प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व अमेरिका के उप राष्ट्रपति जेडी वेंस ने की , जबकि ईरानी वार्ताकारों की अगुवाई अगुआई ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबाफ कर रहे हैं। दल में विदेश मंत्री अब्बास अराघची, भी हैं लेकिन यह वार्ता में सफलता मिलने की संभावना बहुत ही कम दिखाई दे रही है

आज सारी दुनिया को मालूम है पाकिस्तान एक आतंकवादी देश है आज कल सारे न्यूज़ चैनल में अमेरिका ईरान युद्ध के 11अप्रैल 26 के शान्ति वार्ता पर ध्यान केंद्रीत है जो पाकिस्तान फुले नहीं समा रहा है और ऐ दिखाने की कोशिश की गईं है कि पाकिस्तान शान्ति का मैसेंजर है लेकिन हकीकत उल्टी है दरअसल पाकिस्तान हाल ही में अफगानिस्तान में हवाई हमले कर 400 से अधिक निर्दोष नागरिकों को मौत की नींद सुला दिया और इजराइल पर ऐ आरोप लगाना तर्कसंगत है कि बेरूत में बम बरसा रहा है निर्दोष नागरिकों की हत्या कर रहा है जबकी वहाँ हिजबुल्लाह एक आतंकी संघठन है लेबनान में हिजबुल्लाह के ठिकानों पर बुधवार को हुए इजरायली हमले में अब तक कम से कम 254 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं 1100 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं।जो मानता हूँ ठीक नहीं है लेकिन जब आंतकवादी को पनाह देने वाले और आतंकवादी गतिविधियों में हजारों की संख्या में खुद ही निर्दोष लोग जिसमें भारत भी है को धर्म के आधार पर मारते हैं तो क्या ऐ सही है यदि धर्म का आधार ही है तो अफगानिस्तान में क्यों निर्दोष लोगों को मारा गया ऐ सिर्फ और सिर्फ अपनी डफली अपना राग और अपने आतंकी छवि को एक सफेद झूठ की चादर से ढक रहें है पाकिस्तान और ईरान का सीमा विवाद क़ोई नया नहीं है 2 वर्ष पूर्व याद कीजियेगा 17 जनवरी 2024 को मंगलवार रात पाकिस्तान पर हुए ईरानी मिसाइल हमले में दो बच्चों की मौत और तीन अन्य के घायल होने के बाद पाकिस्तान और ईरान के राजनयिक संबंधों में दरार है। उस समय पाकिस्तान ने इस हमले की कड़ी निंदा करते हुए तेहरान से अपने राजदूत को वापस बुला लिया था और इस्लामाबाद में मौजूद ईरान के दूत के पाकिस्तान लौटने पर रोक लगा दी। उस समय इस्लामाबाद ने ईरान पर पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र का उल्लंघन करने का आरोपलगाया, जबकि ईरान के सरकारी मीडिया ने कहा कि मिसाइलों ने जैश अल-अदल नामक सशस्त्र समूह के दो ठिकानों को निशाना बनाया था।उस समय एक बयान में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने कहा गया था , यह गैर-कानूनी हरकत पूरी तरह से अस्वीकार्य है और इसका कोई भी औचित्य नहीं है। इसमें चेतावनी दी गई, पाकिस्तान इस गैर-कानूनी हरकत का जवाब देने का अधिकार सुरक्षित रखता है। इसके परिणामों की पूरी ज़िम्मेदारी ईरान की होगी।अमेरिका भी कैसे पाकिस्तान के चंगुल में फंस गया ऐ भी उसकी वर्ड पावर की छवि को बहुत ही निचे बातचीत के टेबल तक ले गया ऐ उसके इतिहास में कभी नहीं हुआ की पाकिस्तान जैसे देश में जाकर शांति वार्ता के लिए मज़बूरी वश जाना पड़ा क्योंकि पहले जितने भी राष्ट्रपति हुए वो या तो वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर, हमले का बदला या ईरान पर हमला कर कभी पीछे नहीं मुड़ा जहाँ तक ईरान में युद्ध की बात है नाटो का कहना ऐ उसका निजी मामला है हमसे पूछ कर नहीं किया गया तो ईराक में जब सद्दाम हुसैन पर हमला किया गया तो किससे पूछ कर किया फिर भी वहाँ भी अमेरिका को क्या खतरा था ईरान से तो समझ में आता है कि अमेरिका को बाद में खतरा हो सकता था क्योंकि उसकी मिशायल की मारक क्षमता बाद में अमेरिका तक मार करने की क्षमता हासिल कर सकता था और जो अभी खाड़ी देशों में अमेरिका के बेस पर जिसतरह हमला हुआ वैसा पहले कभी नहीं हुआ ऐ अमेरिका को गहरा चोट पहुँचाया है और इसमें कहीं ना कहीं पाकिस्तान की भी मिली भगत हैं क्योंकि उसी के बॉडर से होकर ही हथियार गया है जो अमेरिका के लाख बम्रबारी के बाद भी 100 वीं लहर तक कैसे गया इसलिए की इसमें चीन और रूस के साथ पाकिस्तान का भी हाथ होगा हथियार पहुंचाने में, जो खबर निकल कर सामने आई है इसलिए पाकिस्तान शान्ति वार्ता क्या कराएगा जो खुद ही आतंकवादी के सहारे दहशतगर्द को पनपा रहा है और भारत में मासूमों की हत्या करवाता है 26/11/08 को मुंबई में पाकिस्तान के आईएसआई ने ऐसी कत्लेआम का अंजाम दिया जिसमें सैकड़ो मासूमों की जान चंद आतंकवादी ने कत्लेआम किया वो भी धर्म के नाम पर, और हाल ही में पहलगांव में दर्जनों भारतीय पर्यटक की हत्या धर्म के नाम पर की, अतः एक कहावत है जो संत कबीर ने लिखी है :-बुरा जो देखन मैं चला, बुरा न मिलिया कोय, जो दिल खोजा आपना, मुझसे बुरा न कोय,संत कबीरदास जी का यह प्रसिद्ध दोहा आत्म-निरीक्षण का संदेश देता है, जो सिखाता है कि दूसरों में दोष ढूंढने से पहले अपने भीतर झांकना चाहिए। भारत अगर ऑपरेशन सिंदूर कर पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर हमला नहीं करता तो कट्टरवादी आतंकी फिर क़ोई नया खेल करते और भारतीय मासूमों की जान जाती किसी भी धर्म में मानवता को ही सर्वोपरि माना गया है लेकिन धर्म की आड़ लेकर लोग इसका फायदा आतंक को पनपाने में करता है जो विश्व के लिए खतरा है अब ईरान भी उसी रास्ते पर चल पड़ा है क्योंकि जिस तरह खाड़ी देशों में उसके हमले में कई निर्दोष नागरिकों की मौत हुई है और जिस तरह हार्मोस को पूरी तरह बंद करके दूसरे देश के लिए क्यों बन्द किया जिसका इस युद्ध से क़ोई लेना देना नहीं है और उसने इसे सबसे बड़े हथियार के तौर पर इस्तेमाल किया। तेहरान ने छोटी नावों का इस्तेमाल करके हार्मोज में माइंस बिछा दी जिससे क़ोई भी जहाज इसका शिकार हो सकता है जिससे इस युद्ध में क़ोई लेना देना नहीं है कई जहाजो को वहाँ से गुजरने पर उड़ा भी दिया गया ऐ सब विश्व शांति के लिए खतरा है, और आतंकवादी देश आतंकी देश ही आपस में तालमेल बिठा लेते हैं ।

शुभ संवत 2083, शाके 1948, सौम्य गोष्ठ, वैशाख कृष्ण पक्ष, बसंत ॠतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोदय पूर्वे तिथि, एकादशी, सोमवासरे, घनिष्ठा नक्षत्रे, शुभ योगे, वल करणे, कुंभ की चंद्रमा, शुभ योग, वरुथनी एकादशी, पश्चिम दिशा की यात्रा शुभ उत्तम फलदायी होगी|

आज जन्म लिए बालक का फल........

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल, जिद्दी-हठी, स्वाभिमानी, कुशल वक्ता-अधिवक्ता, कुशल शासक-प्रशासक, उद्यमी, नीतनिपुर्ण, योग्य प्रतिनिधी।

मेष राशि :- आशानुकूल सफलता से संतोष होगा, सफलता के साधन अवश्य ही बनेंगे।

वृष राशि :- समय अराम में बीते, व्यावसायिक क्षमताओं का ध्यान अवश्य रखें, ध्यान दें।

मिथुन राशि :- अधिकारियों का समर्थन फलप्रद होगा किन्तु दुष्ट मित्रों से परेशानी बनेगी।

कर्क राशि :- इष्ट मित्र सुखवर्धक हों, कुटुम्ब की समस्याएं सुलझेंगी, धैर्य से कार्य निपटायें।

सिंह राशि :- प्रतिष्ठा वृद्धि एवं बड़े लोगों से मेल-मिलाप हर्षप्रद होगा, ध्यान दें।

कन्या राशि :- संघर्ष में सफलता से संतोष, व्यावसायिक क्षमताओं में अनुकूलता से लाभ होगा।

तुल राशि :- मान-प्रतिष्ठा, प्रभुत्व में वृद्धि, कार्यक्षमता बढ़े, समाज में प्रतिष्ठा के योग बनेंगे।

वृश्चिक राशि :- सामाजिक कार्यों में सुधार होगा, कार्यगति में सुधार तथा चिंताएं कम होंगी।

धनु राशि :- अचानक कोई शुभ समाचार मिलेगा, कार्यगति में सुधार होगा, कार्य बनने के योग।

मकर राशि :- स्थिति यथावत रहे, समय पर सोचे कार्य पूर्ण होंगे, कार्यों में सुधार होगा।

कुंभ राशि :- इष्ट मित्र सुखवर्धक होंगे, शरीर कष्ट, चिंतन, असमंजस की स्थिति बनेगी।

मीन राशि :- इष्ट मित्र सहायक रहेंगे, दैनिक कार्यगति में अनुकूलता बनी ही रहेगी, ध्यान दें।

आज का इतिहास 13 अप्रैल

1528 इंग्लैंड के हेनरी अष्टम और अरागान का कैथरीन के विवाह की वैधता जांचने के लिए पोप ने एक आयोग का गठन किया.

1589 ब्रिटेन के फ्रांसिस ड्रेक और जान नोरस ने 150 जहाज और 18 हजार लोगों के साथ पुर्तगाल अभियान शुरू किया.

1605 थियोडोर द्वितीय रूस के जार बने.

1699 सिख गुरुगोविंद सिंह ने खालसा पंथ की स्थापना की.

1743 अमेरिकी राष्ट्रपति थामस जेफरसन का जन्म हुआ.

1772 वारेन हेस्टिंग्स ईस्ट इंडिया कंपनी की बंगाल परिषद् के अध्यक्ष चुने गये.

1796 नेपोलियन बोनापार्ट के नेतृत्व में फ्रांस ने आस्ट्रियायी फौजों को उत्तरी इटली में पराजित किया.

1919 ब्रिगेडियर जनरल आर. ई.एच. डायर ने जलियांवाला बाग में निहत्थों पर गोलियां चलवाई जिसमें 389 लोग मारे गये और 1516 अन्य घायल हो गये.

1976 फिनलैंड में हथियारों के कारखाने में विस्फोट से 45 व्यक्ति मारे गए.

1990 सोवियत राष्ट्रपति मिखाइल गोर्बाचेव ने लिथुआनिया ने स्वतंत्रता की घोषणा वापस लेने को कहा.

1993 सोवियत नेता मिखाइल गोर्बाचेव का तख्ता पलटने की साजिश में शामिल १२ व्यक्तियों के खिलाफ मुकदमा शुरू हुआ.

पिछले सत्र की कमजोरियों को दूर करने से लाभ मिला : बिश्नोई

राजस्थान रॉयल्स के स्पिनर रवि बिश्नोई ने कहा है कि पिछले सत्र की कमजोरियों को दूर करने का लाभ उसे इस सत्र में मिला है। इसी कारण वह इस सत्र में अब तक अच्छी गेंदबाजी करने में सफल हुए हैं। बिश्नोई के अनुसार उन्होंने अपनी गलतियों पर घरेलू क्रिकेट में काम किया है। बिश्नोई ने मैच के बाद कहा पिछला सत्र मेरे लिए काफी कठिन रहा था, पर मैंने अपने तरीके से काम किया। अगर उनकी लेंथ सही नहीं होती तो बल्लेबाज उन्हें आसानी से चौके-छक्के मार देते थे। यही उनकी सबसे बड़ी कमजोरी थी, जिस पर उन्होंने पूरे घरेलू सत्र में काम किया।बिश्नोई ने बताया कि जब उनकी लेंथ सही जगह पर पड़ती है तो बल्लेबाजों के लिए रन बनाना कठिन हो जाता है। बिश्नोई ने बताया कि उन्होंने घरेलू क्रिकेट के दौरान मानसिक, तकनीकी और शारीरिक तीनों पहलुओं पर काम किया, जिसका परिणाम अब दिख रहा है। आईपीएल में इस गेंदबाज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में चार विकेट लिए और वह प्लेयर ऑफ द मैच भी बने। बिश्नोई सबसे पहले साल 2022 में लखनऊ सुपर जायंट्स से जुड़े थे। पहले दो सत्र में उन्होंने 13 और 16 विकेट लिए, लेकिन इसके बाद उनका प्रदर्शन नीचे आया। आईपीएल 2024 में उन्होंने 14 मैच में 10 विकेट लिए, जबकि पिछले सीजन में 11 मैच में सिर्फ 9 विकेट ही ले सके और उनका इकॉनमी रेट भी काफी ज्यादा रहा।

अब कमेंट्री नहीं कोचिंग पर ही ध्यान देंगे युवराज

पूर्व भारतीय क्रिकेटर युवराज सिंह ने कहा है अब वह कमेंट्री नहीं करेंगे। इसकी जगह पर कोचिंग और अपने कारोबार पर ध्यान देंगे। युवराज ने बताया कि कमेंट्री खेल पर बात करने का एक अच्छा मंच है पर वह इसलिए इसमें नहीं रहना चाहते हैं क्योंकि कुछ लोगों ने कमेंट्री के दौरान उनके निजी जीवन को लेकर टिप्पणियां की थीं। इसी वजह से वह इससे दूर रहना चाहते हैं। युवराज कहा, अब जब मैं रिटायर हो गया हूं तो मैं यह कहना चाहता हूं कि कुछ लोगों ने मेरे क्रिकेट पर नहीं, बल्कि मुझ पर निजी प्रहार किय। क्रिकेट पर बात करना समझ में आता है, क्योंकि वह खेल का हिस्सा है पर निजी जीवन पर कहना सही नहीं है। । युवराज का कहना है कि वह अब कोचिंग के साथ ही अपने कामकाज मे लगे हुए हैं। वह युवा खिलाड़ियों के साथ काम कर रहे हैं और उगे बढ़ाने में सहायता कर रहे हैं।युवराज पंजाब के युवा खिलाड़ियों जैसे अभिषेक शर्मा और प्रभसिमरन सिंह के मेंटर की भूमिका निभा रहे हैं। इसके अलावा उन्होंने संजू सैमसन को भी कठिन दौर में टिप्स दिये थे। युवराज ने बताया कि उन्होंने संजू सैमसन को तकनीकी रूप से फुटवर्क सुधारने की सलाह दी थी।

लॉफिंग ज़ोन

सडक पर दो मजदूर काम कर रहे थे. एक गड्ढा खोदता दूसरा पीछे से भर देता. एक आदमी बहुत देर से देख रहा था, उससे रहा नहीं गया. उसने कहा- 'ये आप लोग क्या कर रहे है?'

गड्ढा खोदने वाला- 'हम लोग सरकारी कर्मचारी हैं. अपना काम कर रहे हैं.'

मुसाफिर, 'लेकिन यह कैसा काम है एक गड्ढा करता है दूसरा भर देता है.'

गड्ढा खोदने वाला- 'दरअसल हमारी तीन लोगों की ड्यूटी है. मैं गड्ढा खोदता हूं दूसरा पेड़ लगाता है तीसरा उसे बंद करता है. आज दूसरा यानी पौधे रखने वाला व्यक्ति छुट्टी पर है.'

☺ ☺ ☺

एक आदमी कब्रिस्तान से गुजर रहा था. उसने एक आदमी को कब्र पर बैठे देखा. उसने कब्र पर बैठे व्यक्ति से पूछा, 'तुम्हें यहां पर डर नहीं लगता?'

कब्र पर बैठा व्यक्ति बोला, डरने की क्या बात है. अंदर गर्मी लग रही थी इसलिए बाहर आ गया.

☺ ☺ ☺

चित्रकार (ग्राहक से)- 'साहब, मैं बेगम साहिबा की ऐसी तस्वीर बनाऊंगा, जो बोल उठेगी.'

ग्राहक (चित्रकार से)- 'माफ करो भाई, इसने तो वैसे ही नाक में दम कर रखा है. अगर इसकी तस्वीर भी बोलने लगेगी, तो जीना मुश्किल हो जाएगा.'

अश्विन ने आईपीएल से संन्यास के कारणों का खुलासा किया

पूर्व क्रिकेटर रविचंद्रन अश्विन ने साल 2025 में अचानक ही इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से संन्यास की घोषणा कर सभी को हैरान कर दिया था। तब उन्होंने कहा था कि वह विदेशी लीग में खेलने के लिए ये कदम उठा रहे हैं। वहीं अब एक साल बाद अश्विन ने खुलासा किया है कि चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) में रहते हुए उन्हें मानसिक परेशानी के दौर से गुजरना पड़ा था जिसके कारण उन्हें संन्यास की घोषणा करनी पड़ी। अश्विन के अनुसार अगर उस तरह की परेशानी नहीं आती तो वह इतनी जल्दी आईपीएल नहीं छोड़ते और कुछ समय इस लीग में बने रहते। अश्विन ने साल 2024 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। इसके एक साल बाद उन्होंने आईपीएल से भी संन्यास की घोषणा कर दी थी। इस स्पिनर ने कहा कि उन्होंने फ्रेंचाइजी को उनके भविष्य के बारे में फैसला करने के संशय से बचाने के लिए स्वयं ही आईपीएल छोड़ दिया था। अश्विन ने कहा, मेरा सीएसके के साथ सत्र अच्छा नहीं रहा था। यह मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से निराशाजनक सत्र था। सच कहूं तो मुझे लग रहा था कि मैं और खेल सकता हूं पर मैंने अचानक ही इसलिए संन्यास ले लिया क्योंकि में भावनात्मक रूप से कई अन्य चीजों को साथ लेकर नहीं खेल सकता था। अश्विन ने आईपीएल से संन्यास की घोषणा करने से पहले 2025 के सत्र में कम अवसर किए जाने के बाद सीएसके से कहा था कि उनकी भूमिका को स्पष्ट किया जाये। वह सीएसके के 14 मैचों में से केवल 9 मैच में ही खेले थे। सीएसके से ही उन्होंने अपने आईपीएल करियर की शुरुआत की थी, इसलिए वह इस टीम से भावनात्मक रुप से जुड़े थे। उन्होंने कहा, मैं वहां नहीं जाना चाहता। यह मानसिक रूप से परेशान करने वाला है। यह मेरे लिए बहुत पीड़ादायक था। मैं वहां नहीं जाना चाहता था। मैंने थोड़ी चर्चा की और फिर फैसला किया कि मैंने चेन्नई से शुरुआत की है और मैं अपने गृहनगर में ही इसे समाप्त कर रहा हूं। अश्विन ने कहा, मैंने संन्यास लेने का फैसला इसलिए किया क्योंकि इससे उन्हें मुझे टीम में बनाए रखने या बाहर करने का फैसला लेने के लिए दुविधा में नहीं पड़ना पड़ा। इसके अलावा मेरे संन्यास लेने से उनकी 10 करोड़ रुपये की बचत भी हुई।

ये बल्लेबाज कभी एकदिवसीय में शून्य पर आउट नहीं हुए

टी20 क्रिकेट प्रारुप के आने के पहले समिति ओवरों के प्रारुप की बात करें तो केवल एकदिवसीय क्रिकेट मुकाबले ही होते थे। ऐसे में इनका रोमांच भी काफी होता था। इन एकदिवसीय मुकाबले में बेहतर प्रदर्शन करने वाले बल्लेबाज रातों-रात स्टार बन जाते थे। ऐसे में इसमें कई अनौखे रिकार्ड भी बने हैं। इन्हीं में से कुछ खिलाड़ी ऐसे भी रहे हैं जो इस प्रारुप में भी भी शून्या पर आउट नहीं हुए हैं। इसमें भारत के एक खिलाड़ी यशपाल शर्मा का नाम है। वहीं अन्य खिलाड़ी हैं दक्षिण अफ्रीका के केप्लर वेसेल्स, पीटर कर्स्ट,न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल और पाकिस्तान के आगा सलमान।

यशपाल शर्मा

साल 1983 विश्व कप विजेता टीम के सदस्य रहे यशपाल शर्मा ने 1978 से 1985 के बीच 42 मैचों की 40 पारियों में 28.48 की औसत के साथ 883 रन बनाये। वह अपने दौर के एक बेहतरीन बल्लेबाज रहे हैं। उन्होंने बिना किसी शतक के भी 4 अर्धशतक लगाए और 63.02 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए। उस दौर में जब सुरक्षा के साधन कम थे तब इस बल्लेबाज ने तूफानी गेंदबाजों के सामने कभी भी अपना विकेट नहीं खोया।

केप्लर वेसेल्स

साल 1983 से 1994 के बीच केप्लर वेसेल्स ने 109 मैच खेले और 105 पारियों में कभी शून्य पर आउट नहीं हुए। उन्होंने 34.35 की औसत से 3367 रन बनाए। उन्होंने अपने करियर में 263 चौके जड़े, लेकिन छक्के सिर्फ 2 ही लगाए।

पीटर कर्स्टन

दक्षिण अफ्रीका के पीटर कर्स्टन की कहानी भी वेसेल्स जैसी ही जुझारू है। 1991 से 1994 के छोटे अंतराल में उन्होंने 40 मैच खेले और बिना किसी शून्य के 1293 रन बनाए। इसमें उनका औसता 38.02 जबकि स्ट्राइक रेट 56.02 रहा। इस क्रिकेटर ने अपने करियर में 9 अर्धशतक लगाए और 90 चौके लगाये।

डेरिल मिचेल

न्यूजीलैंड के इस बल्लेबाज ने 2021 से 2026 के बीच सिर्फ 59 मैचों में 58.47 का बेहतरीन औसत और 95.72 का स्ट्राइक रेट से रन बनाये है। मिचेल ने अब तक 9 शतक और 12 अर्धशतक लगाये हैं। मिचेल ने 71 छक्के लगा दिए हैं।

आगा सलमान

पाकिस्तान के आगा सलमान ने साल 2022 से 2026 के दौरान 50 मैचों की 42 पारियों में 45.23 का औसत से रन बनाये हैं। आगा का सबसे अधिक स्कोर 134 रन रहा है। सलमान का स्ट्राइक रेट 96.18 है। उन्होंने 135 चौके और 29 छक्के भी लगाये हैं।

दैनिक पंचांग

13 अप्रैल 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

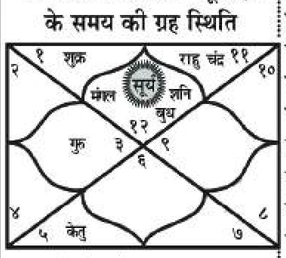

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मेष	05.49 बजे से
चंद्र	कुंभ में	वृष	07.29 बजे से
मंगल	मीन में	मिथुन	09.27 बजे से
बुध	मीन में	कर्क	11.40 बजे से
गुरु	मिथुन में	सिंह	13.56 बजे से
शुक्र	मेष में	कन्या	16.08 बजे से
शनि	मीन में	तुला	18.19 बजे से
राहु	कुंभ में	वृश्चिक	20.34 ब.से
केतु	सिंह में	धनु	22.50 बजे से
		मकर	00.55 बजे से
		कुंभ	02.41 बजे से
		मीन	04.14 बजे से

राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक

सोमवार 2026 वर्ष का 103 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** बसंत। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** वैशाख (दक्षिण भारत में चैत्र) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** एकादशी 01.09 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** धनिष्ठा 16.04 बजे को समाप्त। **योग** शुभ 17.17 बजे को समाप्त। **करण** बव 13.19 बजे तदनन्तर बालव 01.09 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.9 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 08° 58' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872678 **जूलियन दिन** 2461143.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** सव्वाल **तारीख** 24 **विशेष** वरूथिनी एकादशी, वल्लभाचार्य जयंती, जलियाँवाला बाग दिवस।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

युवा तेज गेंदबाज वैशाख ने बनायी अलग पहचान

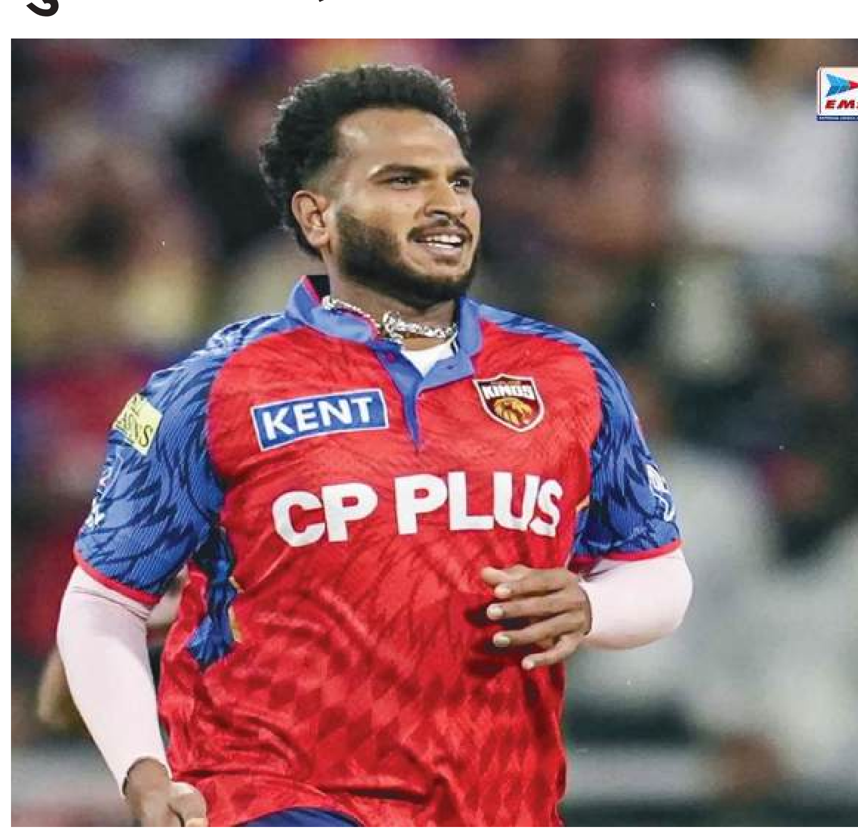

आईपीएल के इस सत्र में पंजाब किंग्स के युवा तेज गेंदबाज विजयकुमार वैशाख ने अपनी शानदार गेंदबाजी से सभी का ध्यान खींचा है। वैशाख की खासियत ये है कि उनकी गेंदों में काफी विविधता है और रफ्तार भी 140 से 145 किलोमीटर/प्रतिघंटा की है। जिसका सामना करना बल्लेबाजों के लिए काफी कठिन हो रहा है।वैशाख अपना चौथा आईपीएल सीजन खेल रहे हैं। उन्होंने अब तक 19 मुकाबलों में 29.45 की औसत के साथ 22 विकेट लिए हैं। इससे पहले वैशाख ने साल 2023 आईपीएल सत्र में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की ओर से खेलते हुए 7 मुकाबलों में 9 विकेट लिए थे। विजयकुमार ने साल 2024 सत्र में 4 मुकाबलों में 4 विकेट लिए ले। वहीं आईपीएल के पिछले सत्र में पंजाब किंग्स ने उन्हें खरीदा था पर वह फिट नहीं होने के कारण काफी कम मुकाबले खेल पाये थे। तब वैशाख ने 5 खेलते हुए 4 विकेट लिए थे। वहीं इस सत्र में इस गेंदबाज ने अब तक काफी अच्छा प्रदर्शन करते हुए पांच विकेट लिए है। वैशाख ने गुजरात टाइटंस (जीटी) के खिलाफ पहले मैच में 34 रन देकर 3 विकेट लिए। वहीं दसरे मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ 38 रन देकर 2 विकेट लिए। इस सत्र में उनके गेंदबाजी कौशल को काफी सुधार आया है। उनकी वाइड यॉर्कर और स्लो बाउंसर का जवाब बल्लेबाजों के पास नहीं हैं। वह गेंद की गति को अचानक कम करते हुए बल्लेबाजों को हैरान कर रहे हैं।

घरेलू क्रिकेट में उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। उनके नाम फर्स्ट क्लास करियर के 31 मुकाबलों में 25.14 की औसत के साथ 116 विकेट हैं। । वहीं, लिस्ट-ए करियर के 29 मुकाबलों में विजयकुमार ने 40 विकेट निकाले हैं। 52 टी20 मुकाबलों में यह गेंदबाज 66 विकेट अपने नाम कर चुका है।इस गेंदबाज ने अपनी सफलता का श्रेय कर्नाटक के घरेलू क्रिकेट और अपने कोच को दिया है। उनका मानना है कि घरेलू क्रिकेट में खेलते समय अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों के खिलाफ गेंदबाजी से उनका मनोबल बढ़ा है। इस गेंदबाज की प्राथमिकता रफ्तार नहीं बल्कि फिटनेस और तकनीक को बेहतर बनाना है।

संक्षिप्त खबरें

दुनिया की सबसे महंगी धातु कैलिफोर्नियम

मुंबई (ईएमएस)। सोना और चांदी को आमतौर पर सबसे कीमती धातु माना जाता है, लेकिन एक ऐसा कृत्रिम तत्व भी है जिसकी कीमत इन्हें भी पीछे छोड़ देती है। इसका नाम कैलिफोर्नियम है, जो अत्यंत दुर्लभ और रेडियोधर्मी धातु है। कैलिफोर्नियम एक कृत्रिम तत्व है जिसका परमाणु क्रमांक 98 है। इसे प्राकृतिक रूप से नहीं पाया जाता, बल्कि न्यूक्लियर रिएक्शन के जरिए प्रयोगशालाओं में बनाया जाता है। पहली बार इसे 1950 में अमेरिकी वैज्ञानिकों ने तैयार किया था। इसकी बेहद सीमित उपलब्धता और जटिल उत्पादन प्रक्रिया के कारण इसकी कीमत करोड़ों रुपये प्रति ग्राम तक मानी जाती है। हालांकि यह पारंपरिक बाजार में खरीदा-बेचा नहीं जाता। इसका उपयोग न्यूक्लियर रिएक्टर शुरू करने, तेल व खनिज खोज, सुरक्षा जांच और कुछ विशेष कैंसर उपचार तकनीकों में किया जाता है।

ऑटो सेक्टर के शेयर एक्सिस सिक्युरिटीज में आएगी तेजी!

ब्रोकरेज ने दिया 1,860 रुपए का टारगेट

मुंबई (ईएमएस)। ऑटो कंपोनेंट्स सेक्टर में बढ़ती गतिविधियों के बीच ऑटोमोटिव एक्सेल लिमिटेड को लेकर ब्रोकरेज हाउस एक्सिस सिक्युरिटीज ने सकारात्मक रुख अपनाया है और इसमें आगे बढ़त की संभावना जताई है। एक्सिस सिक्युरिटी ने ऑटोमोटिव एक्सेल लिमिटेड पर अपनी नई रिपोर्ट जारी करते हुए 'बाय' रेटिंग दी है। ब्रोकरेज ने कंपनी के लिए 1860 रुपए का टारगेट प्राइस तय किया है, जो मौजूदा स्तर से करीब 10 फीसदी की संभावित बढ़त को दर्शाता है। 10 अप्रैल को कंपनी का शेयर बीएसई पर 1.67 फीसदी की तेजी के साथ 1723.85 पर बंद हुआ था। ब्रोकरेज ने इस स्टॉक में 3 से 6 महीने के नजरिए से निवेश की सलाह दी है। कंपनी के वित्तीय प्रदर्शन में सुधार के संकेत भी मिल रहे हैं। वित्त वर्ष 2026 के लिए प्रति शेयर आय 116.5 रुपए रहने का अनुमान है, जो पिछले वित्त वर्ष के 102.9 रुपए से बेहतर है। कंपनी के मार्जिन में भी सुधार देखने को मिल रहा है। वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही में एबिडा मार्जिन बढ़कर 11.4 फीसदी हो गया, जो पिछली तिमाही में 10.5 फीसदी था। मैनेजमेंट को उम्मीद है कि वॉल्यूम रिकवरी बनी रहने पर यह मार्जिन 13 फीसदी के पार जा सकता है। कैपेसिटी के लिहाज से कंपनी फिलहाल करीब 80 फीसदी क्षमता पर काम कर रही है और वित्त वर्ष 2027 की तीसरी तिमाही तक इसे चरणबद्ध तरीके से बढ़ाने की योजना है। इसके अलावा, नए रेगुलेटरी बदलावों और ग्लोबल प्लेटफॉर्म लॉन्च की संभावनाएं भी कंपनी के लिए ग्रोथ के नए अवसर खोल सकती हैं।

पशुपति कॉटस्पिन लिमिटेड का स्टॉक स्प्लिट, 17 अप्रैल एक्स-डेट तय

10 रुपए फेस वैल्यू का शेयर बनेगा 1 रुपए का, निवेशकों को हर शेयर पर मिलेंगे 10 शेयर

नई दिल्ली (ईएमएस)। टेक्सटाइल सेक्टर की कंपनी पशुपति कॉटस्पिन लिमिटेड अगले हफ्ते बड़ा कॉरपोरेट एक्शन करने जा रही है। कंपनी ने अपने शेयरों के स्टॉक स्प्लिट के लिए 17 अप्रैल को एक्स-डेट तय की है, जिससे निवेशकों की हिस्सेदारी संरचना में बदलाव आएगा। कंपनी के मुताबिक, 10 रुपये फेस वैल्यू वाले एक शेयर को घटाकर 1 रुपये फेस वैल्यू में बदला जाएगा। इसका मतलब है कि निवेशकों को हर एक शेयर के बदले 10 शेयर मिलेंगे। कंपनी ने इस कॉरपोरेट एक्शन के लिए 17 अप्रैल को एक्स-डेट और रिकॉर्ड डेट दोनों तय की हैं। इस फैसले के बाद निवेशकों के पोर्टफोलियो में शेयरों की संख्या बढ़ जाएगी, लेकिन कुल निवेश मूल्य पर कोई असर नहीं पड़ेगा। उदाहरण के तौर पर, अगर किसी निवेशक के पास पहले 100 शेयर थे, तो स्प्लिट के बाद उनके पास 1000 शेयर हो जाएंगे, जबकि कुल वैल्यू पहले जैसी ही रहेगी। स्टॉक स्प्लिट आमतौर पर तब किया जाता है जब कंपनी का शेयर मूल्य ज्यादा हो जाता है और छोटे निवेशकों के लिए इसे खरीदना मुश्किल हो जाता है। फेस वैल्यू घटने से शेयर की कीमत भी उसी अनुपात में कम हो जाती है, जिससे इसकी पहुंच बढ़ती है और बाजार में लिक्विडिटी में सुधार होता है। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह के कॉरपोरेट एक्शन से ट्रेडिंग वॉल्यूम में बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है। हालांकि, निवेशकों को यह समझना चाहिए कि स्टॉक स्प्लिट से कंपनी के फंडामेंटल्स में कोई बदलाव नहीं होता, इसलिए निवेश का निर्णय केवल इस आधार पर नहीं लेना चाहिए।

डीजल और एटीएफ पर एक्सपोर्ट ड्यूटी में भारी बढ़ोतरी, पेट्रोल को राहत

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्र सरकार ने वैश्विक तेल बाजार में बढ़ती अनिश्चितता के बीच बड़ा कदम उठाते हुए डीजल और एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) पर निर्यात शुल्क में भारी बढ़ोतरी कर दी है। हालांकि पेट्रोल के निर्यात पर कोई बदलाव नहीं किया गया है। केंद्र सरकार ने डीजल और एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) के निर्यात पर एक्सपोर्ट ड्यूटी बढ़ा दी है। वित्त मंत्रालय द्वारा जारी नोटिफिकेशन के अनुसार, डीजल पर निर्यात शुल्क 21.5 रुपये प्रति लीटर से बढ़ाकर 55.5 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है। वहीं एटीएफ पर ड्यूटी 29.5 रुपये से बढ़ाकर 42 रुपये प्रति लीटर कर दी गई है। पेट्रोल के निर्यात पर फिलहाल कोई शुल्क नहीं लगाया गया है। यह नया नियम 11 अप्रैल से तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है। सरकार ने इस फैसले को सेंट्रल एक्साइज एक्ट 1944 और फाइनेंस एक्ट के तहत लिया है। नोटिफिकेशन में कहा गया है कि मौजूदा हालात में तुरंत हस्तक्षेप जरूरी था। दरअसल, पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के चलते वैश्विक कच्चे तेल के दाम तेजी से बढ़ रहे हैं। ब्रेंट क्रूड की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच चुकी है। अमेरिका, इजरायल और ईरान से जुड़े भू-राजनीतिक तनाव के कारण स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के आसपास सप्लाई प्रभावित होने की आशंका बनी हुई है।

यूपीआई पर चार्ज लगा तो 75 फीसदी यूजर्स छोड़ने को तैयार: सर्वे

सर्वे में खुलासा- मुफ्त सेवा ही लोकप्रियता की सबसे बड़ी वजह

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत में डिजिटल पेमेंट का सबसे बड़ा जरिया बन चुके यूपीआई को लेकर बड़ा संकेत मिला है। ज्यादातर यूजर्स इसे मुफ्त रखना चाहते हैं और किसी भी तरह का चार्ज लागू होने पर इसका इस्तेमाल बंद करने की चेतावनी दे रहे हैं। भारत में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) की लोकप्रियता के बीच एक बड़ा उपभोक्ता रुझान सामने आया है। एक सर्वे के मुताबिक करीब 75 प्रतिशत यूजर्स यूपीआई पर किसी भी तरह का चार्ज लगाने के खिलाफ हैं। इतना ही नहीं, तीन में से दो लोगों ने साफ कहा कि अगर ट्रांजेक्शन पर शुल्क लगाया गया तो वे इसका इस्तेमाल छोड़ देंगे। यह सर्वे देश के 376 जिलों में 39,000 से अधिक लोगों की राय पर आधारित है, जिसे यूपीआई चार्जिंग पर अब तक का सबसे बड़ा कंज्यूमर ओपिनियन सर्वे माना जा रहा है।

केवल 25 प्रतिशत यूजर्स ही ऐसे हैं जो किसी प्रकार का शुल्क देने को तैयार हैं, लेकिन उनके बीच भी फिक्स्ड फीस, प्रतिशत आधारित या मिश्रित मॉडल को लेकर एकमत नहीं है। यूपीआई की बढ़ती पहुंच का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि वित्त वर्ष 2026 में 240 अरब से अधिक ट्रांजेक्शन इसके जरिए हुए, जिनकी कुल वैल्यू 314 ट्रिलियन रुपये से ज्यादा रही। हालांकि, इतने बड़े स्तर के बावजूद बैंक और पेमेंट कंपनियां इससे मुनाफा नहीं कमा पा रही हैं। बैंकों का कहना है कि यूपीआई पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट न होने के कारण उन्हें केवल लागत उठानी पड़ रही है। ऐसे में बढ़ते इंफ्रास्ट्रक्चर खर्च के चलते सिस्टम पर दबाव बढ़ता जा रहा है। सर्वे में यह भी सामने आया कि 57 प्रतिशत यूजर्स को बीते एक साल में कम से कम एक बार दुकानदारों द्वारा यूपीआई पेमेंट लेने से मना किया गया। विशेषज्ञों का मानना है कि मुफ्त मॉडल और बढ़ती लागत के बीच संतुलन बनाना अब सबसे बड़ी चुनौती बन गया है।

पश्चिम एशिया तनाव के बीच तेल-तिलहन बाजार में गिरावट, अधिकांश भाव कमजोर

विदेशी बाजारों में कमजोरी और मांग में सुस्ती ने भी कीमतों को निचले स्तर तक पहुंचाया

नई दिल्ली (ईएमएस)। पश्चिम एशिया में जारी तनाव और वैश्विक बाजारों में उतार-चढ़ाव का असर भारतीय तेल-तिलहन बाजार पर साफ दिखाई दिया। बीते सप्ताह घरेलू बाजार में अधिकांश प्रमुख तेलों और तिलहनों के दाम गिरावट के साथ बंद हुए। विदेशी बाजारों में कमजोरी और मांग में सुस्ती ने भी कीमतों को नीचे धकेला। हालांकि कुछ उत्पादों की आवक सीमित रहने से गिरावट अपेक्षाकृत नियंत्रित रही। कुल मिलाकर बाजार में अस्थिरता का माहौल बना रहा। बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन बाजार में सरसों, सोयाबीन, मूंगफली तेल-तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ), पामोलीन और बिनौला तेल के भाव गिरावट के साथ बंद हुए। केवल सोयाबीन दाना स्थिर रहा। बाजार सूत्रों के अनुसार, पश्चिम एशिया में तनाव के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार कमजोर रहे, जिसका सीधा असर घरेलू कारोबार पर पड़ा। सरसों की अच्छी पैदावार के बावजूद कीमतों में भारी गिरावट नहीं आई, क्योंकि किसान धीरे-धीरे माल बेच रहे हैं। सोयाबीन की आवक कम रही, लेकिन वैश्विक दबाव से कीमतें कमजोर रहीं। आयातित तेलों की तुलना में सरसों तेल अब भी 18-20 रुपये प्रति किलो सस्ता है। मूंगफली और बिनौला तेल भी कमजोर मांग और विदेशी बाजारों की गिरावट के चलते नीचे आए। विशेषज्ञों ने बाजार और नीतियों में स्थिरता की आवश्यकता बताई है। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 25 रुपये की गिरावट के साथ 6,900-6,925 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दादरी मंडी में बिकने वाला सरसों तेल 225 रुपये की गिरावट के साथ 14,500 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 25-25 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 2,415-2,515 रुपये और 2,415-2,560 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाना स्थिर रहा जबकि सोयाबीन लूज का थोक भाव 25 रुपये की गिरावट के साथ 5,450-5,525 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी प्रकार दिल्ली में सोयाबीन तेल 425 रुपये की गिरावट के साथ 16,400 रुपये प्रति क्विंटल, इंदौर में सोयाबीन तेल 275 रुपये की गिरावट के साथ 15,950 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल का दाम 175 रुपये की गिरावट के साथ 13,300 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। मूंगफली तिलहन का दाम 250 रुपये की गिरावट के साथ 7,050-7,525 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 650 रुपये की गिरावट के साथ 17,000 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 100 रुपये की गिरावट के साथ 2,685-2,985 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सीपीओ तेल का दाम 375 रुपये की गिरावट के साथ 13,350 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलीन दिल्ली का भाव 275 रुपये टूटकर 15,400 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव भी 425 रुपये की गिरावट के साथ 14,200 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। गिरावट के आम रुख के अनुरूप, बिनौला तेल का दाम 350 रुपये के नुकसान के साथ 15,100 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

मई के दूसरे सप्ताह में लागू हो सकता है एफटीए: अधिकारी

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) मई के दूसरे सप्ताह से लागू होने की संभावना जताई जा रही है। यह बात एक अधिकारी ने बताई है। इस समझौते पर पिछले साल जुलाई में हस्ताक्षर किए गए थे। वृहद आर्थिक और व्यापार करार (सीईटीए) पर हस्ताक्षर किए थे, जिसके तहत 99 प्रतिशत भारतीय निर्यात शून्य शुल्क पर ब्रिटेन के बाजार में जाएगा। वहीं भारत कार और शराब जैसे ब्रिटिश उत्पादों पर शुल्क दरें घटाएगा। अधिकारी ने कहा कि हमें उम्मीद है कि यह समझौता मई के दूसरे सप्ताह से लागू हो जाएगा। दोनों देशों ने दोहरा योगदान संधि (डीसीसी) करार पर भी हस्ताक्षर किए हैं। इससे दोनों देशों के अस्थायी कर्मियों को सामाजिक शुल्क को दो बार नहीं देना पड़ेगा। अधिकारी ने बताया कि दोनों समझौतों को एक साथ लागू किए जाने की संभावना है। सीईटीए का लक्ष्य 2030 तक दोनों अर्थव्यवस्थाओं के बीच व्यापार को दोगुना कर 56 अरब डॉलर तक पहुंचाना है। समझौते के तहत भारत ने चॉकलेट, बिस्कुट और कॉस्मेटिक्स सहित कई उपभोक्ता उत्पादों के लिए अपना बाजार खोल दिया है। वहीं उसे ब्रिटेन में कपड़ा, जूते-चप्पल, रत्न एवं आभूषण, खेल के सामान और खिलौनों जैसे क्षेत्रों के लिए अधिक बाजार पहुंच मिलेगी। इस समझौते के तहत, स्कॉच व्हिस्की पर शुल्क तुरंत 150 प्रतिशत से घटाकर 75 प्रतिशत कर दिया जाएगा, और 2035 तक इसे और घटाकर 40 प्रतिशत कर दिया जाएगा। वाहनों पर भारत धीरे-धीरे उदार कोटा प्रणाली के तहत, पांच साल में आयात शुल्क को घटाकर 10 प्रतिशत कर देगा, जो अभी 110 प्रतिशत तक है। इसके एवज में भारतीय विनिर्माताओं को इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड वाहनों के लिए ब्रिटेन के बाजार में पहुंच मिलेगी।

भारतीय बाजार से विदेशी निवेशकों ने 40 दिनों में निकाले 1.66 लाख करोड़

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय शेयर बाजार में विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की लगातार बिकवाली ने चिंता बढ़ा दी है। पिछले कुछ हफ्तों में भारी पूंजी निकासी से बाजार पर दबाव बना हुआ है, हालांकि घरेलू निवेशकों का समर्थन कुछ राहत दे रहा है। भारतीय शेयर बाजार में विदेशी संस्थागत निवेशकों की बेरुखी लगातार जारी है। पिछले करीब 40 दिनों में एफआईआई ने 1.66 लाख करोड़ रुपये से अधिक की भारी निकासी की है, जो निवेशकों के घटते भरोसे का संकेत मानी जा रही है। अप्रैल 2024 में अब तक 48,213 करोड़ रुपये की बिकवाली हो चुकी है, जबकि पूरे साल में यह आंकड़ा 1.79 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा पहुंच गया है।

पश्चिम एशिया में 'युद्धविराम' से लग्जरी कार बाजार में तेजी की उम्मीद

बड़ी कार कंपनियों ने कहा- खरीदार लौटेंगे, सप्लाई चेन में सुधार संभव

नई दिल्ली (ईएमएस)। पश्चिम एशिया में संघर्ष के बाद घोषित युद्धविराम से भारत के लग्जरी कार बाजार में सकारात्मक माहौल बनने की उम्मीद बढ़ गई है। उद्योग से जुड़े शीर्ष अधिकारियों का मानना है कि इससे उपभोक्ता धारणा में सुधार होगा और महंगी कारों की बिक्री फिर रफ्तार पकड़ सकती है। देश में बीएमडब्ल्यू ग्रुप, मर्सिडिज बेंज और आडी जैसी कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों ने कहा है कि युद्धविराम के बाद बाजार में अनिश्चितता कम होगी और ग्राहक फिर से शोरूम की ओर लौट सकते हैं। उन्होंने कहा कि युद्धविराम समय पर हुआ है और यह ग्राहकों के निर्णय के लिए बेहद महत्वपूर्ण था। उन्होंने बताया कि कई ग्राहकों ने पहली तिमाही में खरीद टाल दी थी, लेकिन स्थिति सुधरने पर वे वापस खरीदारी कर सकते हैं। मार्च में कंपनी को अब तक के सबसे मजबूत ऑर्डर मिले थे, लेकिन कई डिलीवरी आगे बढ़ा दी गई हैं, रद्द नहीं की गई हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि अप्रैल और आने वाले महीने बेहतर रहेंगे। बलबीर सिंह ढिल्लों ने कहा कि युद्धविराम से अनिश्चितता कम होगी और उपभोक्ताओं में खर्च करने की इच्छा बढ़ेगी। उनके अनुसार, कई ग्राहक व्यवसाय से जुड़े हैं और वैश्विक घटनाओं का सीधा असर उनकी निर्णय क्षमता पर पड़ता है। अधिकारियों ने यह भी बताया कि भू-राजनीतिक तनाव के दौरान कलपुर्जों और किट की आपूर्ति प्रभावित हुई थी, लेकिन कंपनियों ने पहले से बफर स्टॉक तैयार कर रखा था।

सेंसेक्स की शीर्ष आठ कंपनियों का मार्केट कैप 4.13 लाख करोड़ बढ़ा

मुंबई (ईएमएस)। बीते सप्ताह सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से आठ के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 4,13,003.23 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। सबसे अधिक लाभ एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक को हुआ। बाजार के जानकारों ने कहा कि अमेरिका-ईरान के बीच अस्थायी युद्धविराम को लेकर बाजार की धारणा मजबूत बनी रही। सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), आईसीआईसीआई बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो और हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार मूल्यांकन में बढ़ोतरी हुई। वहीं रिलायंस इंडस्ट्रीज़ और इन्फोसिस की बाजार हैसियत घट गई।समीक्षाधीन सप्ताह में एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 91,282.67 करोड़ रुपये बढ़कर 12,47,478.57 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। आईसीआईसीआई बैंक का मूल्यांकन 76,036.36 करोड़ रुपये बढ़कर 9,46,741.85 करोड़ रुपये हो गया।बजाज फाइनेंस की बाजार हैसियत 60,980.35 करोड़ रुपये बढ़कर 5,75,206.47 करोड़ रुपये हो गई। लार्सन एंड टुब्रो का मूल्यांकन 47,624.97 करोड़ रुपये बढ़कर 5,44,736.59 करोड़ रुपये रहा, जबकि भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण 45,873.43 करोड़ रुपये बढ़कर 10,66,293.69 करोड़ रुपये हो गया। एसबीआई का बाजार पूंजीकरण 43,614.67 करोड़ रुपये बढ़कर 9,84,629.98 करोड़ रुपये हो गया। टीसीएस का मूल्यांकन 26,303.49 करोड़ रुपये बढ़कर 9,13,331.92 करोड़ रुपये रहा। हिंदुस्तान यूनिलीवर का मूल्यांकन 21,287.29 करोड़ रुपये बढ़कर 5,06,477.89 करोड़ रुपये हो गया।इस रुख के उलट इन्फोसिस का बाजार पूंजीकरण 3,285.03 करोड़ रुपये घटकर 5,24,124.40 करोड़ रुपये रह गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज की बाजार हैसियत 947.28 करोड़ रुपये घटकर 18,27,086.79 करोड़ रुपये पर आ गई। शीर्ष 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही।

444 दिनों की एफडी पर सरकारी बैंकों में मिल रहा 6.6 फीसदी तक ब्याज

कम अवधि में सुरक्षित और तय रिटर्न का विकल्प

नई दिल्ली (ईएमएस)। सुरक्षित निवेश और स्थिर रिटर्न की तलाश करने वाले निवेशकों के लिए 444 दिनों की फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) स्कीम तेजी से लोकप्रिय हो रही है। सरकारी बैंक इस अवधि पर आकर्षक ब्याज दरें ऑफर कर रहे हैं। बैंक एफडी लंबे समय से सुरक्षित निवेश का भरोसेमंद विकल्प रही है, और अब 444 दिनों की अवधि निवेशकों के बीच खासा लोकप्रिय हो रही है। मौजूदा समय में सरकारी बैंक इस अवधि पर करीब 6.10 से 6.60 फीसदी तक ब्याज दर दे रहे हैं, जो कम अवधि में स्थिर रिटर्न चाहने वालों के लिए आकर्षक माना जा रहा है। प्रमुख बैंकों की बात करें तो बैंक आफ बड़ौदा 444 दिनों की एफडी पर लगभग 6.45 फीसदी रहा है। वहीं स्टेट बैंक आफश् इंडिया (एसबीआई) इस अवधि पर 6.45 फीसदी के आसपास रिटर्न ऑफर कर रहा है। पंजाब नेशनल बैंक और यूनियन बैंक आफ इंडिया भी करीब 6.60 फीसदी तक की दरें दे रहे हैं। इसके अलावा इंडियन बैंक और इंडियन ओवरसीज बैंक इस कैटेगरी में भी 6.60 फीसदी तक ब्याज दर ऑफर कर रहे हैं। अलग-अलग बैंकों में ब्याज दरों में थोड़ा अंतर जरूर है, इसलिए निवेशकों को अपनी जरूरत और रिटर्न के हिसाब से सही विकल्प चुनना चाहिए। ब्याज दरों में उतार-चढ़ाव के बीच 444 दिनों की एफडी उन निवेशकों के लिए बेहतर विकल्प बनकर उभरी है, जो बिना जोखिम के निश्चित कमाई चाहते हैं। हालांकि, निवेश से पहले ब्याज दर, समय अवधि और अन्य शर्तों की तुलना करना जरूरी है, ताकि बेहतर रिटर्न सुनिश्चित किया जा सके।

पश्चिम एशिया संकट बना भारत के ऊर्जा सुधार का अवसर: अर्थशास्त्री

उद्योगों के लिए सस्ती बिजली और सब्सिडी सुधार पर जोर, रोजगार सृजन को बताया प्राथमिकता

मुंबई (ईएमएस)। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच ऊर्जा कीमतों में अस्थिरता भारत के लिए चुनौती ही नहीं बल्कि नीति सुधार का बड़ा अवसर भी है। एक वरिष्ठ अर्थशास्त्री का मानना है कि यह समय देश में बिजली मूल्य निर्धारण को संतुलित करने और उद्योगों के लिए लागत घटाने का सही मौका है। उन्होंने एक कार्यक्रम में कहा कि भारत में ऊर्जा उपयोग का ढांचा असंतुलित है। उनके अनुसार घरेलू उपभोक्ताओं और किसानों को अपेक्षाकृत सस्ती बिजली मिलती है, जबकि उद्योग और वाणिज्यिक क्षेत्र को दुनिया में सबसे महंगी बिजली दरों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि यही असंतुलन भारत की औद्योगिक प्रतिस्पर्धा को प्रभावित करता है और रोजगार सृजन की गति को धीमा करता है। मिश्रा ने जोर देकर कहा कि यदि देश को तेज आर्थिक विकास की दिशा में आगे बढ़ना है तो उद्योगों को सस्ती और स्थिर बिजली उपलब्ध कराना आवश्यक है। उन्होंने सुझाव दिया कि सरकार को ऊर्जा सब्सिडी प्रणाली को अधिक लक्षित बनाना चाहिए। उनका कहना था कि लोगों को मुफ्त या अत्यधिक रियायती बिजली देने के बजाय उन्हें बिजली की वास्तविक लागत वहन करने में सक्षम बनाया जाए, ताकि संसाधनों का बेहतर उपयोग हो सके। उन्होंने यह भी कहा कि वर्तमान वैश्विक परिस्थितियां, विशेषकर पश्चिम एशिया में चल रहा संघर्ष, भारत के लिए ऊर्जा मूल्य निर्धारण में सुधार करने का एक बड़ा अवसर है।

एनसीएलएटी का फैसला, रियल एस्टेट दिवाला प्रक्रिया अब सिर्फ संबंधित प्रोजेक्ट तक सीमित

किसी एक प्रोजेक्ट की चूक पर पूरी कंपनी नहीं, सिर्फ उसी परियोजना पर चलेगी दिवाला कार्यवाही

नई दिल्ली (ईएमएस)। राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने रियल एस्टेट सेक्टर से जुड़े एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि कॉरपोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया (सीआईआरपी) केवल उसी परियोजना तक सीमित रहेगी, जिसमें डिफॉल्ट हुआ है। यह प्रक्रिया किसी भी स्थिति में कंपनी की अन्य परियोजनाओं तक नहीं बढ़ाई जाएगी। एनसीएलटी ने अपने एक अहम फैसले में रियल एस्टेट कंपनियों के लिए दिवाला प्रक्रिया को लेकर बड़ा स्पष्टिकरण दिया है। न्यायाधिकरण ने कहा कि यदि किसी रियल

एस्टेट कंपनी की किसी विशेष परियोजना में चूक (डिफॉल्ट) होती है, तो उसके खिलाफ शुरू की गई कॉरपोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया (सीआईआरपी) केवल उसी परियोजना तक सीमित रहनी चाहिए, न कि पूरी कंपनी या उसकी अन्य परियोजनाओं तक फैलाई जानी चाहिए। एनसीएलएटी की दो सदस्यीय पीठ ने कहा कि परियोजना-आधारित दिवाला प्रक्रिया घर खरीदारों और अन्य हितधारकों के हित में अधिक न्यायसंगत है। अदालत ने स्पष्ट किया कि किसी एक प्रोजेक्ट की वित्तीय समस्या का असर अन्य बिना विवाद वाली परियोजनाओं पर नहीं पड़ना चाहिए। यह फैसला नवीन एम रहेजा की अपील पर सुनाया गया है और इसका सीधा संबंध रियल एस्टेट कंपनी रहेजार डेवलपर्स की परियोजनाओं से जुड़ा है। न्यायाधिकरण ने पहले भी एक आदेश में कहा था कि रहेजा शिलास परियोजना तक ही सीआईआरपी सीमित रहेगी। इसी सिद्धांत को आगे बढ़ाते हुए अब कृष्णा हाउसिंग स्कीम को भी अलग परियोजना के रूप में दिवाला प्रक्रिया के दायरे में रखा गया है।

एनसीएलएटी ने समाधान पेशेवर को निर्देश दिया है कि वह केवल संबंधित परियोजना के हितधारकों से ही दावे आमंत्रित करे और 14 दिनों के भीतर प्रक्रिया पूरी करे। न्यायाधिकरण के अनुसार, यह व्यवस्था न केवल घर खरीदारों के हितों की रक्षा करती है, बल्कि रियल एस्टेट सेक्टर में दिवाला मामलों को अधिक व्यावहारिक और संतुलित बनाती है।

तिमाही नतीजे, महंगाई के आंकड़े और लाभांश घोषणाओं से बाजार की दिशा तय होगी

तिमाही नतीजे, महंगाई के आंकड़े और लाभांश घोषणाओं से बाजार की दिशा तय होगी - शेयर बाजार की सबसे ज्यादा नजर बैंकिंग और सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र पर रहेगी

मुंबई (ईएमएस)। अमेरिका और ईरान के बीच अस्थायी युद्ध विराम और शांति वार्ता की उम्मीदों से पिछले सप्ताह मजबूत तेजी दिखाने के बाद भारतीय शेयर बाजार अब एक बेहद अहम सप्ताह में प्रवेश कर रहा है। 12 से 17 अप्रैल के बीच निवेशकों की नजर वैश्विक घटनाक्रम के साथ-साथ घरेलू आर्थिक आंकड़ों, कंपनियों के तिमाही नतीजों और लाभांश घोषणाओं पर रहेगी। यह सप्ताह बाजार के लिए निर्णायक माना जा रहा है, क्योंकि बैंकिंग और सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की दिग्गज कंपनियां अपने परिणाम जारी करने वाली हैं। इस सप्ताह 25 से अधिक कंपनियां अपने चौथी तिमाही और वित्त वर्ष 2026 के नतीजे घोषित करेंगी। इसके साथ ही 8 से अधिक कंपनियों के बोर्ड अंतरिम और अंतिम लाभांश पर भी निर्णय लेंगे। बाजार की सबसे ज्यादा नजर बैंकिंग और सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र पर रहेगी। एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, विप्रो और यश बैंक जैसी बड़ी कंपनियों के नतीजे बाजार की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाएंगे। वहीं क्रिसिल और जस्ट डायल के परिणाम भी निवेशकों की नजर में रहेंगे। 13 अप्रैल को आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एसेट मैनेजमेंट और जस्ट डायल अपने नतीजे जारी करेंगे, जबकि 14 अप्रैल को आनंद राठी शेयर एंड स्टॉक ब्रोकर्स और नुवोको विस्टास कॉर्पोरेशन जैसे कंपनियों के परिणाम आएंगे। 15 अप्रैल को आईसीआईसीआई लोम्बार्ड और एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज के नतीजे घोषित होंगे। 16 अप्रैल को विप्रो अपने चौथी तिमाही के परिणाम जारी करेगी और साथ ही शेयर पुनर्खरीद पर भी विचार कर सकती है, जिससे सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में हलचल संभव है। लाभांश से जुड़ी गतिविधियों में मुथुट फायनेंस प्रमुख है, जिसने 30 रुपये प्रति शेयर का अंतरिम लाभांश घोषित किया है। 17 अप्रैल को यह एक्स-लाभांश ट्रेड करेगी। इसके अलावा 18 अप्रैल को बैंकिंग क्षेत्र की बड़ी कंपनियां जैसे एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और यस बैंक अपने ऑडिटेड नतीजे घोषित करेंगी, जिन पर पूरे बाजार की नजर रहेगी। कुल मिलाकर यह सप्ताह घरेलू और वैश्विक दोनों मोर्चों पर अत्यंत महत्वपूर्ण रहेगा। महंगाई के आंकड़े, वैश्विक तनाव में बदलाव और कॉरपोरेट नतीजे मिलकर भारतीय शेयर बाजार की अगली दिशा तय करेंगे।

टीसीएस की भर्ती योजना: 2026-27 में 25,000 फ्रेशर्स को नौकरी देने की घोषणा

बाजार की मांग पर आगे और भर्तियों के संकेत, अनुभवी कर्मचारियों की भर्ती फिलहाल सीमित

मुंबई (ईएमएस)। देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 25,000 नए स्नातकों को नौकरी देने की घोषणा की है। कंपनी ने स्पष्ट किया है कि आगे की भर्ती वैश्विक बाजार की मांग पर निर्भर करेगी। टीसीएस के एक मुख्य कार्यकारी ने साक्षात्कार में बताया कि कंपनी लगातार बड़े पैमाने पर फ्रेशर्स की भर्ती कर रही है, लेकिन भविष्य की रणनीति पूरी तरह बिजनेस डिमांड पर आधारित होगी। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी ने लगभग 44,000 फ्रेशर्स को नौकरी दी थी, जो हाल के वर्षों में सबसे अधिक है। पिछले तीन वर्षों से टीसीएस हर साल 40,000 से अधिक नए कर्मचारियों की भर्ती करती आ रही है। हालांकि, 2026-27 के लिए यह संख्या घटकर 25,000 निर्धारित की गई है, लेकिन जरूरत पड़ने पर इसे बढ़ाया जा सकता है। कंपनी ने यह भी स्पष्ट किया कि फिलहाल अनुभवी कर्मचारियों की भर्ती बढ़ाने की कोई योजना नहीं है। नए फ्रेशर्स को प्रोजेक्ट्स में शामिल करने से पहले लगभग नौ महीने का प्रशिक्षण दिया जाता है, जबकि अनुभवी कर्मचारी तुरंत कार्य शुरू कर सकते हैं। हाल ही में लगभग 12,000 कर्मचारियों की छंटनी को लेकर उठे सवालों पर कंपनी ने कहा कि इसका आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से सीधा संबंध नहीं है, बल्कि प्रोजेक्ट डिलीवरी मॉडल में बदलाव इसका कारण रहा है।

संक्षिप्त खबरें

इराक में खत्म हुआ लंबा राजनीतिक गतिरोध निजार अमेदी बने देश के नए राष्ट्रपति

बगदाद(ईएमएस)। इराकी संसद ने राजधानी बगदाद में एक अहम मतदान के बाद पूर्व पर्यावरण मंत्री निजार अमेदी को देश का नया राष्ट्रपति चुन लिया है। संसद के अध्यक्ष हैबत अल-हल्बूसी ने रनऑफ मतदान में अमेदी को 227 वोट मिलने के बाद आधिकारिक विजेता घोषित किया। घोषणा के तुरंत बाद नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ने संवैधानिक रूप से पद की शपथ ली। इस महत्वपूर्ण सत्र में 329 सदस्यों वाली संसद के करीब 250 सांसद मौजूद थे। राष्ट्रपति चुनाव के लिए कम से कम 220 सांसदों की मौजूदगी जरूरी थी, इसलिए यह संख्या तय कोरम से अधिक थी। पैट्रियॉटिक यूनियन ऑफ कुर्दिस्तान (पीयूके) के उम्मीदवार अमेदी को पहले दौर में 208 वोट मिले। उनके मुकाबले में खड़े कुर्दिस्तान इस्लामिक यूनियन के मुथन्ना अमीन को 17 और मौजूदा विदेश मंत्री फुआद हुसैन को 16 वोट मिले। पहले दौर में किसी भी उम्मीदवार को दो-तिहाई बहुमत नहीं मिला, इसलिए मुकाबला अमेदी और अमीन के बीच दूसरे दौर में चला गया।

तुर्किये में नेतन्याहू समेत 35 लोगों पर केस, 4600 साल तक जेल की सजा की मांग

तेल अवीव(ईएमएस)। तुर्किये में इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू समेत 35 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। यह मामला गाजा जा रहे राहत मिशन पर कथित हमले से जुड़ा है। इस्तांबुल के मुख्य सरकारी वकील के दफ्तर ने आरोपपत्र दाखिल किया है, जिसमें सभी आरोपियों के लिए कड़ी सजा की मांग की गई है। इसमें उम्रकैद के साथ 1,102 साल से लेकर 4,596 साल तक की अतिरिक्त सजा की मांग शामिल है। आरोपों में मानवता के खिलाफ अपराध, नरसंहार, गैरकानूनी हिरासत, यातना और लूट जैसे गंभीर आरोप लगाए गए हैं। यह मामला पिछले साल सितंबर में हुई एक घटना से जुड़ा है, जब सुमुद फ्लोटिला नाम का एक राहत मिशन गाजा की ओर जा रहा था। इन जहाजों में खाने-पीने का सामान, दवाइयां और दूसरी जरूरी मदद भेजी जा रही थी। जांच के मुताबिक, जब यह फ्लोटिला अंतरराष्ट्रीय समुद्र में था, तब इजराइली नौसेना ने इसे रोक लिया। आरोप है कि सैनिक जहाजों पर चढ़ गए, वहां मौजूद कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया और जहाजों को आगे बढ़ने से रोक दिया। तुर्किये का कहना है कि यह कार्रवाई अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ थी, क्योंकि यह घटना अंतरराष्ट्रीय पानी में हुई थी और जहाज राहत सामग्री लेकर जा रहे थे। इसी वजह से इस पूरे मामले को गंभीर अपराध मानते हुए केस दर्ज किया गया है।

वेस्ट बैंक के तुलकरम में दो अलग-अलग हमलों में पांच लोगों की मौत

बैरूत,(ईएमएस)। मिडिल ईस्ट में तनाव के बीच इजराइली डिफेंस फोर्सेस ने एक बड़ी कार्रवाई का दावा किया है। इजराइली सेना ने ट्वीट कर जानकारी दी है कि उन्होंने लेबनान और वेस्ट बैंक के तुलकरेम में दो अलग-अलग ऑपरेशनों में आतंकी हमलों की बड़ी साजिशों को नाकाम कर दिया है। इस हमले में पांच लोगों की मौत हुई है। सेना का कहना है कि हमले के लिए तैयार खड़े रॉकेट लॉन्चर और बम बनाने वाली एक हाईटेक लैब को पूरी तरह तबाह कर दिया गया है। मीडिया रिपोर्ट में आईडीएफ के मुताबिक, दक्षिणी लेबनान के ज्वेया इलाके में एक रॉकेट लॉन्चर तैनात किया गया था। यह लॉन्चर इजराइल की तरफ रॉकेट दागने के लिए तैयार था, लेकिन इससे पहले कि हमला हो पाता, इजराइली सेना ने इसे ट्रैक किया और सटीक हमला कर मलबे में तब्दील कर दिया। इजराइली सेना का कहना है कि अगर वक्त रहते कार्रवाई नहीं होती, तो इजराइली नागरिक इलाकों में बड़ा नुकसान हो सकता था। दूसरी ओर वेस्ट बैंक के तुलकरेम इलाके में खुफिया जानकारी के आधार पर आईडीएफ ने एक बड़ी छापेमारी की। यहां सेना को विस्फोटक बनाने वाली एक गुप्त लैब मिली। इस लैब के अंदर जो सामान मिला, उससे सुरक्षा एजेंसियों के भी होश उड़ा दिए। लगभग 200 पाइप बम बरामद किए गए। गाड़ियों में धमाका करने के लिए तैयार किए गए फायर एक्सटिंग्विशर। गाड़ियों के नीचे लगाकर ब्लास्ट करने के लिए रखे गए बड़े गैस सिलेंडर। 50 किलो से ज्यादा विस्फोटक पाउडर और अन्य सामग्री।
इजरायली सेना का कहना है कि इस लैब में तैयार किए जा रहे बमों का इस्तेमाल जूडिया और सामरिया में ऑपरेशन कर रहे इजराइली सैनिकों के खिलाफ होना था। साथ ही इन विस्फोटकों के जरिए इजराइली नागरिकों को निशाना बनाकर बड़े आतंकी हमलों की प्लानिंग की गई थी। इस कार्रवाई के बाद पूरे इलाके में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है।

भले ही बातचीत बेनतीजा रही, संघर्ष-विराम समझौते का पालन होना चाहिए पाकिस्तान लगा रहा है गुहार

इस्लामाबाद,(ईएमएस)। पश्चिम एशिया में शांति की उम्मीदों को उस समय बड़ा झटका लगा, जब इस्लामाबाद में अमेरिका और ईरान के बीच हुई 21 घंटे की बातचीत बिना किसी नतीजे के खत्म हो गई। 40 दिनों के युद्ध और दो हफ्तों के संघर्ष-विराम के बाद शुरू हुई यह पहल विफल रही। ईरानी प्रतिनिधिमंडल भी स्वदेश लौट गया। इस प्रतिनिधिमंडल में ईरान की संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघर गालिबफ और विदेश मंत्री अब्बास अराघची शामिल थे। जेडी वेंस ने स्पष्ट किया कि ईरान ने वाशिंगटन की शर्तों को मानने से इनकार कर दिया है, जिसके कारण कोई समझौता नहीं हो सका।
वार्ता विफल होने के बावजूद ईरान ने कूटनीति के दरवाजे बंद नहीं किए हैं। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने कहा कि कूटनीति कभी खत्म नहीं होती। यह राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने का एक जरिया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि ईरान, पाकिस्तान और अन्य मित्र पड़ोसी देशों के साथ बातचीत का सिलसिला जारी रखेगा। मेजबान देश पाकिस्तान ने इस स्थिति पर चिंता जताई है। पाकिस्तानी विदेश मंत्री इशाक डार ने दोनों पक्षों से अपील की है कि भले ही बातचीत बेनतीजा रही हो, लेकिन दो सप्ताह के मौजूदा संघर्ष-विराम समझौते का पालन करना चाहिए। पाकिस्तान ने जोर दिया कि क्षेत्र में शांति बनाए रखने के लिए युद्धविराम का जारी रहना बेहद जरूरी है।

इस्लामाबाद में बातचीत फेल होना ईरान के लिए बुरा और भीषण हो सकती है जंग : वेंस

वाशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिका और ईरान के बीच चली वार्ता बेनतीजा रही है। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा कि इस्लामाबाद में बातचीत सफल नहीं रही। उन्होंने कहा कि ईरान ने उनकी बातों को मानने से इनकार कर दिया। इसके बाद ईरान जंग के और भी ज्यादा भयावह होने की आशंका है। वेंस ने कहा कि बातचीत का टूटना ईरान के लिए बुरा साबित हो सकता है। इन सब घटनाक्रमों के बीच एक और टेंशन वाली बात है। खुफिया रिपोर्ट में कहा गया है कि अब चीन ईरान का खुले तौर पर साथ देने पर विचार कर रहा है। यह रिपोर्ट अमेरिका और इजराइल के लिए कतई शुभ नहीं है। अमेरिकी मीडिया में दिए गए खुफिया आकलन से पता चलता है कि चीन ईरान के संघर्ष में ज्यादा सक्रिय भूमिका निभाने पर विचार कर रहा है। भले ही चीन एक बड़े युद्ध से बचना चाहता हो, लेकिन वह ईरान अमेरिका संघर्ष में अपनी सक्रियता बढ़ाना चाह रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिकी एजेंसियों ने ईरान को चीन के संभावित समर्थन की ओर इशारा करते हुए जानकारी इकट्ठा की है। हालांकि, अधिकारियों ने जोर देकर कहा कि यह इंटेलिजेंस पक्की नहीं है। फिर भी अमेरिकी अधिकारी बड़े जियोपॉलिटिकल दाव को देखते हुए चीन के शामिल होने की संभावना को भी अहम मानते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक माना जाता है कि चीन ने कुछ इंटेलिजेंस सपोर्ट भी दिया है, हालांकि इसकी जानकारी अभी कम है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है जब अमेरिका और ईरानी अधिकारी हफ्तों की लड़ाई के बाद एक नाजुक सीजफायर को स्थिर करने के लिए इस्लामाबाद में सीधी बातचीत कर रहे थे। अमेरिकी अधिकारी इस बात पर करीब से नजर रख रहे हैं कि क्या कोई बाहरी सपोर्ट बातचीत पर असर डाल सकता है या जमीनी स्तर पर संतुलन बदल सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि मिसाइल भेजने को लेकर चीन के अंदर चल रही बहस इन हितों के बीच तनाव को दिखाती है। साथ ही बीजिंग के पब्लिक रवैये ने संयम पर जोर दिया है। चीनी अधिकारियों ने एक न्यूट्रल प्लेयर के तौर पर अपनी इमेज बचाने की कोशिश की है, खासकर जब वे मिडिल ईस्ट में कूटनीतिक और आर्थिक जुड़ाव बढ़ा रहे हैं।

ट्रंप की चीन को चेतावनी! अगर ईरान को हथियार सप्लाई किए तो अंजाम बुरा होगा

-ईरान ने कहा- होर्मुज स्ट्रेट से कोई सैन्य जहाज नहीं गुजरने दिया जा रहा

वाशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को चीन को कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा है कि ईरान को हथियार भेजने की स्थिति में चीन के लिए बड़ी मुश्किलें खड़ी हो जाएगी जिसका बुरा अंजाम होगा। ट्रंप ने कहा है कि मौजूदा वक्त में अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत चल रही है, लेकिन उन्हें इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि ईरान के साथ कोई समझौता होता है या नहीं।
मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप ने कहा कि चाहे जो भी हो, जीत अमेरिका की ही होगी। इसके साथ ही उन्होंने जानकारी दी है कि ईरान ने पानी में कुछ समुद्री बारूद बिछाए हो सकते हैं, जिसके जवाब में अमेरिकी माइन स्वीपर्स वहां तैनात हैं और होर्मुज़ स्ट्रेट की सफाई कर रहे हैं। वहीं, ईरान ने कहा है कि होर्मुज स्ट्रेट से कोई सैन्य जहाज नहीं गुजरने दिया जा रहा है। अमेरिका का कोई शिप होर्मुज से नहीं गुजरा है।
मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप ने चीन के संभावित हस्तक्षेप को लेकर अपनी स्थिति साफ कर दी है। उन्होंने कहा कि चीन को बड़ी समस्याएं होने वाली हैं अगर वह ईरान को हथियारों की खेप भेजता है। अमेरिका इसे अपनी सुरक्षा और चल रही बातचीत के लिए एक बड़ी बाधा के रूप में देख रहा है। अमेरिका और ईरान के बीच चल रही इस्लामाबाद वार्ता और दो हफ़्ते की एक नाजुक सीज़फ़ायर डील होने के बावजूद कई लोगों को डर है कि यह जंग अभी खत्म होने से कोसों दूर है। अमेरिकी सेना और जंगी जहाज अभी भी ईरान के पास तैनात हैं। वहीं, तेहरान भी चुप नहीं बैठा है। रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी इंटेलिजेंस का मानना है कि ईरान को अगले कुछ हफ्तों में चीन से नए एयर डिफ़ेंस सिस्टम मिलने की संभावना है। हालांकि, चीन इस एक महीने लंबी जंग के दौरान ज़्यादातर चुप ही रहा है और उसने अपने सहयोगी ईरान को सीजफायर डील के लिए राजी करने में आखिरी मौके पर दखल भी दिया था, लेकिन चीन का ऐसा कोई भी कदम अमेरिका को उकसाने वाला लगेगा। इसका असर ट्रंप के अगले महीने चीन के बहुप्रतीक्षित दौरे पर भी पड़ेगा, जहां उन्हें शी जिनपिंग से बातचीत करनी है। हालांकि, चीन ने इस इंटेलिजेंस आकलन को गलत बताया है। वॉशिंगटन में चीनी दूतावास ने कहा कि चीन ने इस संघर्ष में शामिल किसी भी पक्ष को कभी हथियार नहीं दिए हैं। हम अमेरिका से गुजारिश करते हैं कि वह बेबुनियाद आरोप लगाने, जान-बूझकर गलत संबंध जोड़ने और सनसनी फैलाने से परहेज़ करे। हमें उम्मीद है कि संबंधित पक्ष तनाव कम करने में मदद के लिए और ज़्यादा कोशिश करेंगे। हालांकि, ईरान ने इस मामले में ज्यादा जानकारी नहीं दी है, लेकिन उसके इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने इस हमले के पीछे एक नए एडवांस डिफेंस सिस्टम का हाथ बताया है। यह पता नहीं है कि क्या यह कोई चीनी सिस्टम था। एक्सपर्ट्स ने पहले कहा है कि ईरान शायद चीनी एचक्यू-9बी का इस्तेमाल कर रहा हो, जो एक बहुत ही एडवांस लंबी दूरी की मिसाइल सिस्टम है। अप्रैल के पहले हफ़्ते में ट्रंप ने भी इशारा किया था कि ईरान के ऊपर मार गिराए गए एफ-15ई विमान को एक हाथ से दागी जाने वाली, गर्मी का पता लगाने वाली कंधे से दागी जाने वाली मिसाइल से निशाना बनाया गया था।
रिपोर्ट के मुताबिक अगर चीन हथियारों की आपूर्ति करता है, तो यह पहली बार नहीं होगा जब उसने युद्ध के दौरान ईरान की मदद की हो. मार्च की शुरुआत में चीन ने दो जहाज़ों को ईरान के लिए रवाना होने की अनुमति दी थी, जिनमें शायद सोडियम परक्लोरेट लदा हुआ था।

युंगाडा के आर्मी चीफ की तुर्किये से अजब-गजब मांग, देश की सबसे खूबसूरत महिला दो, शादी करूंगा

कम्पाला(ईएमएस)। युगांडा के आर्मी चीफ और राष्ट्रपति के बेटे मुहूजी कैनेरुगाबा ने तुर्किये से 9000 करोड़(1 अरब डॉलर) और देश की सबसे खूबसूरत महिला को अपनी पत्नी बनाने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि मांग पूरी नहीं हुई तो तुर्किये से कूटनीतिक संबंध खत्म कर दिए जाएंगे और तुर्किश एयरलाइन पर रोक लगाई जा सकती है। कैनेरुगाबा ने एक्स पर लिखा कि अगर तुर्किये ने हमारी समस्याओं का समाधान नहीं किया, तो 30 दिन में संबंध तोड़ दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि या तो वे भुगतान करें या हम उनका दूतावास बंद कर देंगे। उन्होंने युगांडावासियों को तुर्किये यात्रा से बचने की सलाह दी और इजराइल के समर्थन में 1 लाख सैनिक भेजने की पेशकश की। हालांकि, इस पर तुर्किये की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।

सोमालिया मिशन का हवाला देकर 1 अरब डॉलर मांगे

कैनेरुगाबा ने पोस्ट में तुर्किये पर आरोप लगाया कि उसने सोमालिया में इंफ्रास्ट्रक्चर, पोर्ट और एयरपोर्ट प्रोजेक्ट्स से फायदा उठाया, जबकि युगांडा ने अल-शबाब जैसे आतंकी संगठनों से लडऩे का बोझ उठाया। इसी आधार पर उन्होंने 1 अरब डॉलर की मांग की। हाल ही में भी कैनेरुगाबा ने सोशल मीडिया पर कई विवादित पोस्ट किए हैं। उन्होंने विपक्षी नेता बॉबी वाइन को लेकर सिर काटने जैसी धमकी दी, जिस पर काफी विवाद हुआ। हालांकि बाद में उन्होंने इसे मजाक बताया और माफी मांग ली। 50 साल के कैनेरुगाबा को पिता और राष्ट्रपति योवेरी मुसेवेनी का संभावित उत्तराधिकारी माना जाता है। हालांकि मुसेवेनी ने इससे इनकार किया है। हालांकि कई राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि वे धीरे-धीरे खुद को राजनीति में स्थापित कर रहे हैं और भविष्य में राष्ट्रपति पद की दावेदारी कर सकते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक युगांडा में मुसेवेनी 1986 से सत्ता में हैं, ऐसे में अगर बेटे को उत्तराधिकारी माना जाए तो यह संदेश जाता है कि सत्ता एक ही परिवार में ट्रांसफर हो रही है।

मेलोनी से शादी के बदले 100 गाय देने की पेशकश की थी

यह पहला मौका नहीं है जब उन्होंने इस तरह की मांग की हो। 2022 में उन्होंने इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी से शादी के बदले 100 गाय देने की पेशकश की थी। उस समय उन्होंने कहा था कि अगर इटली ने प्रस्ताव ठुकराया, तो रोम पर कब्जा करना पड़ेगा। इस बयान के बाद उनके पिता राष्ट्रपति मुसेवेनी को माफी मांगनी पड़ी थी। 2022 में उन्होंने केन्या पर हमला करने की धमकी भी दी थी। उन्होंने कहा था कि नैरोबी पर कब्जा करने में दो हफ्ते भी नहीं लगेंगे। इसके बाद उन्हें अस्थायी रूप से पद से हटा दिया गया था और सरकार को माफी मांगनी करनी पड़ी थी।

डोनाल्ड ट्रंप को कनाडाई पीएम मार्क कार्नी ने दिया बड़ा झटका

अमेरिकी कंपनियों को जाने वाला अरबों का रक्षा फंड रोका

ओटावा(ईएमएस)। कनाडा के नए प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने एक बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि अब तक कनाडा का सैन्य खर्च यानी रक्षा बजट का 70 फीसदी हिस्सा अमेरिका को जाता था, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। यह पैसा अब कनाडा में ही रहेगा और कनाडाई लोगों और कंपनियों पर खर्च होगा। प्रधानमंत्री कार्नी ने ऐलान किया है कि अब कनाडा बाई कैनेडियन यानी कनाडाई सामान खरीदो की नीति अपनाएगा। इसका मतलब है कि जब भी कनाडा की केंद्र सरकार कुछ खरीदेगी तो सबसे पहले कनाडाई कंपनियों और कनाडाई सप्लायर्स को मौका मिलेगा। अमेरिकी कंपनियों को अब वो फायदा नहीं मिलेगा जो पहले मिलता था।
यह फैसला अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और कनाडा के बीच चल रहे तनाव की वजह से लिया गया है। ट्रंप ने कनाडा पर कई तरह के टैरिफ यानी आयात शुल्क लगाए हैं और कनाडा को लेकर कई विवादित बयान दिए हैं। इसके जवाब में कनाडा के नए प्रधानमंत्री कार्नी ने यह दिखाना चाहा कि वो अपने देश के हितों की रक्षा के लिए कड़े फैसले ले सकते हैं। कार्नी ने अपने भाषण में कहा कि वो कनाडा के लोगों के साथ खड़े हैं और उनकी नई सरकार भी उनके साथ है। उन्होंने कहा कि अब कनाडा को मजबूत बनाने के लिए कनाडा का ही स्टील, कनाडा का ही एल्युमिनियम, कनाडा की ही लकड़ी और कनाडा के ही मजदूरों का इस्तेमाल होगा। यह एक तरह से अपने देश को पहले रखने का संदेश था। अमेरिका की बड़ी रक्षा कंपनियों को कनाडा से मिलने वाले करोड़ों डॉलर के ऑर्डर अब कम होंगे या बंद हो सकते हैं। कनाडा का रक्षा बजट छोटा नहीं है और उसका 70 फीसदी हिस्सा रोकना अमेरिकी कंपनियों के लिए बड़ा झटका है। जब कोई देश अपनी सेना के लिए हथियार, गाड़ियां, जहाज, मिसाइल या दूसरा सामान खरीदता है तो वो किसी कंपनी से खरीदता है। कनाडा अब तक अपने रक्षा बजट का बड़ा हिस्सा यानी हर 1 डॉलर में से 70 सेंट अमेरिकी कंपनियों को देता था। यानी अमेरिकी कंपनियां कनाडा की सेना के लिए सामान बनाती थीं और कनाडा उन्हें पैसे देता था।

अमेरिका-ईरान युद्धविराम पर नेतन्याहू का एर्दोगन पर तीखा हमला

इजरायल ने ईरान के खिलाफ संघर्ष जारी रखने की दोहराई प्रतिबद्धता

तेल अवीव,(ईएमएस)। मध्य पूर्व की राजनीति में एक बार फिर तनाव बढ़ता नजर आ रहा है। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने तुर्की के राष्ट्रपति रेचेप तैयप एर्दोगन पर तीखा हमला बोला है। यह प्रतिक्रिया अमेरिका और ईरान के बीच हाल ही में हुए युद्धविराम समझौते पर एर्दोगन की टिप्पणियों के बाद आई है।
नेतन्याहू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट करते हुए कहा, कि उनके नेतृत्व में इजरायल ईरान और उसके क्षेत्रीय सहयोगियों के खिलाफ अपनी कार्रवाई जारी रखेगा। उन्होंने एर्दोगन पर आरोप लगाते हुए कहा कि तुर्की ऐसे तत्वों को शरण देता है, जबकि इजरायल अपने राष्ट्रीय सुरक्षा हितों की रक्षा के लिए दृढ़ता से खड़ा है। साथ ही, उन्होंने एर्दोगन पर अपने ही कुर्द नागरिकों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने का भी आरोप लगाया। दरअसल, इस सप्ताह अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम पर सहमति बनी थी, जिसके बाद एर्दोगन ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को संभावित उकसावों और तोड़फोड़ को लेकर चेतावनी दी थी। उन्होंने आशंका जताई थी कि कुछ ताकतें इस समझौते को विफल करने की कोशिश कर सकती हैं, हालांकि उन्होंने किसी विशेष देश या संगठन का नाम नहीं लिया। इससे पहले नेतन्याहू ने दावा किया था कि अमेरिका और इजरायल के संयुक्त अभियान ने ईरान के परमाणु और बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रमों को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि इजरायल ऐसी स्थिति में पहुंच चुका है, जहां ईरान की कोई सक्रिय संवर्धन (एनरिचमेंट) सुविधा शेष नहीं है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह के बयानों से क्षेत्र में तनाव और बढ़ सकता है, खासकर ऐसे समय में जब कूटनीतिक स्तर पर शांति बहाल करने के प्रयास जारी हैं। तुर्की, इजरायल और ईरान के बीच बढ़ती बयानबाजी से मध्य पूर्व में अस्थिरता की आशंका बनी हुई है। फिलहाल, युद्धविराम के बावजूद क्षेत्रीय समीकरण तेजी से बदल रहे हैं और वैश्विक शक्तियों की नजर इस पूरे घटनाक्रम पर टिकी हुई है।

इस्लामाबाद बातचीत, संयुक्त राष्ट्र ने कूटनीतिक प्रयासों का किया स्वागत

इशाक डार बोले वार्ता में आगे भी पाकिस्तान निभाएगा भूमिका

इस्लामाबाद,(ईएमएस)।
इस्लामाबाद में अमेरिका और ईरान के बीच हुई महत्वपूर्ण वार्ता बिना किसी ठोस समझौते के समाप्त हो गई, लेकिन कूटनीतिक प्रयास अभी जारी हैं। पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने स्पष्ट किया कि उनका देश दोनों देशों के बीच मध्यस्थता की भूमिका आगे भी निभाता रहेगा। वहीं दूसरी तरफ संयुक्त राष्ट्र ने इस बेनतीजा बैठक का स्वागत करते हुए कूटनीतिक प्रयासों के लिए संतोष जताया है। आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में डार ने बताया कि उन्होंने और पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर ने अमेरिका और ईरान के बीच कई दौर की बातचीत कराने की कोशिश की। उन्होंने इसे "सार्थक प्रयास" बताते हुए कहा कि भले ही इस बार कोई समझौता नहीं हो सका, लेकिन संवाद की प्रक्रिया जारी रहना ही सकारात्मक संकेत है। डार ने उम्मीद जताई कि अमेरिका और ईरान दोनों ही क्षेत्रीय शांति और स्थिरता को ध्यान में रखते हुए सकारात्मक रुख अपनाएंगे। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान भविष्य में भी दोनों देशों के बीच संवाद को आगे बढ़ाने के लिए हरसंभव प्रयास करेगा, ताकि तनाव कम हो और कूटनीतिक समाधान की दिशा में प्रगति हो सके। इस बीच, संयुक्त राष्ट्र ने इस्लामाबाद में हुई इस वार्ता का स्वागत किया है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कहा कि यह एक महत्वपूर्ण कूटनीतिक अवसर है, जिसका लाभ दोनों पक्षों को उठाना चाहिए।
उन्होंने जोर देते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय विवादों के समाधान के लिए संवाद और कूटनीति ही सबसे प्रभावी और व्यवहारिक रास्ता है। दुजारिक ने दोनों देशों से अपील की कि वे सद्भावना के साथ बातचीत जारी रखें और एक व्यापक एवं स्थायी समझौते की दिशा में आगे बढ़ें।

अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता बेनतीजा, अधर में युद्धविराम का भविष्य

ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य, परमाणु कार्यक्रम पर रोक और कई अन्य मुद्दों पर अमेरिका की शर्तों को नहीं किया स्वीकार

इस्लामाबाद/तेहरान/वाशिंगटन(ईएमएस)।पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में अमेरिका और ईरान के बीच हुई महत्वपूर्ण बातचीत करीब 21 घंटे तक चलने के बाद बिना किसी ठोस समझौते के समाप्त हो गई। यह बातचीत 40 दिनों से जारी क्षेत्रीय तनाव और सैन्य टकराव के बीच बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही थी, लेकिन दोनों पक्ष किसी निष्कर्ष तक नहीं पहुंच सके। इस कूटनीतिक प्रयास के विफल होने के साथ ही पश्चिम एशिया में संकट गहराने की संभावना बढ़ गई है। शांति वार्ता असफल होने के बाद से अमेरिका-इस्राइल के एक बार फिर से आक्रामक रुख अपनाने की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता है। संभावना जताई जा रही है कि मिडिल ईस्ट में फिर जंग छिड़ेगी।
बैठक खत्म होने के बाद अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा कि बुरी खबर यह है कि हम किसी समझौते पर नहीं पहुंच पाए हैं। मुझे लगता है कि यह अमेरिका से ज्यादा ईरान के लिए बुरी खबर है। हम किसी समझौते पर नहीं पहुंच पाए हैं। हमने इसे जितना हो सके उतना स्पष्ट कर दिया है, लेकिन ईरान ने हमारी शर्तों को स्वीकार नहीं किया है। वहीं ईरानी प्रतिनिधिमंडल के करीबी एक सूत्र के हवाले से बताया कि अमेरिका ने संघर्ष के दौरान जो कुछ भी हासिल नहीं कर सका, वह सब कुछ मांगा। ईरान ने कई मोर्चों पर अमेरिका की शर्तों को मानने से इनकार कर दिया। तेहरान ने कहा कि ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य, परमाणु कार्यक्रम पर रोक और कई अन्य मुद्दों पर अमेरिका की शर्तों को स्वीकार नहीं किया।

वार्ता विफल होते ट्रंप ने दी धमकी

अमेरिका और ईरान के बीच फेल हुई शांति वार्ता के बाद ईरान ने अमेरिका के सामने झुकने से मना कर दिया है। ऐसे में सबकी निगाहें दोनों देशों के आने वाले कदम पर हैं। इस्लामाबाद में यूएस-ईरान बातचीत बिना किसी समझौते के खत्म होने के बाद अब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने ट्रुथ सोशल प्लेटफॉर्म पर एक आर्टिकल शेयर किया है। इस आर्टिकल में कहा गया है कि अगर ईरान स् की मांगें मानने से इनकार करता है, तो ट्रंप उस पर नौसैनिक नाकाबंदी लगा सकते हैं। ट्रंप ने आर्टिकल में बताया कि एक नौसैनिक नाकाबंदी है, इसमें कहा गया है कि इस नाकाबंदी से ईरान की अर्थव्यवस्था पूरी तरह ठप हो जाएगी और उसके सहयोगी देशों, चीन और भारत पर भी दबाव पड़ेगा। ट्रंप ने कहा कि ये ईरान से होने वाले तेल निर्यात पर निर्भर हैं। आर्टिकल में यह भी कहा गया है कि ट्रंप का यह कदम उनकी सफल नाकाबंदी रणनीति को दोहराने जैसा होगा। ट्रंप ने आर्टिकल में बताया कि इससे पहले जनवरी में वेनेजुएला के नेता निकोलस मादुरो को यूएस द्वारा पकड़े जाने से पहले एक नौसैनिक नाकाबंदी ने वेनेजुएला की अर्थव्यवस्था को घुटनों पर ला दिया था।

वर्ता में से मुद्दे बने अड़ंगा

अमेरिका-ईरान के बीच शांति वार्ता बिना किसी नतीजे पर खत्म होने की बड़ी वजह होर्मुज जलडमरूमध्य पर नियंत्रण का मुद्दा रहा। ईरान बैठक के दौरान होर्मुज पर अपना नियंत्रण बनाए रखने की मांग पर डटा रहा, जबकि अमेरिका की ओर से इसे पूरी तरह से खोलने की मांग की गई। दूसरी वजह परमाणु कार्यक्रम पर अमेरिका की ओर से रोक की मांग रही। ईरान ने इसे सिरे से खारिज कर दिया।

आईपीएल में आज होगा राजस्थान रॉयल्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच मुकाबला

हैदराबाद (ईएमएस)। आईपीएल 2026 में सोमवार को सनराइजर्स हैदराबाद का मुकाबला राजस्थान रॉयल्स से होगा। इस मैच में राजस्थान का लक्ष्य अपनी जीत के सिलसिले को बनाये रखना रहेगा। राजस्थान की टीम ने युवा रियान पराग की कप्तानी में अपने अब तक के सभी चारों मैच जीते हैं जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। वहीं दूसरी ओर, सनराइजर्स हैदराबाद का प्रदर्शन अब तक मिला-जुला रहा है। सनराइजर्स की कमजोरी इस बार भी गेंदबाजी रही है। यहां की पिच बल्लेबाजों के अनुरुप है और ऐसे में अगर सनराइजर्स की टीम टॉस जीतती है तो उसका लक्ष्य पहले बल्लेबाजी करते हुए बड़ा स्कोर बनाना रहेगा। इस सत्र में अब तक राजस्थान हावी रही है। ऐसे में इस मैच में भी उसका पलड़ा भारी है। आंकडों पर नजर डालें तो दोनो के बीच अब तक 21 मुकाबले हुए हैं जिसमें से सनराइजर्स से 12 जबकि रॉयल्स ने 9 जीते हैं।

गौरतलब है कि इन दोनों ही टीमों के बीच आखिरी आईपीएल मुकाबला पिछले सीजन हैदराबाद के मैदान पर ही खेला गया था जिसे मेजबान टीम ने 286 रन का स्कोर डिफेंड करके राजस्थान रॉयल्स से 44 रनों से जीता। बताते चलें कि इस मुकाबले में ईशान किशन ने महज़ 47 गेंदों पर नाबाद 106 रनों की तूफानी शतकीय पारी खेली थी। सनराइजर्स की बल्लेबाजी कप्तान ईशान किशन के अलावा अभिषेक शर्मा, ट्रैविस हेड पर आधारित रहेगी। वहीं रॉयल्स के पास यशस्वी जायसवाल, वैभव सूर्यवंशी के जैसे बल्लेबाजों के अलावा शिवम दुबे जैसा ऑलराउंडर है। गेंदबाजी में उसके पास जोफ्रा आर्चर, तुषार देशपांडे और रवि बिश्नोई हैं। सनराइजर्स के पस गेंदबाज के तौर पर ब्रायडन कार्स, जयदेव उनादकट जैसे गेंदबाज हैं। दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं।

सनराइजर्स हैदराबाद- ईशान किशन (कप्तान और विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, ट्रैविस हेड, प्रफुल्ल हिंगे, हेनरिक क्लासेन, लियाम लिविंगस्टोन, ईशान मलिंगा, कामिंदु मेंडिस, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षल पटेल, डेविड पायने, साकिब हुसैन, शिवम मावी, शिवांग कुमार, रविचंद्रन स्मरण, ओंकार तरमाले, जयदेव उनादकट, अनिकेत वर्मा, जीशान अंसारी, अमित कुमार, सलिल अरोड़ा, ब्रायडन कार्स, पैट कमिंस, हर्ष दुबे, क्रेन्स फुलेट्रा।

राजस्थान रॉयल्स- शिवम दुबे, वैभव सुर्यवंशी, डेवोन फरेरा, लुआन-ड्रे प्रिटोरियस, शिमरन हेटमायर, यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल, रियान पराग, युद्धवीर सिंह, रवींद्र जडेजा, सैम करन, जोफ्रा आर्चर, तुषार देशपांडे, क्वेना मफाका, संदीप शर्मा, नांद्रे बर्गर, रवि बिश्नोई सुशांत मिश्रा, यशराज पुंजा, विग्नेश पुथुर, रवि सिंह , अमन राव, बृजेश शर्मा, कुलदीप सेन और एडम मिलने।

ओवरटन को दिया जाना चाहिये था प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड : जाफर

चेन्नई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज वसीम जाफर का मानना है कि चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की दिल्ली कैपटल्स के खिलाफ जीत में तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर जेमी ओवरटन की भूमिका अधिक बड़ी थी। इसलिए संजू सैमसन की जगह पर जेमी ओवरटन को प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड दिया जाना चाहिये था। उन्होंने कहा कि ओवरटन की गेंदबाजी से ही मैच में बदलाव आया जिससे दिल्ली कैपिटल्स को हार का सामना करना पड़ा। इस मैच में सैमसन को 56 गेंदों पर नाबाद 115 रन बनाने के लिए प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड दिया गया जबकि बल्लेबाजों के लिए सहायक पिच पर ओवरटन ने केवल 18 रन देकर चार विकेट लेकर कैपिटल्स की बल्लेबाली को ढ़हा दिया था। इससे दिल्ली 189 रनों पर ही सिमट गयी। जाफर ने कहा, मैरा मानना है कि अवॉर्ड ओवरटन को मिलना चाहिए था। अगर उन्होंने घातक गेंदबाजी नहीं की होती तो सीएसके नहीं जीत पाती क्योंकि उन्होंने बहुत बड़े विकेट लिए। चार ओवर में सिर्फ 18 रन दिए जबकि लक्ष्य 210 रनों का था। इसलिए लगता है कि यही वह अंतर था जिससे कैपिटल्स उबर नहीं पायी। उन्होंने ये माना कि अगर सैमसन शतक नहीं लगाते तो टीम 200 से ऊपर नहीं पहुंच पाती पर कहा कि इस मैच में बल्लेबाजी आसान थी पर गेंदबाजी नहीं।

न्यूजीलैंड सीरीज के लिए बांग्लादेश टीम में स्थिरताः चयन पैनल का निरंतरता पर जोर

नई दिल्ली (ईएमएस)। न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सीरीज के पहले दो मैचों के लिए बांग्लादेश ने अपनी टीम में कोई बदलाव नहीं किया है। यह महत्वपूर्ण फैसला नए चयन पैनल द्वारा लिया गया है, जिसने पाकिस्तान के खिलाफ पिछली सीरीज में खेलने वाली टीम पर ही पूर्ण भरोसा जताते हुए निरंतरता बनाए रखने पर जोर दिया है। इस कदम को खिलाड़ियों को आत्मविश्वास देने और एक स्थिर टीम बनाने की दिशा में एक सकारात्मक संकेत के तौर पर देखा जा रहा है। चार सदस्यीय चयन समिति, जिसकी अगुवाई अनुभवी हबीबुल बशर सुमोन कर रहे हैं, ने अपनी चयन नीति स्पष्ट की है। पैनल का मानना है कि खिलाड़ियों को खुद को साबित करने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी जगह पक्की करने के लिए पर्याप्त मौके देना अत्यंत आवश्यक है। हबीबुल बशर ने इस फैसले पर रोशनी डालते हुए कहा, हमारी नीति है कि टीम में आने वाले खिलाड़ियों को पर्याप्त मौके दिए जाएं। हम निरंतरता में विश्वास रखते हैं, इसलिए इस सीरीज के लिए टीम में कोई बदलाव नहीं किया गया है। यह बयान टीम प्रबंधन की उस सोच को दर्शाता है, जिसमें तत्काल परिणाम की बजाय दीर्घकालिक योजना और खिलाड़ी विकास को प्राथमिकता दी गई है।इस नीति का एक प्रमुख उदाहरण सलामी बल्लेबाज सैफ हसन का टीम में बरकरार रहना है। सैफ ने पाकिस्तान के खिलाफ पिछली सीरीज में तीन मैचों में केवल 52 रन बनाए थे, जो उनकी फॉर्म पर सवाल उठा रहा था। इसके बावजूद, चयनकर्ताओं ने उन्हें और मौके देने का फैसला किया है। इस संदर्भ में चयनकर्ता ने कहा, हम उन्हें और मौके देना चाहते हैं। हम जल्दबाजी में कोई फैसला नहीं लेना चाहते और बार-बार टीम में बदलाव के पक्ष में नहीं हैं। यह दृष्टिकोण खिलाड़ियों के मन से असुरक्षा की भावना को कम करने और उन्हें अपनी स्वाभाविक खेल शैली को प्रदर्शित करने की स्वतंत्रता प्रदान करने में मदद करेगा। चयन पैनल का यह निर्णय बांग्लादेश क्रिकेट में एक नई दिशा का सूचक है, जहां स्थिरता और खिलाड़ियों के भरोसे पर विशेष ध्यान केंद्रित किया जा रहा है, ताकि वे दबाव मुक्त होकर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकें।

न्यूजीलैंड दौरे का कार्यक्रमः न्यूजीलैंड टीम सोमवार को बांग्लादेश पहुंचेगी। इस दौरे में 3 वनडे और 3 टी20 मैच खेले जाएंगे।पहला और दूसरा वनडेः 17 और 20 अप्रैल, ढाका, तीसरा वनडेः 23 अप्रैल, चट्टोग्राम, T20 सीरीजः 27, 29 अप्रैल और 2 मई,बांग्लादेश टीम (स्क्वाड) - लिटन दास, तंजीद हसन, सौम्य सरकार, सैफ हसन, नजमुल हुसैन शांतो, तौहीद हृदोय, महिदुल इस्लाम, अफीफ हुसैन, मेहदी हसन मिराज (कप्तान), रिशाद हुसैन, तानवीर इस्लाम, तस्कीन अहमद, नाहिद राणा, शोरीफुल इस्लाम, मुस्तफिजुर रहमान।

आयुष बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप के फाइनल में हारे, रजत पदक मिला

निंग्बो (ईएमएस)। भारत के आयुष शेट्टी को बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप 2026 के फाइनल में हार के साथ ही रजत पदक ही मिल पाया है। आयुष को विश्व के दूसरे नंबर-2 खिलाड़ी चीन के शि युकी ने सीधे गेम में 21-8, 21-10 से हराया। युवा भारतीय खिलाड़ी आयुष मैच में हावी नहीं हो पाये और चीनी खिलाड़ी युकी ने पूरे समय अपना दबदबा बनाये रखा। आयुष की हार के साथ ही बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में भारत का पुरुष एकल खिताब सपना फिर टूट गया है। इस टूर्नामेंट में आयुष का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा।। इस प्रतियोगिता के फाइनल में पहुंचने वाले आयुष अब तक के दूसरे भारतीय पुरुष एकल खिलाड़ी बने हैं। इससे पहले ये उपलब्धि दिनेश खन्ना ने साल 1965 में हासिल की थी।

गुजरात ने लखनऊ को सात विकेट से हराया

गिल-बटलर ने जड़े अर्धशतक

लखनऊ गुजरात टाइटंस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए लखनऊ सुपर जाएंट्स को सात विकेट से हराया। गुजरात के लिए शुभमन गिल और जोस बटलर ने अर्धशतक जड़े और अपनी टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

शुभमन गिल और जोस बटलर के अर्धशतकों की मदद से गुजरात टाइटंस ने लखनऊ सुपर जाएंट्स को सात विकेट से हराया। लखनऊ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में आठ विकेट पर 164 रन बनाए। जवाब में गुजरात ने 18.4 ओवर में तीन विकेट पर 165 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया। गुजरात के लिए बटलर ने 60 रन और गिल ने 56 रन बनाए। इन दोनों बल्लेबाजों ने दूसरे विकेट के लिए 84 रन जोड़कर जीत की नींव रखी।

गुजरात की आईपीएल 2026 में यह दूसरी जीत है। लखनऊ ने पिछले दो मैच जीते थे, लेकिन उसे घरेलू मैदान पर हार का सामना करना पड़ा। लखनऊ के लिए मोहम्मद शमी, प्रिंस यादव और दिग्वेश राठी को एक-एक विकेट मिला।

मोहम्मद शमी ने जोस बटलर को आउट कर गुजरात को तीसरा झटका दिया है। बटलर शानदार बल्लेबाजी कर रहे थे, लेकिन 37 गेंदों पर 11 चौकों की मदद से 60 रन बनाकर आउट हो गए। गुजरात टाइटंस को कप्तान गिल के रूप में दूसरा झटका लगा है। गिल 40 गेंदों पर छह चौकों और एक छक्के की मदद से 56 रन बनाकर आउट हो गए हैं। गिल और बटलर के बीच दूसरे विकेट के लिए 84 रनों की साझेदारी हुई। गिल के बाद जोस बटलर ने भी अर्धशतक जड़ दिया है। दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट के लिए अब तक 83 रनों की साझेदारी हो गई है। बटलर का यह 100वां टी20 अर्धशतक है। उन्होंने इस प्रारूप में 14000 रन भी पूरे कर लिए हैं। बटलर ने 468 पारियों में टी20 में 14000 रन पूरे किए।

गुजरात के कप्तान शुभमन गिल ने 33 गेंदों पर अर्धशतक जड़ दिया है। लखनऊ के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करते हुए गिल ने शानदार बल्लेबाजी की। गिल और बटलर के बीच दूसरे विकेट के लिए साझेदारी पनप रही है जिससे टीम का स्कोर 100 रन के पार पहुंच गया है।

दिग्वेश राठी ने साई सुदर्शन को आउट कर गुजरात को पहला झटका दिया। सुदर्शन और गिल के बीच अच्छी साझेदारी पनप रही थी, लेकिन राठी ने इस साझेदारी को तोड़ दिया। सुदर्शन 14 गेंदों पर तीन चौकों की मदद से 15 रन बनाकर आउट हुए।

पथिराना को मिला श्रीलंकाई बोर्ड से एनओसी, आईपीएल टीम केकेआर से जुड़ेंगे

14 अप्रैल को सीएसके के खिलाफ मैच में खेलना तय

कोलंबो (ईएमएस)। श्रीलंकाई तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना का आईपीएल में खेलने का रास्ता साफ हो गया है। पथिराना को फिटनेस टेस्ट में पास होने के बाद श्रीलंकाई बोर्ड ने आईपीएल खेलने की अनुमति दे दी है। ऐसे में पाथिराना शीघ्र ही अपनी आईपीएल टीम कोलकाता नाइटराइडर्स से जुड़ सकेंगे। अब तक इस सत्र में एक भी मैच नहीं जीती केकेआर को भी पाथिराना की वापसी से लाभ होगा। पाथिराना के आने से अपनी कमजोर गेंदबाजी के कारण परेशानी का शिकार हो रही केकेआर को राहत मिलेगी। पाथिराना

आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 के दौरान चोटिल हो गए थे, जिसके बाद से ही वह खेल से बाहर थे। अब उनकी वापसी से केकेआर का गेंदबाजी आक्रमण बेहतर होगा।

पथिराना 14 अप्रैल को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ मैच से अपने इस सत्र की शुरुआत कर सकते हैं। 14 अप्रैल को चेपॉक में होने वाले इस मुकाबले में उनके उतरने से सीएसके की मुश्किलें बढ़ जाएंगी। कोलकाता नाइट राइडर्स इस सत्र में खासकर डेथ ओवर्स में कमजोर नजर आई है। हर्षित राणा के बाहर होने और मुस्तफिजुर रहमान के रिलीज होने के बाद टीम का का गेंदबाजी आक्रामक काफी कमजोर रहा है। जिससे उसके प्रदर्शन पर भी विपरीत प्रभाव पड़ा है। पथिराना ने अपने यॉर्कर और डेथ ओवर में सटीक गेंदबाजी के लिए जाने जाते हैं।

कैंप नाउ में ला लिगा फुटबॉल में खेलते हुए एफ सी बार्सिलोना और इस्पेनोयल के खिलाड़ी ।

ऑस्ट्रिया में रुस की मिरा एंड्रीवा रोमानिया की इलीना के खिलाफ मुकाबले में खेलती हुई।

नितीश राणा और रुतुराज गायकवाड़ पर जुर्माना

चेन्नई (ईएमएस)। दिल्ली कैपिटल्स को यहां चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ मैच में दौहरा झटका लगा है। मैच में हार के बाद अब दिल्ली के बल्लेबाज नितीश राणा पर अंपायर के फैसले के खिलाफ का विरोध करने के लिए मैच फीस का 25 जुर्माना लगा है।

वहीं विजेता टीम सीएसके के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ पर भी धीमी ओवर गति के लिए जुर्माना लगा है। मैच के दौरान ग्लव्स बदलने को लकर राणा की चौथे अंपायर से काफी बहस हुई थी। यह मामला 19वें ओवर का है। उस समय अंपायर ने कैपिटल्स के बल्लेबाज ट्रिस्टन का कहना था कि उनके ग्लव्स पसीने से गीले हो गये

हैं, इसलिए वह इन्हें बदलना चाहते है। ऐसे में राणा भड़क गये और चौथे अंपायर से उनकी बहस शुरु हो गयी। इस कारण उनके खाते में एक नकारात्मक अंक भी दर्ज हुआ।

आईपीएल की ओर कहा गया कि बल्लेबाज राणा पर उनकी मैच फीस का 25 फीसदी जुर्माना लगाया गया है। इसके अलावा उनके नाम पर आचार संहिता के लेवल 1 के उल्लंघन के लिए एक नकारात्मक अंक भी दर्ज किया गया है।

उन्हें आईपीएल आचार संहिता के अनुच्छेद 2.3 के उल्लंघन का दोषी पाया गया। दूसरी ओर विजेता टीम सीएसके के कप्तान रुतुराज पर भी मैच में धीमी ओवर गति बनाए के लिए 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। ऐस में सीएसके की पहली जीत की खुशी कम हो गयी। यह सीजन में उनकी टीम का पहला अपराध था। इसलिए उनपर कम जुर्माना लगा है।

दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ शतक लगाने वाले सीएसके के दूसरे खिलाड़ी बने सैमसन

चेन्नई (ईएमएस)। संजू सैमसन के शानदार शतक से आंखिरकार चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) को आईपीएल में पहली जीत मिल ही गयी। सैमसन ने 52 गेंदों पर 102 रन बनाए। शुरुआती तीन मैचों में हार के बाद सीएसके ने दिल्ली कैपटल्स को हराया। इस मैच में सैमसन ने शतक के साथ ही एक अहम उपलब्धि भी अपने नाम की है। उन्होंने इसी के साथ ही लीग में अपना चौथा शतक लगाया है। ये आईपीएल कैरियर में सैमसन को चौथा शतक है। वहीं कैपिटलस के खिलाफ शतक लगाने वाले वह सीएसके के दूसरे खिलाड़ी हैं। इससे पहले साल 2012 में मुरली विजय ने दिल्ली के खिलाफ शतक लगाया था। सैमसन ने 52 गेंदों जबकि मुरली ने 58 गेंदों पर शतक लगाय था। इस प्रकार तेजी के मामले में सैमसन उनसे आगे हैं। सैमसन ने अपना पहला शतक पुणे में साल 2017 में राइजिंग पुणे सुपरजायंट के खिलाफ लगाया था। तब उन्होंने 63 गेंदों पर 102 रन बनाए थे। वहीं 2019 में सैमसन ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 55 गेंदों पर 102 रन बनाए जबकि पंजाब किंग्स के खिलाफ साल 2021 में वानखेड़े में 63 गेंदों पर 119 रन बनाए थे।

जब मैन ऑफ द मैच 9 रन बनाने वाला कप्तान बना

क्रिकेट इतिहास का अनूठा किस्सा

नई दिल्ली (ईएमएस)। क्रिकेट के मैदान पर अक्सर मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार उस खिलाड़ी को मिलता है, जो बल्ले या गेंद से धमाकेदार प्रदर्शन करता है। लेकिन दिसंबर 1992 में सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज के बीच खेले गए मुकाबले ने इस धारणा को बदल दिया। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया के कप्तान मार्क टेलर ने सिर्फ 9 रन बनाए थे, फिर भी उन्हें मैन ऑफ द मैच चुना गया। यह क्रिकेट इतिहास के उन अनूठे उदाहरणों में से एक है, जहाँ किसी खिलाड़ी की सोच, कप्तानी और फील्डिंग ने मैच का रुख बदल दिया।बारिश के कारण सिडनी की पिच में नमी थी, जिसने तेज गेंदबाजों को भरपूर मदद दी। ऑस्ट्रेलिया की बल्लेबाजी इस चुनौती के सामने टिक नहीं पाई और पूरी टीम महज 101 रनों पर ढेर हो गई। वेस्टइंडीज के घातक आक्रमण, जिसमें कर्टली एंब्रोज, कमिंस और कॉर्ल हूपर शामिल थे, ने ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया। जब मार्क टेलर का बल्ला खामोश था, तब उनके दिमाग ने कमाल किया। कप्तान के तौर पर टेलर ने परिस्थितियों को बखूबी भांपा और एक शानदार रणनीति बनाई। उन्होंने फील्डिंग सेटिंग्स, गेंदबाजों के सही बदलाव और विपक्षी टीम पर दबाव बनाने की कला का ऐसा इस्तेमाल किया कि मजबूत वेस्टइंडीज टीम पूरी तरह बिखर गई। स्टीव वॉ और माइक व्हिटनी की गेंदबाजी का टेलर ने जबरदस्त तरीके से उपयोग किया, जिससे वेस्टइंडीज के बल्लेबाज संघर्ष करते दिखे। खतरनाक वेस्टइंडीज टीम को सिर्फ 87 रनों पर ऑलआउट करना कोई आसान काम नहीं था। ऑस्ट्रेलिया के गेंदबाजों ने टेलर की रणनीति के अनुसार सटीक लाइन-लेंथ रखी और लगातार दबाव बनाए रखा। टेलर खुद भी फील्डिंग में बेहद मुस्तैद रहे और उन्होंने इस मैच में चार शानदार कैच लपके, जिसने विपक्षी टीम की कमर तोड़ दी। मुश्किल हालात में सही फैसले, बेहतरीन फील्ड सेटिंग, और शानदार कैच – इन सभी ने मिलकर मैच का पासा पलट दिया। इसीलिए, मात्र 9 रन बनाने के बावजूद मार्क टेलर को मैन ऑफ द मैच चुना गया। यह मुकाबला साबित करता है कि क्रिकेट सिर्फ रनों और विकेटों का खेल नहीं, बल्कि दिमाग, नेतृत्व और धैर्य का भी खेल है। यह मैच क्रिकेट इतिहास में एक खास उदाहरण है, जहाँ एक कप्तान ने अपनी रणनीति से असंभव को संभव कर दिखाया।

डेविड मलान के बयान से क्रिकेट जगत में हंगामाः बॉल टैंपरिंग को कानूनी बना देना चाहिए

नई दिल्ली (ईएमएस)। इंग्लैंड के पूर्व सलामी बल्लेबाज डेविड मलान ने क्रिकेट जगत में एक नया विवाद छेड़ दिया है। उन्होंने बॉल टैंपरिंग को लेकर एक ऐसा बयान दिया है, जिससे पूरे क्रिकेट जगत में हलचल मच गई है। मलान ने सुझाव दिया है कि गेंद और बल्ले के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए, गेंद से छेड़छाड़ को कानूनी मान्यता दे देनी चाहिए। उनका मानना है कि यह कोई नई प्रथा नहीं है, बल्कि लंबे समय से इसकी प्रैक्टिस होती आ रही है।

एक पॉडकास्ट में बोलते हुए, मलान ने कहा कि इतिहास गवाह है कि सालों से खिलाड़ी गेंद से छेड़छाड़ करते पकड़े गए हैं। उनके अनुसार, यह अब कोई गोपनीय बात नहीं है, और इसे कानूनी बना देना चाहिए। हालांकि, उन्होंने यह स्पष्ट किया कि बाहरी पदार्थों के इस्तेमाल की अनुमति नहीं होनी चाहिए। उनका तर्क है कि फील्डिंग टीम को गेंद को जल्दी रिवर्स स्विंग कराने के लिए उसे खरोंचने की छूट मिलनी चाहिए, क्योंकि इसमें भी एक विशेष कौशल होता है। मलान का यह भी मानना है कि यदि गेंदबाजों को गेंद को रिवर्स कराने की क्षमता मिलती है, तो मैच अधिक रोमांचक और कड़े होंगे। इससे अंतिम ओवरों तक मुकाबला बराबरी का रहेगा और टीमें आसानी से कई विकेट हाथ में लेकर नहीं जीत पाएंगी, जिससे पूंछ के बल्लेबाजों की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो जाएगी। यह बयान ऐसे समय में आया है जब हाल ही में बॉल टैंपरिंग का एक ताजा मामला पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) 2026 में सामने आया था। लाहौर कलंदर्स के बल्लेबाज फखर जमान को एक मैच के आखिरी ओवर से ठीक पहले गेंद की हालत बदलते हुए कैमरे में पकड़ा गया था। इस घटना के परिणामस्वरूप, कलंदर्स को पांच रन की पेनल्टी मिली थी और कराची किंग्स ने वह लो-स्कोरिंग मैच जीत लिया था।

पीएसएल में खेलने पाकिस्तान पहुंचे मैक्सवेल

लाहौर (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल अब पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में खेलने के लिए लाहौर पहुंच गये हैं। पीएसएल में वह हैदराबाद किंग्समेन की ओर से खेलेंगे।मैक्सवेल के पास इस लीग में खेलने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। उन्हें क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने केन्द्रीय अनुबंध नहीं दिया था। इसके अलावा वह आईपीएल नीलामी में भी शामिल नहीं थे। आईपीएल में मैक्सवेल का प्रदर्शन कभी भी अच्छा नहीं रहा था। वह केवल एक सत्र में ही अच्छा प्रदर्शन कर पाये थे। पंजाब किंग्स की ओर से पिछले सत्र में खराब प्रदर्शन के कारण इस बार उन्होंने आईपीएल 2026 के लिए हुई मिनी-नीलामी में भाग नहीं लिया था। इसके बाद वह पीएसएल में में शामिल होकर किंग्समेन से जुड़ गए। वह टी20 लीग में मार्नस लाबुशेन की कप्तानी में खेलेंगे। किंग्समेन का प्रदर्शन अब तक अच्छा नहीं रहा है। वह चारों मैच हारे हैं और अंक तालिका में सातवें स्थान पर खिसक गयी है। ऐसे में मैक्सवेल के जुड़ने से टीम की बल्लेबाजी और गेंदबाजी मजबूत होगी।

वैभव सूर्यवंशीः इतिहास रचने के मुहाने पर 1000 टी20 और 500 आईपीएल रन

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट के 15 वर्षीय सनसनी वैभव सूर्यवंशी इस समय शानदार फॉर्म में हैं और टी20 क्रिकेट के साथ-साथ आईपीएल में भी बड़े रिकॉर्ड बनाने के बेहद करीब पहुँच गए हैं। अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से विरोधियों के होश उड़ा रहे सूर्यवंशी, टी20 क्रिकेट में 1000 रनों के मील के पत्थर से सिर्फ 99 रन दूर हैं। यदि वह अपनी अगली कुछ पारियों में यह आंकड़ा छू लेते हैं, तो वे सबसे कम पारियों में 1000 रन बनाने वाले दिग्गजों की सूची में शामिल हो सकते हैं, जिससे ऑस्ट्रेलियाई दिग्गजों का दशकों पुराना रिकॉर्ड खतरे में पड़ जाएगा।

सूर्यवंशी ने अब तक 22 टी20 पारियों में 901 रन बनाए हैं, जिसमें उनका औसत 42.90 का और स्ट्राइक रेट 215.55 का है। इन आंकड़ों में 3 शतक और 3 अर्धशतक भी शामिल हैं, जो उनकी असाधारण प्रतिभा और लगातार बेहतरीन प्रदर्शन को दर्शाते हैं। टी20 क्रिकेट में सबसे तेज 1000 रन बनाने का रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाजों ब्रैड हॉज और शॉन मार्श के नाम है, जिन्होंने यह उपलब्धि 23 पारियों में हासिल की थी। अगर वैभव 13 अप्रैल को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ होने वाले मुकाबले में शतक लगाते हैं, तो वह इस रिकॉर्ड की बराबरी कर लेंगे, अन्यथा उनके पास 24वीं पारी में मैथ्यू हेडन के रिकॉर्ड की बराबरी करने का भी मौका होगा। इतना ही नहीं, सूर्यवंशी के पास भारत की ओर से सबसे तेज 1000 टी20 रन बनाने का रिकॉर्ड तोड़ने का भी सुनहरा अवसर है। यह रिकॉर्ड फिलहाल देवदत्त पडिक्कल के नाम है, जिन्होंने 25 पारियों में यह मुकाम हासिल किया था। अपनी आक्रामक शैली और निडर अप्रोच के साथ, वैभव के लिए यह रिकॉर्ड तोड़ना मुश्किल नहीं लगता।

आईपीएल में भी यह युवा खिलाड़ी एक बड़ा रिकॉर्ड बनाने की दहलीज पर खड़ा है। उन्हें 500 आईपीएल रन पूरे करने के लिए सिर्फ 48 रनों की आवश्यकता है। यदि वह यह उपलब्धि हासिल कर लेते हैं, तो वह गौतम गंभीर के सबसे तेज 500 आईपीएल रन के रिकॉर्ड की बराबरी कर सकते हैं। 15 साल के सूर्यवंशी ने आईपीएल में अब तक 11 पारियों में 452 रन बनाए हैं, उनका औसत 41 से अधिक और स्ट्राइक रेट करीब 230 का है, जिसमें एक शतक और तीन अर्धशतक शामिल हैं। उनका अगला मुकाबला राजस्थान का कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ होगा, जहाँ उनके पास इतिहास रचने के कई मौके होंगे।

विकास कुमार यादव बने नाला थाना के नए थाना प्रभारी,राजीव रंजन कुमार को भेजा गया पुलिस केंद्र जामताड़ा

जामताड़ा । पुलिस अधीक्षक जामताड़ा राजकुमार मेहता के आदेशानुसार बिन्दापाथर थाना में पदस्थापित थाना प्रभारी विकास कुमार यादव को नाला थाना का थाना प्रभारी नियुक्त किया गया है| नवनियुक्त थाना प्रभारी विकास कुमार यादव ने शनिवार को नाला थाना में योगदान दिया| निवर्तमान थाना प्रभारी राजीव रंजन कुमार को पुलिस केंद्र जामताड़ा भेजा गया है| निवर्तमान थाना प्रभारी राजीव रंजन कुमार ने नवनियुक्त थाना प्रभारी विकास कुमार यादव को बुके देकर स्वागत किया और नए पद के लिए उन्हें शुभकामनाएं दीं| नवनियुक्त थाना प्रभारी विकास कुमार यादव ने कहा कि थाना क्षेत्र में कानून का राज कायम करना मेरी प्राथमिकता होगी| अपराध नियंत्रण के लिए कठोर और त्वरित कदम उठाए जायेंगे| अवैध गतिविधियों पर पूरी तरह से रोक लगाई जायेगी| मौके पर कई पुलिस पदाधिकारी व पुलिस कर्मी मौजूद थे|

केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ को खेल महोत्सव में आने का दिया आमंत्रण

अंबेडकर स्कूल ऑफ मार्शल आर्ट के खेल महोत्सव में सफाई कर्मचारियों को किया जायेगा सम्मानित

धनबाद, रांची, रविवार को अम्बेडकर स्कूल ऑफ़ मार्शल आर्ट्स के अध्यक्ष सह मुख्य प्रशिक्षक अनिल बाँसफोर ने केन्द्रीय रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ से रांची में मुलाकात कर अम्बेडकर स्कूल ऑफ़ मार्शल आर्ट्स के आगामी माह में आयोजित होने वाले खेल महोत्सव की जानकारी देकर आने का आमंत्रण दिया।अनिल बांसफोर ने बताया कि खेल के साथ-साथ उक्त कार्यक्रम में विशेषकर कई दर्जनों सफाई कर्मचारियों को भी सम्मानित किया जाएगा। वहीं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, झारखंड प्रांत प्रचारक गोपाल शर्मा के साथ साथ आदि गणमान्य लोग उपस्थित थे। ज्ञात हो कि हर वर्ष 14 अप्रैल को बाबासाहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के जन्म दिवस से एक माह तक मार्शल आर्ट्स खेल महोत्सव का आयोजन संस्था के द्वारा काफी भव्य तरीके से किया जाता है।

सहायक अध्यापकों ने जरमुंडी विधायक देवेंद्र कुंवर को सौंपा अपनी मांगों से संबंधित ज्ञापन

प्रदेश कमेटी के आह्वान पर 18 अप्रैल से सहायक अध्यापक मुख्यमंत्री आवास के समक्ष करेंगे धरना-प्रदर्शन

दुमकाःझारखंड राज्य आकलन प्रशिक्षित संघर्ष मोर्चा के आह्वान पर जरमुंडी विधानसभा के तीनों प्रखंड सारवां, सोनाराय ठाढ़ी एवं जरमुंडी के आकलन प्रशिक्षित संघ के सहायक अध्यापकों ने जरमुंडी प्रखंड अध्यक्ष मनोज साह के नेतृत्व में अपनी मांगों को लेकर भाजपा विधायक देवेंद्र कुंवर को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान विधायक ने कहा कि सहायक अध्यापकों की मांग जायज है और वर्तमान सरकार सहायक अध्यापकों के साथ धोखेबाजी कर रही है। उन्होंने कहा कि वे सहायक अध्यापकों की समस्या से अवगत हैं और विधानसभा में उनकी समस्या को लेकर निश्चित ही आवाज उठाएंगे। मौके पर जरमुंडी प्रखंड अध्यक्ष मनोज साह,सारवां के प्रखंड अध्यक्ष सुमन कुमार, सोनाराय ठाढ़ी प्रखंड अध्यक्ष तूफानी यादव, मोहन माल, मदन मंडल, मृत्युंजय मंडल, बबलू साह, विजय साह, नरेंद्र कुमार, कारू मंडल, गोपाल साह, राखाल पंजियारा, तृप्ति कुमारी,जयंती प्रसाद, अरुण राउत, मोहन राउत,बदरी प्रसाद, सुशील झा सहित जरमुंडी विधानसभा क्षेत्र के दर्जनों सहायक अध्यापक मौजूद थे।

महिला थाना प्रभारी अनुपमा सोरेंग के अध्यक्षता में काउंसलिंग का आयोजन, 8 मामले में कराया गया समझौता

दुमकाः रविवार को महिला थाना दुमका में पुलिस अवर निरीक्षक सह थाना प्रभारी अनुपमा सोरेंग के अध्यक्षता मे महिला कोषांग के सदस्य विजय कुमार महतो, डॉ मनोज कुमार घोष, विणा सिंह, डॉ बबीता कुमारी अग्रवाल, डॉ कुमार प्रभात के उपस्थिति में काउंसलिंग का आयोजन किया गया।जिसमें कुल 08 मामलो में दोनो पक्षों में आपसी समझौता कराया गया, एक मामले में समझौता नहीं हो सका, जिस पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

अखिल भारतीय राढ़ी कायस्थ संगठन दुमका की मासिक बैठक आयोजित

दुमकाःसंरक्षक संजीव कुमार दास अधिवक्ता के आवास बंदरजोरी फॉरेस्ट कॉलोनी में आज रविवार को अखिल भारतीय राढ़ी कायस्थ संगठन दुमका की मासिक बैठक हुई। जिसमें विशेष रूप से सभी सदस्यों ने अपने समाज के प्रति दायित्वों को पूरा करने का संकल्प लिया।बैठक में महिला प्रकोष्ठ बनाने का भी निर्णय लिया गया, साथ में सांस्कृतिक प्रकोष्ठ बनाने का भी निर्णय लिया गया एवम सदस्यता अभियान पर चर्चा की गई। बैठक में महिलाओं की संख्या भी अधिक रही।बैठक मे संरक्षक अजय कुमार दास मानुदा, संजीव कुमार दास अधिवक्ता, अध्यक्ष डॉ मनोज कुमार घोष, महासचिव उत्तम कुमार दास गुड्डू, कोषाध्यक्ष गोपाल सिंहा, उज्जवल कुमार दत्ता, मनोरंजन घोष, प्रतुल रंजन दास, जितेंद्र कुमार दत्ता, प्रवीण रंजन दास, कृष्ण कुमार दत्ता, सीमा कुमारी ,मेघा कुमारी, चांदनी दास लीना घोष आदि सदस्यों ने हिस्सा लिया।

तीन दिवसीय झारखंड इमेजिंग एक्सपो के फ़ोटोग्राफ़ी प्रतियोगिता के वेडिंग कैटेगरी में धनबाद बना विजेता

झारखंड इमेजिंग एक्सपो का भव्य समापन, वेडिंग फोटोग्राफी में धनबाद का जलवा पुरुषोत्तम और विवेक ने लहराया परचम

धनबाद, रांची, राजधानी रांची के हरिवंश ताना भगत इंडोर स्टेडियम खेलगांव में झारखंड फोटोग्राफीक एसोसिएशन सेंट्रल (जेपीएसी) द्वारा 10 से 12 अप्रैल तक आयोजित तीन दिवसीय झारखंड इमेजिंग एक्सपो के तीसरे और अंतिम दिन कार्यक्रम का समापन बेहद भव्य और आकर्षक अंदाज में हुआ। फोटोग्राफी कॉन्टेस्ट में राज्यभर के विभिन्न जिलों से आए हुए प्रतिभागियों ने विभिन्न वर्ग में फोटोग्राफी प्रतियोगिता में भाग लिया , जिसमें वेडिंग कैंडिड कैटेगरी में धनबाद के पुरुषोत्तम कुमार प्रथम तथा विवेक कुमार ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर जिले का मान बढ़ाया। साथ ही जर्नलिज्म कैटेगरी में धनबाद के चंदन पॉल को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ।

वहीं, फैशन शो कार्यक्रम इस एक्सपो का मुख्य आकर्षण रहा, जहां मॉडलों ने रैंप पर अपनी अदाओं और स्टाइल से सबका दिल जीत लिया। पारंपरिक और आधुनिक परिधानों का अनोखा संगम देखने को मिला, जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।कार्यक्रम में मौजूद मुख्य अतिथियों ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन न केवल प्रतिभाओं को मंच देते हैं, बल्कि राज्य में फोटोग्राफी और फैशन इंडस्ट्री को भी नई दिशा प्रदान करते हैं।इस एक्सपो के सफल आयोजन में धनबाद डिस्ट्रिक्ट फोटोग्राफर्स ट्रेड एसोसिएशन के अध्यक्ष, सुनील कुमार सिंह, उपाध्यक्ष, रत्नेश कुमार, मनीष शाह, सचिव रंजीत कुमार गुप्ता, उप सचिव सूरज कुमार रवानी, कोषाध्यक्ष, प्रकाश कुमार ,संजय कुमार, मनोज राठौर, अनूप साहू, मीडिया प्रभारी रंजीत जायसवाल, अनिल कुमार गुप्ता, दिनेश कुमार, मोहन देव, वरुण कुमार, विक्की कुमार आदि का सराहनीय योगदान रहा ।

कोरिडीह के मदरसा दारुल इरफान में हज यात्रियों की विशेष ट्रेनिंग, जामताड़ा से 16 लोग जाएंगे मक्का-मदीना

उलेमा ने हज के अरकान, सुन्नत और अनुशासन की दी जानकारी; राज्य गठन के बाद पहली बार आयोजित हुआ प्रशिक्षण कार्यक्रम

जामताड़ा । जामताड़ा जिले के नारायणपुर प्रखंड अंतर्गत कोरिडीह स्थित मदरसा दारुल इरफान में रविवार को हज यात्रियों के प्रशिक्षण हेतु एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम सुबह 10:00 बजे से प्रारंभ होकर जोहर नमाज तक चला। इसकी शुरुआत कुरान पाक की तिलावत से हुई, जिसके बाद हज पर जाने वाले यात्रियों को क्रमवार आवश्यक जानकारी प्रदान की गई।कार्यक्रम में उपस्थित उलेमा एवं ट्रेनर्स ने हाजियों को हज के अरकान, सुन्नत और जरूरी अमलों के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। साथ ही इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि शरीयत में जो बातें अनिवार्य हैं, उन्हें किसी भी परिस्थिति में नहीं छोड़ा जाना चाहिए। हाजियों को यह भी समझाया गया कि वे दूसरे देश की यात्रा पर जा रहे हैं, इसलिए वहां के कानूनों और नियमों का पालन करना उनकी जिम्मेदारी है।स्टेट हेड इंस्पेक्टर मोहम्मद महताब आलम ने कहा कि हज इस्लाम का एक अहम फर्ज है और इसे सही तरीके से अदा करना हर मुसलमान की जिम्मेदारी है।

उन्होंने हाजियों से अपील की कि वे पूरी जानकारी और अनुशासन के साथ इस मुकद्दस सफर पर रवाना हों। कार्यक्रम के संयोजक मौलाना अब्दुल रज्जाक मिस्बाही ने बताया कि इस प्रकार की तरबियत का उद्देश्य हाजियों को हर पहलू से तैयार करना है, ताकि वे हज के दौरान किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करें और सभी अरकान सही तरीके से अदा कर सकें। मौलाना शहाबुद्दीन ने हज को सब्र, सादगी और इबादत का सफर बताते हुए कहा कि हर कदम सुन्नत के अनुसार उठाना चाहिए। वहीं हाजी मोहम्मद रियाज और हाजी मोहम्मद हैदर ने हाजियों को अनुशासन, भाईचारे और आपसी सहयोग के साथ इस पवित्र यात्रा को पूरा करने की सलाह दी। ामताड़ा जिले के लिए यह गर्व की बात है कि राज्य गठन के बाद पहली बार हाजियों के लिए इस तरह की विशेष ट्रेनिंग का आयोजन मदरसा दारुल इरफान, कोरिडीह में किया गया। इस वर्ष जिले से कुल 16 श्रद्धालु हज यात्रा पर मक्का-मदीना जाएंगे। हज यात्रा पर जाने वाले यात्री मोहम्मद महताब आलम, मोहम्मद यूसुफ, नूरुद्दीन रिजवी, अली हुसैन, मोहम्मद निजामुद्दीन, सरफराज, इदरीस, रुस्तम, अनाउल, जाहिद, शफीउल्लाह, जुलेखा बीवी, नजमा खातून, सजिता, नईमा बीवी एवं सतिया बीवी।

कार्यक्रम में ये रहे उपस्थित : मदरसा के सेक्रेटरी शमसुद्दीन, जान मोहम्मद, मौलाना सरफराज रहबर, हाफिज नाज़ीर हुसैन, सद्दाम हुसैन, शहादत अली, मौलाना मुख्तार आलम सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

जामताड़ा में पेयजल समस्या निवारण पखवाड़ा के चौथे दिन 118 पंचायतों में सघन जांच, कई खराब चापाकल ऑन स्पॉट दुरुस्त

उपायुक्त रवि आनंद के निर्देश पर वरीय अधिकारियों ने किया निरीक्षण, ग्रामीणों के साथ बैठक लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय

जामताड़ा/फतेहपुर आने वाला गर्मी को ध्यान में रखते हुए संभावित पेयजल संकट के समाधान हेतु जामताड़ा जिला प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे "पेयजल समस्या निवारण पखवाड़ा" के चौथे दिन रविवार को जिले के सभी प्रखंडों की विभिन्न पंचायतों में सघन निरीक्षण अभियान चलाया गया। यह अभियान 9 अप्रैल से 18 अप्रैल 2026 तक संचालित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य 118 पंचायतों में पेयजल से संबंधित समस्याओं का त्वरित एवं स्थायी समाधान सुनिश्चित करना है। जिला दण्डाधिकारी सह उपायुक्त रवि आनंद (भा.प्र.से.) के निर्देश पर जिला स्तरीय वरीय पदाधिकारियों, प्रखंड विकास पदाधिकारियों, परीक्ष्यमान उपसमाहर्ताओं, प्रखंड स्तरीय कर्मियों तथा तकनीकी अधिकारियों की विशेष जांच टीमों ने विभिन्न पंचायतों में पेयजल स्रोतों का गहन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जामताड़ा सदर प्रखंड के गोपालपुर एवं पंजनियां, नारायणपुर के बंदरचुआं, बुटबेरिया एवं कोरीडीह-1, नाला के खैरा एवं कुलडंगाल, करमाटांड़ के डुमरिया एवं अलगचुआं, फतेहपुर के चापुरिया एवं आसनबेड़िया तथा कुंडहित के सुद्राक्षिपुर एवं पालाजोरी पंचायतों में पेयजल व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया।

इस दौरान कई खराब चापाकलों को अधिकारियों की मौजूदगी में ऑन स्पॉट दुरुस्त किया गया, जिससे ग्रामीणों को तत्काल राहत मिली। अधिकारियों ने पंचायत भवनों में ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक कर पेयजल से जुड़ी समस्याओं पर विस्तृत चर्चा की। समस्याओं के स्थायी समाधान हेतु सर्वसम्मति से कई प्रस्ताव पारित किए गए।

आज इन पंचायतों में चलेगा अभियान

13 अप्रैल 2026 को सघन जांच अभियान निम्न पंचायतों में संचालित किया जाएगाः

जामताड़ाः उदलबनी एवं लादना

नारायणपुरः रूपडीह,पोस्ताएवंबुधुडीह

नालाः श्रीपुर एवं टेसजुरिया

करमाटांड़ः विराजपुर एवं नवाडीह

फतेहपुरः खमारबाद एवं बनूडीह

कुंडहितः मुडाबेड़िया एवं गायपाथर

प्रशासन की अपील

जिला प्रशासन ने ग्रामीणों से अपील की है कि वे पेयजल से संबंधित किसी भी समस्या की सूचना अपने स्थानीय जनप्रतिनिधियों या प्रखंड कार्यालय को दें, ताकि उसका त्वरित और स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जा सके।

दुमका में सजा खेल का महाकुंभ, प्रीमियर लीग सत्र-2 की ट्रॉफी व परिधानों का भव्य अनावरण

15 अप्रैल से शुरू होगा रोमांच, युवाओं को मिलेगा बड़ा मंच : डॉ लुईस मरांडी

दुमकाः11 अप्रैल को दुमका में दुमका प्रीमियर लीग सत्र-2 के ट्रॉफी एवं टीम परिधानों का भव्य अनावरण शनिवार को शानदार तरीके से किया गया। दूधिया रोशनी और आतिशबाज़ी के बीच आयोजित इस कार्यक्रम ने पूरे माहौल को उत्सव में बदल दिया।कार्यक्रम में जामा की विधायिका डॉ लुईस मरांडी मुख्य अतिथि तथा जिला खेल पदाधिकारी तूफ़ान कुमार पोद्दार विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस दौरान दोनों अतिथियों को स्मृति चिन्ह और अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया।समारोह में पूर्व क्रिकेट खिलाड़ी गणेश सिंह एवं किशोर शर्मा को भी सम्मानित किया गया। सभी टीमों के परिधानों का अनावरण उनके-अपने विषय गीतों के साथ किया गया, जबकि ट्रॉफी अनावरण के दौरान लीग का विषय गीत प्रस्तुत किया गया, जिसने कार्यक्रम को और अधिक आकर्षक बना दिया।मुख्य अतिथि डॉ मरांडी ने अपने संबोधन में कहा कि जिला क्रिकेट संघ के प्रयासों से मैदान की स्थिति काफी बेहतर हुई है और खिलाड़ियों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि दुमका में प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की कोई कमी नहीं है, उन्हें केवल उचित मंच की आवश्यकता है।वहीं, जिला खेल पदाधिकारी तूफ़ान कुमार पोद्दार ने कहा कि इस प्रतियोगिता से युवाओं में खेल के प्रति रुचि बढ़ेगी। उन्होंने मैदान की उत्कृष्ट व्यवस्था के लिए जिला क्रिकेट संघ के सचिव कुणाल झा की सराहना की।प्रायोजक संस्था अशोका न्यू केयर के निदेशक डॉ तुषार ज्योति ने खिलाड़ियों से अनुशासन के साथ खेल भावना बनाए रखने की अपील की। कार्यक्रम में उपस्थित टीम स्वामियों ने भी अपने विचार रखे और आयोजन समिति व प्रायोजकों का आभार जताया।

15 अप्रैल से मुकाबलों का आगाज़

दुमका । प्रीमियर लीग सत्र-2 का उद्घाटन 15 अप्रैल 2026 को होगा। प्रतियोगिता में कुल 6 टीमें चक्र पद्धति के आधार पर एक-दूसरे से मुकाबला करेंगी।

उद्घाटन मैच में अशोका लायंस और दुमका चैलेंजर्स आमने-सामने होंगे। इसके बाद 22 अप्रैल तक लीग चरण के सभी मुकाबले खेले जाएंगे।

नॉकआउट मुकाबलों का कार्यक्रम लीग चरण के बाद 23 अप्रैल को शीर्ष दो टीमों के बीच पहला क्वालीफायर तथा तीसरे और चौथे स्थान की टीमों के बीच एलिमिनेटर मुकाबला खेला जाएगा।24 अप्रैल को एलिमिनेटर विजेता और पहले क्वालीफायर की पराजित टीम के बीच दूसरा क्वालीफायर होगा।इसके बाद 26 अप्रैल 2026 को प्रतियोगिता का भव्य फाइनल मुकाबला खेला जाएगा।यह लीग न केवल खेल प्रतियोगिता को बढ़ावा देगी, बल्कि जिले के युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का एक सशक्त मंच भी प्रदान करेगी।

बिंदापाथर थाना में नए थाना प्रभारी विनय कुमार यादव ने संभाला पदभार, जनप्रतिनिधियों से की परिचयात्मक बैठक

जिला परिषद सदस्य वंदना देवी ने पुष्पगुच्छ भेंट कर किया स्वागत, शांति व्यवस्था और जनसहयोग को बताया प्राथमिकता

जामताड़ा फतेहपुर प्रखंड अंतर्गत बिंदापाथर थाना के नए थाना प्रभारी विनय कुमार यादव ने पदभार संभालते ही क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में सक्रिय पहल शुरू कर दी है। इसी क्रम में उन्होंने स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ एक परिचयात्मक बैठक आयोजित कर क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति, कानून-व्यवस्था और सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की। बैठक के दौरान जिला परिषद सदस्य वंदना देवी ने नवागत थाना प्रभारी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया तथा उनके सफल कार्यकाल की कामना की। इस अवसर पर क्षेत्र की शांति और विकास को लेकर सकारात्मक चर्चा हुई। थाना प्रभारी विनय कुमार यादव ने कहा कि पुलिस और जनता के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने और अपराध नियंत्रण के लिए जनप्रतिनिधियों एवं आम नागरिकों का सहयोग अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने लोगों से अपील की कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि या घटना की सूचना तत्काल पुलिस को दें, ताकि त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। बैठक के दौरान उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने भी पुलिस प्रशासन को हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। इस पहल से क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने की उम्मीद जताई जा रही है।

चापुड़िया में पेयजल समस्या निवारण पखवाड़ाः निरीक्षण के दौरान कई चापानल ऑन द स्पॉट हुए दुरुस्त

परीक्ष्यामन उपसमाहर्त्ता सुदिति सुमन ने जलस्रोतों का लिया जायजा, लापरवाही पर कर्मियों को लगाई फटकार

जामताड़ा प्रखंड क्षेत्र में चल रहे पेयजल समस्या निवारण पखवाड़ा के तहत रविवार को चापुड़िया पंचायत में प्रशासन की सक्रियता देखने को मिली।परीक्ष्यामन उपसमाहर्त्ता सुदिति सुमन ने गांव पहुंचकर विभिन्न जलस्रोतों का निरीक्षण किया और पेयजल व्यवस्था की जमीनी हकीकत से रूबरू हुईं। निरीक्षण के दौरान उन्होंने गांव में स्थापित चापानलों, कुओं एवं जलमीनारों की स्थिति का गहनता से जायजा लिया।

कई स्थानों पर चापानल खराब एवं बंद अवस्था में पाए गए, जिससे ग्रामीणों को पेयजल संकट का सामना करना पड़ रहा था। इस पर उन्होंने संबंधित कर्मियों को फटकार लगाते हुए मौके पर ही मरम्मत कार्य शुरू कराने का निर्देश दिया। प्रशासन की तत्परता का सकारात्मक परिणाम यह रहा कि कुछ खराब चापानलों को ऑन द स्पॉट ही दुरुस्त कर दिया गया, जिससे ग्रामीणों को तत्काल राहत मिली। स्थानीय लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे निरीक्षण से समस्याओं का त्वरित समाधान संभव हो पा रहा है। उपसमाहर्त्ता सुदिति सुमन ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि पेयजल जैसी बुनियादी सुविधा में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी खराब जलस्रोतों की सूची तैयार कर शीघ्र दुरुस्त किया जाए, ताकि किसी भी ग्रामीण को पानी के लिए परेशान न होना पड़े। निरीक्षण के दौरान विधायक प्रतिनिधि नाला सह झामुमो जिला सचिव जामताड़ा परेश यादव मुखिया मेरिलता मरांडी, कनीय अभियंता विकास कुमार, प्रखंड समन्वयक प्रेम कुमार टुडू, पंचायत सचिव तपन कुमार मंडल, वार्ड सदस्य कुंदन कुमार चौधरी, रामधन मरांडी, सत्य देव महतो, सभी जल सहिया सहित पदाधिकारी एवं ग्रामीण उपस्थित थे। प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की संयुक्त सक्रियता ने यह संदेश दिया कि पेयजल समस्या के समाधान के लिए सरकार पूरी तरह गंभीर है।

उपायुक्त और एसएसपी ने प्रस्तावित विकास परियोजनाओं के लिए

धनबाद और गोविंदपुर अंचल अंतर्गत विभिन्न सरकारी जमीनों का किया निरीक्षण

सरकारी जमीन की मापी करवाकर अतिक्रमणकारियों को नोटिस तामिल करने हेतु अंचल अधिकारियों को दिए निर्देश

धनबाद , उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी , आदित्य रंजन तथा वरीय पुलिस अधीक्षक , प्रभात कुमार ने रविवार को जिले के विभिन्न अंचलों के अंतर्गत आने वाली सरकारी जमीनों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सरकारी भूमियों पर हो रहे अवैध कब्जों पर कड़ी नाराजगी जताई और संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने धनबाद सदर अंचल तथा गोविंदपुर अंचल अंतर्गत 8 लेन समीप तथा बीबीएमकेयू यूनिवर्सिटी के समीप सरकारी प्रस्तावित विकास परियोजनाओं के लिए चिह्नित जमीनों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कई स्थानों पर अवैध कब्जा पाई गई। उपायुक्त ने इसे सरकारी संपत्ति का उल्लंघन बताते हुए अंचलाधिकारी को निर्देश दिया कि वे मापी करवाकर अतिक्रमणकारियों को नोटिस तामिल करें।

विकास कार्यों के लिए भूमि सुरक्षित करने के निर्देश :निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने कहा कि सरकारी जमीनों को भू-माफियाओं से मुक्त कराना प्रशासन की प्राथमिकता है ताकि इन जमीनों का उपयोग स्कूल, कॉलेज,अस्पताल और अन्य जनहितकारी योजनाओं के लिए किया जा सके। उन्होंने कहा कि सरकारी जमीन सार्वजनिक संपत्ति है और इस पर किसी भी प्रकार का निजी कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सभी अंचलाधिकारी यह सुनिश्चित करें कि उनके क्षेत्र में एक इंच भी सरकारी भूमि अतिक्रमित न हो। मौके पर उपायुक्त , आदित्य रंजन, एसएसपी , प्रभात कुमार, अंचलाधिकारी धनबाद, राम प्रवेश, अंचलाधिकारी गोविंदपुर, धर्मेंद्र दुबे मौजूद भी मौजूद थे।

सीएमडी बीसीसीएल ने झारखंड के मुख्य सचिव के साथ की बैठक

केन्दुआडीह गैस घटना सहित सुरक्षा मुद्दों पर विस्तृत चर्चा

धनबाद । सीएमडी बीसीसीएल श्री मनोज कुमार अग्रवाल ने झारखंड के मुख्य सचिव श्री अविनाश कुमार के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। इस बैठक में कोल इंडिया लिमिटेड के अध्यक्ष श्री बी. साईराम की गरिमामयी उपस्थिति भी रही।बैठक में बीसीसीएल से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण परिचालन मुद्दों पर व्यापक चर्चा की गई, जिसमें विशेष रूप से केन्दुआडीह गैस घटना पर गहन विचार-विमर्श किया गया। इस संदर्भ में सुरक्षा उपायों को और अधिक सुदृढ़ बनाने, संवेदनशील क्षेत्रों में सतर्कता बढ़ाने तथा सभी संबंधित एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने की आवश्यकता पर जोर दिया गया, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके और प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।मुख्य सचिव, श्री अविनाश कुमार ने राज्य प्रशासन की ओर से बीसीसीएल को हर संभव सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया तथा संबंधित मुद्दों के समाधान के लिए आवश्यक समन्वित एवं त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। बैठक सकारात्मक एवं सहयोगपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई, जिसमें राज्य प्रशासन एवं बीसीसीएल के बीच समन्वय को और अधिक सुदृढ़ करने की दिशा में साझा संकल्प दोहराया गया।

अत्याधुनिक सी-आर्म मशीन से हड्डी के जटिल फ्रैक्चर का सफल ऑपरेशन

धनबाद , सदर अस्पताल में एक बार फिर उन्नत चिकित्सा सुविधा एवं विशेषज्ञ टीम के प्रयास से हड्डी के जटिल फ्रैक्चर का सफलतापूर्वक ऑपरेशन किया गया। इसकी जानकारी देते हुए अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ, संजीव कुमार प्रसाद ने बताया कि दिनेश कुमार महतो, आयु 43 वर्ष, निवासी मुकुंदा, मंगलवार को सदर अस्पताल में भर्ती हुए थे। उन्हें दोपहिया वाहन से गिरने के बाद चोट लगी थी। श्री महतो ने बताया कि अचानक एक कुत्ता वाहन के पहिये के नीचे आ जाने के कारण संतुलन बिगड़ने से यह दुर्घटना हुई। जांच के दौरान फ्रैक्चर के प्रकार एवं स्थान को देखते हुए तथा सदर अस्पताल के ऑपरेशन थिएटर में उपलब्ध अत्याधुनिक सी-आर्म मशीन की सुविधा को ध्यान में रखते हुए, मरीज के इलाज हेतु मिनिमली इनवेसिव प्लेटिंग तकनीक अपनाने का निर्णय लिया गया। आवश्यक इम्प्लांट की व्यवस्था कर दिनांक उनका सफलतापूर्वक ऑपरेशन किया गया। इस जटिल ऑपरेशन को सफल बनाने में ऑर्थोपेडिक सर्जन डॉ, मुकेश प्रसाद, सर्जन डॉ, आनंद कुमार, सहायक मधुसूदन मरांडी एवं रंजना तथा सदर अस्पताल के प्रभारी, ऑपरेशन थिएटर के सभी स्टाफ एवं अन्य सहयोगियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। मरीज का ऑपरेशन निःशुल्क किया गया। ऑपरेशन के बाद मरीज की स्थिति स्थिर है। अस्पताल प्रशासन द्वारा मरीज को समुचित देखभाल एवं आवश्यक चिकित्सा सुविधा प्रदान की जा रही है।

आईएसएम धनबाद के तीन युवा फैकल्टी को मिला प्रतिष्ठित प्रधानमंत्री अर्ली करियर रिसर्च ग्रांट से किया गया सम्मानित

धनबाद, आईआईटी,आईएसएम, धनबाद के रसायन एवं केमिकल बायोलॉजी विभाग के तीन नव-नियुक्त फैकल्टी सदस्य, प्रो० अनन्या बनिक, प्रो, जादब माझी और प्रो, सुनील पुलेटिकुर्ति को प्रतिष्ठित प्रधानमंत्री अर्ली करियर रिसर्च ग्रांट से सम्मानित किया गया है।

यह उपलब्धि इन युवा शिक्षकों की शोध क्षमता और अकादमिक उत्कृष्टता को दर्शाती है, साथ ही विभाग और संस्थान की शोध प्रतिष्ठा को भी मजबूत करती है।

प्रो. अनन्या बनिक का शोध ठोस अवस्था रसायन के क्षेत्र में है, जिसमें ऊर्जा रूपांतरण और स्टोरेज के लिए उन्नत मटेरियल, खासकर सॉलिड स्टेट बैटरियां और आयोनिक कंडक्टर पर काम शामिल है।

प्रो० जादब माझी सिंथेटिक ऑर्गेनिक केमिस्ट्री के विशेषज्ञ हैं । उनका फोकस फोटोरिडॉक्स, ऑर्गेनोमेटालिक और बायोकैटालिसिस जैसे क्षेत्रों में नए और टिकाऊ सिंथेसिस मेथड विकसित करने पर रहा है।

वहीं प्रो० सुनील पुलेटिकुर्ति का शोध फॉस्फोलिपिड्स की सिंथेसिस, उनके माइक्रोरिएक्टर और ड्रग डिलीवरी में उपयोग, लिपिड ऑक्सीडेशन तथा जीवन की रासायनिक उत्पत्ति से जुड़े विषयों पर केंद्रित है। विभागाध्यक्ष प्रो, सुमंत कुमार पाधी ने इस उपलब्धि पर खुशी जताते हुए कहा कि यह सम्मान नए फैकल्टी सदस्यों के उत्कृष्ट शोध कार्य का प्रमाण है और संस्थान में उच्च स्तरीय शोध के माहौल को दर्शाता है।

ज्ञात हो कि प्रधान मंत्री अर्ली करियर रिसर्च ग्रांट एक प्रतिष्ठित और प्रतिस्पर्धी ग्रांट है, जिसका उद्देश्य शुरुआती करियर के शोधकर्ताओं को नवाचार और प्रभावी रिसर्च के लिए प्रोत्साहित करना है।

धनबाद बुक फेयर में आयोजित, सिट एंड ड्रॉ प्रतियोगिता के विजेताओं को किया सम्मानित

धनबाद ,धनबाद बुक फेयर 2026 गोल्फ ग्राउंड में 5 अप्रैल को बंगाली वेलफेयर सोसाइटी द्वारा आयोजित 'सीट एंड ड्रा' प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत सम्मानित किया गया। निर्णायक टीम के द्वारा ग्रुप ए में रियांशी मिश्रा प्रथम, शिबाप्रिया मंडल द्वितीय,सुप्रादेप दत्त तृतीया , श्रेष्ठ मौर्य चतुर्थ,ग्रुप बी में सौमिली देवनाथ प्रथम, माही मौर्य द्वितीय, मनीष शिव शक्ति तृतीया व आरव कुमार चतुर्थ,ग्रुप सी में अनन्या सिंह प्रथम, अदिति कुमारी द्वितीय व संयुक्त रूप से व्योम वत्सल व सत्याकी घोषाल तृतीया, ग्रुप डी में रिया कुमारी प्रथम, गोविंद रॉय द्वितीय व सृष्टि कुमारी तृतीय विजेता घोषित किए गया जिन्हें अतिथियों ने धनबाद बुक फेयर के मुख्य मंच पर मेडल एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। ज्ञात हो कि चार वर्गों में विभाजित इस सिट एंड ड्रॉ प्रतियोगिता में नर्सरी से कक्षा 5 तक के बच्चों के लिए विलेज सीन और समर वेकेशन, गाँव का दृश्य,गर्मियों की सुबह मानव आकृति के साथ,कक्षा 6 से कक्षा 9 ईंधन बचाओ मानव आकृतियों के साथ, कक्षा 10 और उससे ऊपर युद्ध नहीं, शांति मानव आकृतियों के साथ जैसे विश्व शांति पर चित्रकारी की गई थी। जिसमें कई जिलों के विभिन्न स्कूली बच्चों ने अपने प्रतिभा का एक से बढ़कर एक शानदार प्रदर्शन किया। बता दे इस वर्ष बुक फेयर में हॉबी सेंटर की आर्ट गैलरी मुख्य आकर्षण का केंद्र रही। आर्टिस्ट शिव शंकर धर द्वारा 1979 में बनाई गई एक दुर्लभ पेंटिंग भी प्रदर्शनी में शामिल की गई। शिव शंकर धर ने बताया कि धनबाद में धनबाद बुक फेयर का प्रत्येक वर्ष आयोजन पूरे झारखंड के लिए एक गर्व की बात है।

अखिल भारतीय ब्राह्मण समाज ने महापौर संजीव सिंह को किया सम्मानित

संजीव सिंह के जीत की मन्नते पूरी होने पर समाज ने प्रयागराज से लाकर गंगाजल और प्रसाद दिया

धनबाद । रविवार को धनबाद मेयर संजीव सिंह को अखिल भारतीय ब्राह्मण समाज ने मेयर चूनाव में मन्नतें पूरी होने पर गंगाजल, प्रसाद दिया। साथ ही अंगवस्त्र तथा पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया। समाज के सुरेश तिवारी ने बताया कि धनबाद मेयर चुनाव में हमारे समाज के झारखण्ड अभिभावक श्रीराम पाण्डेय ने प्रयागराज में मन्नत किया था कि संजीव सिंह चुनाव में विजयश्री प्राप्त करने पर उन्हें प्रयागराज से गंगाजल तथा प्रसाद देंगे।मौके पर ब्राह्मण समाज के प्रदेश महासचिव सुरेश चंद्र तिवारी, श्याम पाण्डेय, वरिष्ठ अधिवक्ता रामाकांत ओझा, वरिष्ठ अधिवक्ता मनोहर पाण्डेय, श्रीनाथ तिवारी,मनी उपाध्याय,राजेन्द्र प्रसाद तिवारी,विद्यूत पाण्डेय आदि मौजूद थे ।

एक कदम साक्षरता की ओर, आनंद मंगल सोशल ऑर्गनाइजेशन संस्था के सदस्यों ने किया साकार

धनबाद, रविवार को धनबाद क्लब के फिएस्टा हॉल में आनंद मंगल सोशल ऑर्गनाइजेशन संस्था की सदस्यों ने समाज के विशेष अतिथियों को आमंत्रित किया।संस्था ने आरसी डीसी , एकल, राउंड टेबल, महिला समिति, पवित्रम, प्राणिक हीलिंग, जीटो के अध्यक्ष की उपस्थिति में लक्ष्य , एक कदम साक्षरता की ओर"को साकार किया।बहुत गर्व के साथ संस्था ने पांचवीं बार 110 जरूरतमंद बालिकाओं को उनके पूरे वर्ष के लिए पुस्तकें, स्कूल यूनिफॉर्म और स्टेशनरी निःशुल्क भेंट की। अतिथियों ने संस्था की सराहना करते हुए कहा आनंद मंगल बेटियों की शिक्षा को बढ़ावा दे रही है। एक शिक्षित बेटी न केवल अपने परिवार का भरण-पोषण कर सकती है, बल्कि समाज में भी सकारात्मक परिवर्तन ला सकती है। आनंद मंगल संस्था की अध्यक्ष, अलका मित्तल ने कहा कि संस्था का उद्देश्य समाज की सेवा करना और उनकी जरूरतों को पूरा करना है। संस्था हमेशा समुदाय की मदद के लिए तत्पर रहती है और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए हमेशा कार्य करती है। लक्ष्य , आयोजन की सफलता में संस्था की अध्यक्ष अलका मित्तल के साथ संगीता अग्रवाल, मीनू, रेखा रूंगटा, रश्मि, रंजना, संगीता, पायल, नीतू, सरोज, सपना, रेखा, उमा, सुनीता, किरण, सीमा, पिंकी, दीप्ति, श्वेता, संतोष, बरखा, पूनम, सुनीता, कीर्ति, डोली, माधवी, प्रियंका, पूनम, अर्चना, आशा, कविता, शीतल, अंजू, प्रीति, विजेता, प्रतिमा, निधि, रिद्धि, सुजाता वंदना, विभा आदि का सराहनीय योगदान रहा।

लिन्डसे क्लब और पुस्तकालय में अंकन प्रतियोगिता का किया गया आयोजन

धनबाद , रविवार को धनबाद के 100 साल पुराना लिन्डसे क्लब एव पुस्तकालय के द्वारा पुस्तकालय के प्रांगन मे बसे आंको शीर्षक के तहत अंकन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। ज्ञात हो कि धनबाद के विभिन्न क्षेत्रों से लगभग 250 बच्चो ने इस कार्यक्रम मे भाग लिया और अपने दमदार चित्रकरी वहीं बनाकर प्रस्तुत की। सभी ग्रुपों में सबसे अच्छी की गई चित्रकारी को निर्णायक मंडली को द्वारा पहेला वैशाख को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा । 5 वर्गों में विभाजित इस अंकन में प्रतियोगिता में ग्रुप ए में नर्सरी से यूकेजी, ग्रुप बी में स्टैंडर्ड 1 से 3 तक अपनी इच्छा अनुसार, ग्रुप सी में जंगल का दृश्य, ग्रुप दी में रास्ते में गाने वाले व्यक्ति या गुब्बारे बेचने वाले व्यक्ति का चित्र बनाने के लिए दिया गया था। ग्रुप डी ओपन टू ऑल था। कार्यक्रम का शुभारंभ क्लब के अध्यक्ष अमलेंद्र सिन्हा एव सचिव सलिल विश्वास ने किया ।सुबह 9:30 से 11:30 चलने वाले अंकन प्रतियोगिता को सफल बनाने मे क्लब के सभी सदस्यो ने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया ।

केशवी केयर और उन्नति ने संयुक्त रूप से बच्चों के बीच पाठ्य सामग्री का किया वितरण

धनबाद , केशवी केयर फाउंडेशन ने उन्नति शाखा गोविंदपुर के सहयोग से बच्चों के लिए पोषण और शिक्षा के महत्व को बढ़ावा देने हेतु एक विशेष सामुदायिक कार्यक्रम का सफल आयोजन किया। इस पहल के अंतर्गत बच्चों के लिए पौष्टिक एवं स्वादिष्ट भोजन,पुलाव, दाल और मिठाई का वितरण किया । इस आयोजन का उद्देश्य केवल बच्चों की पोषण संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करना ही नहीं, बल्कि उन्हें स्नेह, सम्मान और अपनत्व से भरपूर वातावरण प्रदान करना भी था।कार्यक्रम की मुख्य विशेषता उन्नति शाखा की टीम की सक्रिय भागीदारी रही, जिन्होंने अपने हाथों से बच्चों को भोजन परोसकर सेवा और संवेदना का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया। इस प्रयास ने बच्चों के बीच आत्मीयता और विश्वास का वातावरण निर्मित किया।भोजन वितरण के साथ-साथ बच्चों को कॉपी और पेंसिल भी प्रदान की गईं, ताकि वे नियमित रूप से शिक्षा से जुड़ सकें और अपने सपनों को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ सकें। यह पहल फाउंडेशन के उस उद्देश्य के अनुरूप है, जिसमें हर बच्चे को शिक्षा के माध्यम से सशक्त बनाना शामिल है। कार्यक्रम के दौरान बच्चों की माताओं के बीच फल , तरबूज का वितरण भी किया । जिससे समुदाय के साथ जुड़ाव और सहयोग की भावना को और मजबूत किया जा सके। इस अवसर पर केशवी केयर फाउंडेशन के अंकित अरुण ने कहा कि

हमारा विश्वास है कि छोटे-छोटे प्रयास ही बड़े बदलाव की नींव रखते हैं। यह पहल बच्चों को पोषण और शिक्षा के साथ-साथ प्रेम और प्रोत्साहन देने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

उप महापौर ने धनबाद में ट्रेन उद्घाटन कार्यक्रम से नाम हटाने पर की उच्चस्तरीय जांच की मांग

लोयाबाद। लोयाबाद कनकनी चार नंबर स्थित धनबाद के उप महापौर अरुण कुमार चौहान के आवासीय कार्यालय में रविवार को नगर निगम के 55 वार्ड पार्षदों के साथ एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया।आयोजित प्रेस वार्ता में धनबाद के उप महापौर अरुण कुमार चौहान ने धनबाद रेलवे द्वारा लोकमान्य तिलक टर्मिनल एक्सप्रेस के उद्घाटन कार्यक्रम से महापौर संजीव सिंह का नाम और फोटो हटाए जाने पर घोर निंदा कर कड़ी नाराजगी जताई। बताया गया कि 6 अप्रैल को रेलवे के डीआरएम के पत्र के माध्यम से महापौर को उद्घाटन कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया था।लेकिन कार्यक्रम से कुछ घंटे पहले ही निमंत्रण रद्द कर दिया गया। साथ ही बैनर और पोस्टर से नाम और फ़ोटो तस्वीर को भी हटा दी गई। जिससे नगर निगम के जनप्रतिनिधियों और आम जनता में भारी आक्रोश फैल गया। उप महापौर ने आरोप लगाया कि यह कार्रवाई किसके दबाव में की गई है।साथ ही धनबाद के उप महापौर अरुण कुमार चौहान ने भारत सरकार के रेल मंत्रालय से इस पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की है। धनबाद की जनता जनार्धन इस घटना का जवाब चाहती है।इस मौके पर नगर निगम क्षेत्र के सभी वार्ड पार्षद मौजूद थे।

तीन साल बाद जिनगोरा लोडिंग पॉइंट चालू, 500 मजदूरों को फिर मिला रोजगार

धनबाद, झरिया, साउथ तिसरा, नॉर्थ तिसरा एवं जिनगोरा कोलियरी क्षेत्र में पिछले लगभग तीन वर्षों से बंद पड़े जिनगोरा एमडीओ लोडिंग पॉइंट को पुनः चालू कर दिया गया है। झरिया विधायक रागिनी सिंह और धनबाद के महापौर , संजीव सिंह के सार्थक प्रयासों से इस लोडिंग पॉइंट के दोबारा शुरू होने पर करीब 500 मजदूरों को पुनः रोजगार मिलने का रास्ता खुल गया है। जिससे मजदूरों एवं उनके परिवारों में खुशी की लहर देखी जा रही है।

इस अवसर पर महापौर संजीव सिंह स्वयं लोडिंग पॉइंट पर पहुंचे। जहां उन्होंने मजदूर भाई-बहनों से बातचीत कर उनकी समस्याओं और हालात की जानकारी ली। इसके बाद नारियल फोड़कर विधिवत रूप से लोडिंग कार्य का शुभारंभ कराया। जिसके साथ ही मजदूरों ने उत्साह के साथ कार्य प्रारंभ कर दिया। लोडिंग पॉइंट शुरू होते ही मजदूर भाई-बहन कार्य में जुट गए और गाड़ियों की धुलाई सहित अन्य प्रारंभिक कार्य शुरू कर दिए गए। लंबे समय से रोजगार के अभाव से जूझ रहे मजदूरों ने इस पहल पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए महापौर और विधायक के प्रति आभार जताया।

इस पहल को विभिन्न मजदूर संगठनों का व्यापक समर्थन प्राप्त हुआ है। जेएमएम, कांग्रेस, राजद, जनता मजदूर संघ सहित अन्य मजदूर संगठनों ने इसे मजदूर हित में उठाया गया महत्वपूर्ण कदम बताते हुए कहा कि लोडिंग पॉइंट के चालू होने से क्षेत्र की आर्थिक गतिविधियों को भी बल मिलेगा। धनबाद के महापौर संजीव सिंह ने कहा कि जिनागोरा एमडीओ लोडिंग पॉइंट का पुनः संचालन मजदूर भाई-बहनों के हित में एक महत्वपूर्ण पहल है। हमारा हमेशा प्रयास रहा है कि क्षेत्र के मजदूरों को रोजगार मिले और उनकी आजीविका सुरक्षित रहे। आगे भी मजदूरों के हितों की रक्षा के लिए हर संभव प्रयास जारी रहेगा। झरिया विधायक रागिनी सिंह ने कहा कि लंबे समय से बंद पड़े इस लोडिंग पॉइंट को चालू कराने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे थे। आज इसके पुनः शुरू होने से लगभग 500 मजदूर परिवारों को राहत मिली है। हमारा संकल्प है कि मजदूरों के रोजगार और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए निरंतर कार्य करते रहेंगे। लोडिंग पॉइंट के पुनः संचालन से क्षेत्र में उत्साह का माहौल कायम है और मजदूरों ने इसे अपने रोजगार और भविष्य के लिए एक नई उम्मीद के किरण के रूप में देखा है।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक किशोर कुमार पाण्डेय द्वारा डी. बी. कॉर्प लिमिटेड, के. जी. आश्रम के नजदीक, भुईफोड़ मंदिर, गोसाईडीह, गोविन्दपुर रोड, धनबाद से मुद्रित एवं विनोद नगर, धनबाद (झारखण्ड)- 826001 से प्रकाशित आर. एन. आई. नं. - 58948/94, पो. रजि. -डी. एन. बी. /54 फोन नं. 0326-2310243, 9431507990 Fax NO. -0326-2310243 Email : koylanchal_dhn@rediffmail.com & koylanchal.hindi@gmail.com ▶ समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार।